महानगर नई दिल्ली रविवार 19 जनवरी, 2020, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

# जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

# दिग्गजों और 'आप' से आए चेहरों को टिकट

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

दिल्ली कांग्रेस ने शनिवार शाम को विधानसभा चुनाव के लिए अपने 54 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। पार्टी ने दिल्ली के त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले में अपने वरिष्ठ चेहरों पर भरोसा करने के साथ आम आदमी पार्टी (आप) से आए लोगों को भी टिकट का तोहफा दिया है। दिल्ली की बाकी बची सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम पर रविवार को फैसला होने की उम्मीद है। पार्टी ने अपने तीन पूर्व मंत्रियों अरविंदर सिंह लवली, हारुन यूसुफ, डॉ. एके वालिया और नरेंद्र नाथ को चुनाव मैदान में उतारा है। इसके साथ ही कुछ घंटे पहले ही आम आदमी पार्टी छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए द्वारका से विधायक और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पोते आदर्श शास्त्री को द्वारका विधानसभा सीट से ही अपना उम्मीदवार बाकी पेज 8 पर

**54**
उम्मीदवारों को कांग्रेस की पहली सूची में मिली जगह

एके वालिया

अल्का लांबा

हारुन यूसुफ

अरविंदर सिंह लवली

आदर्श शास्त्री

- कांग्रेस नेता के रिश्तेदारों में पूनम झा आजाद, शिवानी चोपड़ा और प्रियंका सिंह को मिला टिकट
- नई दिल्ली सीट पर अभी नहीं खोला पत्ता
- कुछ घंटे पहले पार्टी छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए आदर्श शास्त्री को मिला टिकट

# पूर्वी दिल्ली : अबोध बच्ची के दोनों बलात्कारी दोषी करार

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

करीब छह साल पहले पूर्वी दिल्ली में अबोध बच्ची से सामूहिक बलात्कार के मामले में अदालत ने शनिवार को दो अभियुक्तों को दोषी करार दिया। इस मामले में तीस जनवरी को सजा सुनाई जाएगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नरेश कुमार मल्होत्रा ने अभियुक्तों मनोज शाह और प्रदीप कुमार को दोषी ठहराते हुए कहा कि अबोध बच्ची घोर अनैतिक आचरण एवं अति क्रूरता की शिकार बनी। बच्चों का यौन अपराध से संरक्षण (पॉक्सो) अदालत ने कहा– घटना ने समाज की सामूहिक चेतना को झकझोर डाला। हमारे समाज में छोटी बच्चियों की पूजा देवी की तरह होती है। इस बच्ची को काफी अनैतिकता और अति क्रूरता का सामना करना पड़ा।

शाह और कुमार ने 15 अप्रैल 2013 को पूर्वी दिल्ली के एक इलाके में बच्ची से बलात्कार किया था। इस दौरान उन्होंने बच्ची को घोर यातनाएं भी दी। अपराध के बाद दोषियों ने पीड़िता को मनोज के कमरे में मृत समझकर छोड़ दिया और वहां से फरार हो गए। बच्ची को 40 घंटे बाद 17 अप्रैल 2013 को बचाया गया। कई सर्जरी के बाद उसे जीवन मिला।

पीड़ित बच्ची के पिता ने फैसले पर संतोष जताया। उन्होंने कहा– हम खुश हैं कि हमें छह वर्ष बाद ही सही बाकी पेज 8 पर

*पूर्वी* दिल्ली के चर्चित मामले में छह साल बाद आया फैसला

*दोनों* को 30 जनवरी को सुनाई जाएगी सजा

*फैसले* पर संतोष लेकिन न्याय में देरी पर पीड़िता के पिता और मुख्यमंत्री ने कसा तंज

## पत्रकारों पर हमले की कोशिश

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

दोषी ठहराए गए मनोज साह को जब अदालत कक्ष से बाहर ले जाया जा रहा था तो उसने पत्रकारों पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस ने उसे तुरंत काबू में कर लिया। मामले को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नरेश कुमार मल्होत्रा के संज्ञान में लाया गया जिन्होंने एक महिला संवाददाता से कहा कि वे थाना प्रभारी (एसएचओ) को लिखित शिकायत दें। इसके बाद न्यायाधीश ने उन्हें चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेज दिया।

# सीएए लागू करने से राज्य मना नहीं कर सकते : सिब्बल

कोझिकोड, 18 जनवरी (भाषा)।

कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि संसद से पारित हो चुके नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लागू करने से कोई राज्य किसी भी तरह से इनकार नहीं कर सकता और ऐसा करना असंवैधानिक होगा।

पूर्व कानून एवं न्याय मंत्री ने केरल साहित्य उत्सव के तीसरे दिन कहा, 'जब सीएए पारित हो चुका है तो कोई भी राज्य यह नहीं कह सकता कि मैं उसे लागू नहीं करूंगा। यह संभव नहीं है और असंवैधानिक है। आप उसका विरोध कर सकते हैं, विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर सकते हैं और केंद्र सरकार से (कानून) वापस लेने की मांग कर सकते हैं। लेकिन संवैधानिक रूप से यह कहना कि मैं इसे लागू नहीं करूगा, अधिक समस्याएं पैदा कर सकता है।' केरल सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

केरल, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र सहित कई राज्यों ने सीएए के साथ ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) और राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी (एनपीआर) का विरोध किया बाकी पेज 8 पर

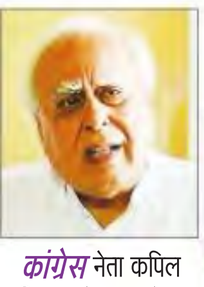

*कांग्रेस* नेता कपिल सिब्बल ने कहा, ऐसा करना असंवैधानिक होगा

# कश्मीर में प्री-पेड मोबाइल सेवा शुरू

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

जम्मू कश्मीर में प्रीपेड मोबाइल फोन सेवा और घाटी के 10 जिलों में 2जी इंटरनेट सेवा शनिवार को बहाल कर दी गई। प्रीपेड मोबाइल पर वॉइस और एसएमएस सेवा भी बहाल कर दी गई है। हालांकि जम्मू संभाग में शुरू होने वाली मोबाइल इंटरनेट सेवा का लाभ केवल पोस्टपेड उपभोक्ता ही उठा पाएंगे। कश्मीर में प्रीपेड मोबाइल से भी उपभोक्ता केवल कॉलिंग व एसएमएस ही कर पाएंगे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद लागू किए गए प्रतिबंध धीरे-धीरे हटाए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के प्रमुख सचिव रोहित कंसल ने बताया कि बारीकी से समीक्षा के बाद प्रशासन ने आदेश दिया है कि जम्मू-कश्मीर में सभी स्थानीय प्रीपेड मोबाइल फोन सेवा पर वॉइस और एसएमएस सेवा दोबारा शुरू कर दी बाकी पेज 8 पर

> "बारीकी से समीक्षा के बाद प्रशासन ने आदेश दिया है कि जम्मू-कश्मीर में सभी स्थानीय प्रीपेड मोबाइल फोन सेवा पर वॉइस और एसएमएस सेवा दोबारा शुरू कर दी जाएंगी। -रोहित कंसल, प्रमुख सचिव

घाटी के दो जिलों में प्री पेड मोबाइल व 2-जी मोबाइल सेवाओं पर छह महीने से जारी पाबंदी हटने के बाद शनिवार को श्रीनगर के मीडिया फैसिलिटेशन सेंटर में मोबाइल का उपयोग करते मीडिया कर्मी।

**10**
जिलों में 2जी इंटरनेट भी बहाल

मोबाइल पर वॉइस और एसएमएस सेवा भी बहाल

बडगाम, गंदेरबल, बारामूला, कुलगाम, अनंतनाग, शोपियां और पुलवामा में बंद रहेगी इंटरनेट सेवा

## जम्मू में नहीं उतर सका केंद्रीय मंत्रियों का विमान

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

जम्मू-कश्मीर के विभिन्न शहरों और गांवों के दौरे पर गए 36 केंद्रीय मंत्रियों को शनिवार को खराब बाकी पेज 8 पर

## नियंत्रण रेखा पर पाक ने की गोलाबारी

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

पाकिस्तान ने शनिवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा से सटे गांवों और बाकी पेज 8 पर

# लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी बनाए गए उपसेना प्रमुख

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की अगुवाई वाले रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग ने शनिवार को अपनी ओर से पहला नियुक्ति आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी को थल सेना का नया उपसेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। वह 25 जनवरी को काम संभालेंगे। वह अब तक सेना की दक्षिणी कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (जीओसी-इन-सी) थे।

लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी, सैनिक स्कूल कपूरथला और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला के पूर्व छात्र रह चुके हैं। उन्हें जून 1981 में सातवीं जाट बटालियन में कमीशन मिला था। वह माउंटेन ब्रिगेड, जम्मू-कश्मीर में आतंक रोधी दस्ते और वेस्टर्न थिएटर में एक कोर के कमांडर के तौर पर काम कर चुके बाकी पेज 8 पर

लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी को थल सेना का नया उपसेना प्रमुख नियुक्त किया गया है।

# जेईई परीक्षा में दिल्ली का निशांत अग्रवाल अव्वल

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रहने वाले निशांत अग्रवाल ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (मुख्य) में 100 परसेंटाइल हासिल किया है, जबकि उनके जुड़वां भाई प्रणव ने इस परीक्षा में 99.93 स्कोर हासिल किया है। न्यू सैनिकपुरी पब्लिक स्कूल में पढ़ाई कर रहे 17 साल के दोनों भाइयों का लक्ष्य बाकी पेज 8 पर

*निशांत* को 100 और उनके जुड़वां भाई को 99.93 परसेंटाइल

# पीड़िता की मां की हत्या, दो गिरफ्तार

कानपुर (उप्र), 18 जनवरी (जनसत्ता/भाषा)।

कानपुर के चकेरी क्षेत्र में कथित छेड़छाड़ के मामले में पीड़िता की मां की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में शनिवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

**बलात्कार की कोशिश का मामला**

पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि चकेरी क्षेत्र में 2018 में अपनी नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ के मामले में गवाह रही एक महिला को इसी मामले में जमानत पर छूटे चार आरोपियों ने गत 9 जनवरी को कथित तौर पर समझौता न करने से नाराज होकर अपने तीन अन्य साथियों की मदद से बुरी तरह मारा पीटा था। गंभीर रूप से घायल उस महिला की शुक्रवार को लाला लाजपत राय अस्पताल में मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि वह महिला अपनी बेटी से छेड़छाड़ के मामले में गवाह भी थी और आरोपी उसे अदालत में गवाही देने से मना कर रहे थे। आरोपियों ने उसकी 26 वर्षीय दूसरी बेटी को भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है। उसका भी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। अग्रवाल ने बताया कि इस मामले में शनिवार को दो और आरोपियों आबिद और परवेज को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। प्रकरण के पांच अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बाकी अभियुक्तों की तलाश की जा रही है।

मालूम हो कि चकेरी क्षेत्र में 2018 में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित रूप से बलात्कार की कोशिश की गई थी। इस मामले में महबूब, परवेज, आबिद और जमील नामक व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था लेकिन बाद में वे जमानत पर छूट गए थे।

*पीड़िता* की मां अपनी बेटी से छेड़छाड़ के मामले में गवाह भी थी और आरोपी उसे अदालत में गवाही देने से मना कर रहे थे

*आरोपियों* ने उसकी 26 वर्षीय दूसरी बेटी को भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है

*प्रकरण* के पांच अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बाकी अभियुक्तों की तलाश की जा रही है

**क्या है मामला**

नाबालिग लड़की से 2018 में क्षेत्र के महबूब, परवेज, आबिद और जमील नामक व्यक्तियों ने कथित दुष्कर्म का प्रयास किया था। मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा गया था लेकिन बाद में वे जमानत पर छूट गए थे।

## जनसत्ता बारादरी

कांग्रेस नेता कीर्ति झा आजाद का कहना है कि शीला दीक्षित की 15 साल की दिल्ली आज भी विकास का मॉडल है। विधानसभा चुनाव को लेकर उनका दावा है कि कांग्रेस पूरे जोश और होश के साथ दिल्ली की जनता के बीच है। उनसे विस्तृत बातचीत पढ़ें पेज 7 पर

## दरअसल

बर्फबारी से लद्दाख में तापमान शून्य से नीचे लुढ़का | **सितम सर्दी का** | मनाली और कुफरी में भी तापमान जमावबिंदु के पास

# कहीं बर्फबारी, कहीं शीतलहर जारी

श्रीनगर/शिमला/चंडीगढ़/जयपुर, 18 जनवरी (भाषा)।

कश्मीर घाटी और लद्दाख में शनिवार को शीतलहर का प्रकोप जारी रहा। उधर, पंजाब और हरियाणा के ज्यादातर हिस्सों में शनिवार को भी लोगों को ठंड से राहत नहीं मिली। इस बीच, राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में अब भी अच्छी खासी सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि हाल ही में हुई बर्फबारी के बाद कश्मीर घाटी और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में तापमान शून्य से नीचे चला गया जिसके कारण सड़क पर बर्फ जमी रही और मोटरसाइकिल चालकों और अन्य आने जाने वालों को असुविधा का सामना करना पड़ा। प्रसिद्ध स्की रिसोर्ट गुलमर्ग कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा जहां का न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.4 डिग्री कम दर्ज किया गया जो कि शुक्रवार को दर्ज किए गए तापमान से कम था। दक्षिणी कश्मीर स्थित काजीगुंड में पारा शून्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

पर्यटन स्थल पहलगाम का तापमान शून्य से 6.8 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जो कि शुक्रवार को दर्ज किए तापमान से अधिक था। मौसम विभाग ने कहा कि हालांकि अगले तीन दिन तक घाटी में हिमपात होने की संभावना नहीं है लेकिन 21 जनवरी से 24 जनवरी के बीच हल्की बर्फबारी हो सकती है।

उधर, पंजाब में अमृतसर सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया बाकी पेज 8 पर

मनाली के सोलंगनाला में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

**3.6**
डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया अमृतसर का न्यूनतम तापमान

बर्फबारी के बाद कश्मीर घाटी और लद्दाख में तापमान शून्य से नीचे चला गया

## रविवारी

19 जनवरी, 2020

**कुंठा का तेजाब**
प्रेम में विफल लड़कों का लड़कियों पर तेजाब फेंकने की घटनाएं चिंता का विषय हैं। इसे रोकने के लिए कई उपाय किए गए, पर अभी तक अपेक्षित नतीजे नजर नहीं आए। फिल्म छपाक में भी इस समस्या को लेकर जागरूकता फैलाने का प्रयास हुआ है। बता रही हैं मीना।

- कहानी/ सोनी पांडेय
- अवदान/ जितेंद्र श्रीवास्तव
- मुद्दा/ अतुल कनक
- शख्सियत/ रांगेय राघव
- दाना-पानी/ मानस मनोहर
- सेहत/ रविवारी डेस्क

सर्दी में सदाबहार पहनावे • अनीता सहरावत

- कविता/ गौरव वाजपेयी 'स्वप्निल'
- कहानी/ सीमा श्रोत्रिय

# जनसत्ता क्लासीफाइड

## व्यक्तिगत

**I,Surender** Singh S/o-Kartar Singh R/o,A-3/28,Block-A,Pocket-3,Sector-15,Rohini,Delhi,have changed my minor Son's name.Saksham Gaur alias Yash Gaur to,Yash Gaur for,all purpose.(DOB.22.03.2006) 0040528152-2

**I,Nishant** And Prachi Gaur R/O-13-B Ba-Block, Phase-I Ashok-Vihar,Delhi-110052.Changed My Minor Child Name, Aryaman To Aryaman Dixit. 0040528156-2

**I,Naznin** Parveen D/o Md Nasiruddin W/o Anshul Arora R/o-Shobhapur Hijalatala,Par Deonapur,Baishnabnagar, Malda-742202,residing.at-4/1447, Gali.No.3,Bhola Nath Nagar,Shahdara,Delhi-110032 have changed my name to Ananya Arora.And change my Relagion from Muslim to Hindu from-11/04/2012 0040528089-1

**I,Kapoor** Chand Gupta S/O Tara Chand Gupta R/O-64,II-Floor,Vasudha Enclave, Pitampura,Delhi-110034. Changedmy Nameto Kapur Chand Gupta. 0040528164-5

**I,Bimla** Grover w/o Suresh Kumar Resident B-4/23 Paschim Vihar Delhi 110063 have changed my name to Bimal Grover 0040528178-1

**I,** Yashika Paswan,D/o Ashok Paswan R/o-C-87/2,F/F,Flat No.2,Paryavaran-Comlex, Saket,Saidul Azaib,South-Delhi,Delhi-110030, declare that the name of mine and my mother has been wrongly-written as Yasika/ Yashika and Manju Paswan in my 10th and 12th school certificate. The actual name of mine and my mother are Yashika Paswan and Anjali Paswan respectively. 0040528164-10

**I,** Vishal S/o Sh.Nand Lal R/o-B-6, Pushpanjali Enclave, Pitam pura Delhi-110034,have changed my name to Vishal Madan. 0040528148-5

**I,** Vijay Kumar S/o Bhupal Singh Bisht R/o-226 Sector-2 R.K.Puram Delhi-110022.Have Changed My Name To Vijay Kumar Bisht. 0040528147-8

**I,** Sonal Charnalia D/o-Joginder Kumar R/o-O-167, Vani-Vihar, Uttam-Nagar, N.Delhi-59have changed my name to Sonal permanently. 0040528156-5

**I,** Vijay Alagh S/o Harbans Lal R/o-101 (Top-Floor), Pocket-6,Sector-24,Rohini, Delhi-110085,have changed my name to Vijay Kumar Alagh 0040528164-7

**I,** Vijai Nair S/o-Ramachandran R/o-102 Mahagun-Mosaic Ph-1,Sector-4,Vaishali, Ghaziabad,have change my name to Vijai Ramachandran Nair,for all purposes. 0040528148-9

**I,** Valsamma Jose, wife of Jose Joseph Kottuvelithara residentof 127-BJ&K Pocket Dilshad Garden, Shahdara, Delhi- 110 095have changed my name from Valsamma Jose KottuvelitharaJoseph to Valsamma Jose for all future purpose and will becalled as Valsamma Jose. 0040528118-1

**I,** Ujjawal Singh S/o Puran Singh R/o U.S.159B Uttari School Block-VTC Mandawli Delhi-110092 have changed my name to Ujjwal Singh. 0040528107-1

**I,** Twinkle D/o Shri Rajkumar Jagyai, R/o Flat no.D-75, Devi Dayal Apartment,NearIME Institute, G.T. Road Sahibabad, Ghaziabad U.P.-201005, have changed My Name from Twinkle to SANYA JAGYA for all future purposes. 0040528100-1

**I,** Suneela Nair W/o-Vijai Ramachandran Nair,R/o-102, Mahagun-Mosaic Ph-1,Sector-4,Vaishali,Ghaziabad,have change my name to Suneela Vijai Nair,for all purposes. 0040528148-10

**I,** Sayedda Tajwar Hasan W/O-Syed Mohammad Sajid Hasan,H.No-96a, ZakirBagh Maulana-Mohammed Ali Jouhar-Marg Delhi-110025. Changed My Name To Tajear Hasan. 0040528148-2

**I,** Sarvajeet Kaur W/o Thakur Singh R/o-RZQ-97-A, Nihal Vihar, Nangloi,Delhi-110041, have changed my name to sarvjeet Kaur for all purposes. 0040528155-1

**I,** Saba D/o Khalil Hussain R/o 523, Gali Matia Mahal, Jama Masjid, Delhi-110006, have changed my name to Saba Khan. 0040528093-1

**I,** Saarthak Punj S/o Shri Dinesh Punj R/o 7, Bhagat Singh Market, Near Gole Market, New Delhi-110001, declare that I have changed my name from Saarthak Punj to Akshat Punj and both the name are one & the same person for all purposes. 0040528121-1

I Ashok Kumar S/o-Om Dutt R/o-Gali.No.5 Wazirabad-Village Delhi-110084.have changed my name to Ashok Kumar Tyagi. 0040528148-7

**Correct** name of my father is Danveer Singh Meena but it is written as Dhanveer Singh in my educational documents. Guddal Meena r/o 22/83, First floor, West Patel Nagar, Delhi-110008. 0040528096-2

## व्यक्तिगत

**I,** Ruma Parveen W/O-Shahzad Alam,H No-314, Street-Garahiyya Bazar Matia-Mahaal Jama-Maasjid,Delhi-110006.Changed My Name To Ruma Shahzad. 0040528148-1

**I,** Ram Anchal S/o Sahebadeen r/o 19, Kauria Sahjanwa Gonda, UP 271122 change name Ram Anchal Jaisval on 01/12/2019, my father name Sahebadeen & date of birth 01-01-1989 wrongly printed on pan card as shiv prasad & 16-12-1994 as per affidavit dt.06/01/2020 notary ashok Kr. 0120008244-2

**I,** Rajesh Kumar Pushkar S/O Mahender Pal Singh, H.No-93-20, Jagatpuri,Krishna-Nagar Shahdara Delhi-110051. Changed My Name To Rajesh Kumar. 0040528164-4

**I,** Rachana Sikarwar,W/O Mr.Jawahar Singh Tomar R/O-Flat.No.375,Pocket-F, Third-Floor, Sarita-Vihar, New-Delhi-110076,Have Changed My Name To Rachna,For All Purposes. 0040528156-9

**I,** Priyanka Maharjan, R/o F-9, Vinayak Apartment, Khasra No.762, Main Road Sant Nagar, Burari, Delhi - 84, have changed my name to Priyanka Sharma for all future purposes. 0040528181-1

**I,** Prachi Verma R/o M-515 Second Floor Orchid Island Sector-51 Gurgaon have changed my minor daughter's name from Anaya Verma to Presha P Verma 0040527988-1

**I,** Poonam Dhand & Sonia D/o Amrit Lal R/o Samrala, Punjab both are same and one person. 0040528147-1

**I,** Poonam Devi W/o-Ajay Thakur R/oH.No.03, Kheri-Road, Ward.No.23, Hanuman-Nagar, Faridabad,Haryana-121002.have changed my name to Kamni Devi. 0040528147-5

**I,** Nazma W/o Mohammad Ismail R/o N-80 Gali No-14&15 Brahampuri Delhi-110053 have changed my name to Nazma Begum. 0040528107-4

**I,** Ms Shagaf Naaz W/o Mohammad Rehan R/o N-1/3 Gali No-15 Brahampuri Delhi-110053 have changed my name to Shagaf Naaz. 0040528107-3

**I,** Manoj Singh S/o Chandra Singh R/o-RZH-820, Street-No.13, RajNagar,Part-2, Palam, N.Delhi-110077,have changed my surname to Singh 0040528155-3

**I,** Malka Chaudhery W/o Sabih Ahmad, R/o Flat No. 203,1st Flr, 332, Ashiyana Building, Hauz Khas Village, New Delhi-110016, havechanged my name to Malka Sabih but now finally to Malka Chaudhary for all practical purposes. 0040528163-1

**I,** Madan Thakur S/o Ganesh Thakur R/o-C-32,Paryavaran Complex, Saket,New Delhi-110030,have changed my name to Mohan Thakur for all future purpose. 0040528155-4

**I,** Kishan Lal Singhal,S/o Sh. Hardwari Lal,R/o-L-118, Shastri-Nagar, Delhi-110052,have changed my name,from Kishan Lal,to Kishan Lal Singhal,for all purposes. 0040528164-9

**I,** Kanika Batra D/o Kishan Chand Batra W/o Shyam Chopra R/o H.No-B-16A Gali - 1,Old D C Road, Inderpuri, Sonipat, Haryana - 131001 have changed my name and shall hereafter be known as Aarti for all purposes in future. 0070693477-1

**I,** Kamal Anand R/O-E-464 Greater Kailash-2 Top-Floor New-Delhi-110048.Changed My Minor Child Name Bhayika Anand To Bhavika Anand. 0040528156-4

**I,** Kalpana Tiwari D/o Sh. Ram Ratan Tiwari W/o Dr Vishal Kumar R/o Flat No-1102, A Wing, Maple Leaf Apartment, Raheja Vihar, Near Bombay Scottish School, Chandivali, Powai, Mumbai, Mumbai Suburban, Maharashtra-400072, have changed my name and shall hereafter be known as Kalpna V Kumar. 0070693479-1

**I,** Jyoti W/o Vijay Kumar Bisht R/o-226 Sector-2 R.K.Puram Delhi-110022.Have Changed My Name To Jyoti Bisht. 0040528147-7

**I,** Jatindirbir Singh S/o Hanwant Bir Singh R/o F-55, Rajouri-Garden, N.Delhi-110027have changed my name to Jatinder Bir Singh. 0040528156-6

**I,** Isarar Khan S/o Aijaz Khan R/o 174-B J-Extension Laxmi Nagar Delhi-110092 have changed my name to Israr Khan. 0040528107-2

**I,** Hemender Goyal S/o-Ram Avtar Goel R/o-D-12/84,Pkt-12,Sect-8, Rohini,Delhi-85,have changed my name to Hemender Goel. 0040528148-3

I, Om Prakash S/o Sh. Munshi Ram R/o B-110, Ramprastha Colony Chander Nagar Ghaziabad U.P. 201011 have changed my name to Om Prakash Sharma for all future purposes. 0040528091-1

I Rajinder Kumar alias Raj Kumar S/o Sh. Ram Nareyan R/o G-8/35, Ground Floor, Sector-15, Rohini, Delhi-110089 have changed my name to Raj Kumar for all purposes. 0040528095-2

I, Aashna Ohri,W/o Madhav Rajpal and,D/o Sanjeev Ohri,R/o-E-494 Ground-Floor,Greater-Kailash-2,New Delhi-48.have changed my name to Ashna Ohri Rajpal,for all purposes. 0040528173-1

**I,** Ghuni Bai W/o Bhawanideen R/o C-326 GP-Block Pitampura Delhi-34 changed my name to Jamna for all purposes. 0040528147-4

**I,** Faisal Ahmad S/o Gulzar Ahmed R/o 1st Floor, N-56A, Near Jagat Ram Park, Laxmi Nagar, Delhi- 110092, have changed my name to Faisal Ahmed for all future purposes. 0040528090-1

**I,** Syed Mohammed Sajid Hasan S/O-Syed Mohammad Hasan H.No-96a, ZakirBagh Maulana-Mohammed Ali Jouhar-Marg,Delhi-110025. Changed My Name To Syed Mohammad Sajid Hasan. 0040528156-3

**I,** Faheem Ahmad Khan,S/o-Shamim Khan,R/o-E-87/2, 2nd-Floor, Shaheen-Bagh, Abul-Fazal-Enclave-Part-2, Jamia-Nagar,New-Delhi-110025,changed my name,from Faheem Ahmad Khan,to Fahim Ahmad Khan,for all purpose. 0040528164-8

**I,** Bhawani Din S/o Prasad R/o-C-326 GP-Block Pitampura Delhi-34.changed my name to Bhawanideen for all purposes. 0040528147-3

**I,** Bal Ram S/O-Baboo Ram R/O-R-15, 2nd-Floor, R-Block, Inderpuri, Delhi-110012. Changed My Name To Bal Ram Gupta. 0040528156-1

**I,** Arvind Malik W/o,Late Pradeep Juneja D/o,Mahendra Singh Malik R/o-232-B, MIG-Flats, Rajouri-Garden, N.Delhi-110027,have changed my name to Dimple Juneja. 0040528156-7

**I,** Anuj Mediratta S/o Sh. Ramesh chander Mediratta R/o I-132 ,Kirti Nagar, Ramesh Nagar, West Delhi – 110015, have changed my name and shall hereafter be known as Anuuj Medirattaa. 0070693469-1

**I,** Anjna Chhabra W/o Late.Anup Kumar Chhabra and D/o Late Chiran Jeev Lal Grover R/o-C-590, Vikaspuri, New Delhi-110018, Do hereby declare that my father name Chiran Jeev Lal Grover, Chiranjeev Grover and Chiranjiv Lal Grover all are of the one and the same person. 0040528164-2

**I,** Anil Kumar(D.O.B.-06-01-1967)S/o Ram Kishan permanent add.VILL & P.O, Daulatpur, Najafgarh-Block, Delhi.presently residing at-G-57B,FF,Kalkaji, New-Delhi,have changed my name to Anil Choudhary,for all purpose. 0040528156-8

**I,** Anil Kumar S/o-Tara Chand R/o-M-7/C, Gulmohar-Apartments, Vikaspuri,Delhi-110018,have changed name to Anil Madaan. 0040528147-2

**I,** Ajay Pandey S/o-Shatrughan Thakur R/oH.No.03, Kheri-Road, Ward.No.23, Hanuman-Nagar, Faridabad,Haryana-121002.have changed my name to Ajay Thakur. 0040528147-6

I hitherto Known as Ashraf Jamal,S/O S.M. Zaki R/O-C-572 Second-floor New-Friends Colony New Delhi-110065.have changed my name and shall hereafter be known as Ashu Chaudhary. 0040528198-2

I Syed Sajid Azhar S/o Syed Azhar Ali R/o H. No. 2979, Street Nal Wali, Shahganj Ajmeri Gate Delhi-110006 have changed my name to Syed Sajid Azhar Ali for all purposes and my correct date of birth is 01.10.1968 0040528092-1

I Sudha Kiran Rajoria W/O-Inder Kumar H.No-75-C Pocket-C, Siddharth-Extension New Delhi-110014.Have Changed My Name To Sudha Kiran. 0040528198-1

I Sharwan Kumar Dewal S/O, Shiv Swaroop R/o C-54 Bhagat Singh Colony New Usmanpur Delhi-53 have changed my name to Shravan Kumar Dewal for all purposes. 0040528141-1

I Shaikh Suhail Ahmad Mohamed Maroof Alias Suhail Ahmad Mohammed Maroof Shaikh Alias Shaikh Suhail Ahmad Alias Suhail Ahmed Mohd Maruf Shaikh S/o Mohammed Maroof Hafizullah Shaikh R/o Flat No-606, Laxcon Plaza, Nerul East, plot No-20, 21, Sector-29, Navi Mumbai, Nerul Node-3, Thane, Maharashtra-400706, have changed my name to Suhail Ahmed Mohammed Maroof Shaikh 0070693476-1

I Salma Siraj D/o Abuhorara Siddique W/o Sirajuddin R/o E-602, Saraswati Apartments, Plot No. 97, I.P. Extension, Delhi-110092 is also known as Salma Khatoon. Both names are of one & the same person. 0040528095-4

**I,** Dhruv Goyal S/o-Hemender Goel R/o-D-12/84, Pkt-12, Sect-8,Rohini,Delhi-85,have changed my name to Dhruv Goel. 0040528148-4

I Ranbir Singh Jakhar S/o Sh. Ratibhan Singh R/o B-1/50A,Sewak Park, Dwarka More,Uttam Nagar,New Delhi-110059 is also known as R.S. Jakhar. Both names are of one & the same person. 0040528095-5

I Avish R,S/o P S Rajeev R/o.RZ-F2/153A,F2-Block, Gali.No.5, Mahavir-Enclave Palam-Village Delhi-110045 have changed my name to Avish Rajeev. 0040528148-8

I Mohd Danish S/O Raisuddin H.No-916, Gali Chah Shreen Farash Khana,Delhi-110006. Changed My Name To Danish. 0040528164-3

## व्यक्तिगत

सूचित किया जाता है कि मेरे अपना नाम हम्फ्रे अनिल सिंह से बदल कर अनिल सिंह कर दिया है। भविष्य में मुझे अनिल सिंह S/o श्री एस. एच. सिंह R/o मकान नं० 1-39/31, हाता मेवारामगंज, मीराबाई मार्ग क्रासिंग, नरही, लखनऊ के नाम से ही जाना जाए।

मैं अनिता जौहर पत्नी अनील जौहर अपने परिवार के साथ उत्तम नगर इलाके में रहती हूं। अनिता अनील जौहर और अनील तिलकराज जौहर हमारे ही नाम हैं। मेरे पति की मृत्यु महाराष्ट्र में हुई। जहां उनके मृत्यु प्रमाण पत्र पर अनील तिलकराज जौहर और अनिता अनील जौहर नाम का उपयोग किया गया है।

I Rajinder Kumar S/o Sh. Ram Nareyan R/o G-8/35, Ground Floor, Sector-15, Rohini, Delhi-110089 have changed my name to Raj Kumar for all purposes since December 2017. Both names Rajinder Kumar & Raj Kumar are of one & the same person. 0040528095-3

I Nippun Agarwal S/O,Nishu Aggarwal R/o House No.7, Block-A2, First Floor, Model Town-1, NearJheel, Gtb Nagar, North West Delhi-110009 have changed my name to Nippun Aggarwal for all purposes 0040528175-1

I Narinder Singh S/o Sh. Gurdev Singh R/o Sindhi Colony Kh.584/9, Gali No.9, H-Block, Swaroop Nagar, Delhi-110042 have changed my name to Narender Singh for all purposes. 0040528129-1

I Munkesh Kumar S/0-Ghanshyam Prasad Jaiswal R/0-Plot.No-A-13 Block-R-3/A Mohan-Garden Delhi-110059.Changed My Name To Mukesh Jaiswal. 0040528147-10

I Mukesh Kumar S/O, Gian Chand R/o 809, Sector-7 Extension, Gurgaon-122001 have changed my name to Mukesh Kumar Chhabra for all purposes. 0040528099-1

I Jai Bhagwan,S/O Sh.Ramher Singh R/O-H.No.149, Surya-Nagar Phase-2, Sector-91,Faridabad,Haryana.Have Changed My Name,From Jai Bhagwan To Jai Bhagwan Suhag,For All Purposes. 0040528164-6

I Indrawati W/o Balwan Singh R/o-H.No.816/9 Village-Chhara Tehsil-Bahadurgarh Dist. Jhajjar(Hr.)Have Changed my name to Indira wati. 0040528147-9

I Himanshu S/O Dharamveer kaushik R/O 450. Chirag Delhi ,new Delhi 110017 Have Changed my name to Himanshu kaushik . 0040528164-1

I Gurdip Singh S/O-Mohinder Singh R/O-2055, Outram-Lines, Gtb-Nagar,Delhi-110009.Have Changed My Name To Gurdeep Singh.For All Purposes. 0040528148-6

I Gaurav Aggarwal S/o Late Rakesh Aggarwal R/o G-43, Masjid Moth, Greater Kailash-III, New Delhi-110048 have changed the name of my minor daughter from Ayesha Aggarwal to Ishani Aggarwal for all purposes. 0040528095-1

I Durgesh Kumar Giri S/O Uday Narayan Giri R/O-A-151/1, Vrindavan Garden, Sahibabad, Ghaziabad, Up-201005 Have Changed Name Durgesh Giri. 0130014415-1

I, JATINDER Singh S/o Harjinder Singh R/o BE- 351, Upper 1st Floor Street No-06, Hari Nagar, New Delhi-110064 have changed my name from Jatinder Singh to Jatindera singh for all future purpose 0040527877-1

It is for general information that I, Pooja Dua D/o Karnail Gill R/o-45 Paschim Enclave New Rohtak Road New Delhi-87,inform that name of my father hasbeen wrongly written as Ramesh Lal Budhiraja in my Pan Card.No.AKTPD2355A. The actual name of my father is Karnail Gill which may be amended accordingly. 0040527765-10

## खोया+पाया

**Cambridge College Of Education**
Sector-10A, Gurugram, Haryana-122001. Ph.9354555547
E-Mail: cambridge.gurgaon@gmail.com
Urgently Require Staff for D.El.Ed. Course (Teaching & Non-Teaching)
•Principal - 01
•Perspective in Education-01
•Pedagogy Subjects-04 (Science, Social Sci., Maths, Language)
•Fine Art-01•Physical Education-01
•All Non-Teaching Staff
Note: Qualification & Salary as per norms of NCTE & Haryana Education Board/Govt. Norms/SCERT.
Walk-In-Interview on 29/01/2020 at 9:00 am to 1:00 pm
Chairman

**BALAJI COLLEGE OF EDUCATION**
Affiliated to CRSU Jind & Approved by NRC, NCTE- Jaipur
Adarsh Nagar Ballabgarh, Faridabad, Haryana.
M.: 9310902234, 9310002234
Email : balajiedu244@gmail.com
REQUIRES FOR B.Ed.
1. Principal (01)
2. Assistant Professor in Pedagogy Courses - Hindi (01), Mathematics (01), S. Studies (01), Commerce (01), Fine Art (01), Physical Edu. (01), Physical Science (01)
3. Library Attendant (01)
4. Store Keeper (01)
Salary as per Govt. Norms
Note : Please send one set of documents with application in the college address & one set of documents with application send to Colleges branch, CRS University, Jind within 21 days.

## खोया+पाया

I, ARUN S/o-Arjun R/o-h.no-287, E/2-Block sultanpuri Delhi-86,have lost my original-certificate class-10th year-2015 Rollno-8608794 CBSE-Delhi. 0040528173-10

I, Kuverdeep Singh R/o V-49, 1st floor RajouriGarden, New Delhi-110027. have lost my originalCertificate Main Secondary, Main Senior SecondaryExamination of year 2012 (Roll No. 8160488) andyear 2014 (Roll No. 9156049 ) issued by CBSE.Finderplease contact # 9999916273 0040528131-1

I, Iram Ameer D/o Ameeruddin R/o B-2, Bhaskar Compound, Abul Fazal Enclave, New Delhi-110025 have lost my original 10th class marksheet, year 1997, Roll No. 6100704 issued from Indian International School Jeddah. If found, please contact above address. 0040528109-1

I, Mandeep Gupta R/o 1/6587 East Rohtas Nagar,Shahdara, Delhi-110032 have lost my Original Xth marksheet Roll No.8132673 CBSE Board. Contact:7982189140. 0040527998-2

It is notified for the information that have lost my original education certificate 10th Roll no. 2208493705,12th Roll no. 3210258708 of HBSE Board & ITI certificate no-1410051394 of patna, B.Com-21594214(2015). Name-Jitender #8851501986 0040528169-1

I Usha Kumari D/o Sh. Akhil Chandra Jha R/o House No.1, Second Floor, Gali No.2, Sarojini Naidu Park, Shastri Nagar, Delhi-110031 have lost Agreement to Sell, Affidavit, Receipt, Possession Letter & Will executed on 05-11-2008 by Sh. Charanjit Lal Narang in favour of Rashmi Jain of Property No. 1-C, Sarojini Naidu Park, Shastri Nagar, Delhi-110031. Finders may contact at Mobile No. 9871223317. 0040528095-6

**PUBLIC NOTICE**
Public at large are informed that my client Shri Yash Dev Kapoor S/o Shri Hans Raj Kapoor R/o H. No. 13/177, Ist Floor, Geeta Colony, Gandhi Nagar, Delhi has entered into an Agreement to Sell with Shri Naveen Soni S/o Shri Subhash Soni R/o F-12/10, Model Town, Part II, Delhi for purchase of one Shop 8'x12" on GF part of property No. 1966/40, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi. If any person has any objection regarding the sale of above said property then said party may contact to my client within 15 days after that my client shall not be responsible for that objection.
N.C. SHAHI (Advocate)
Ch. No. B-11, B.G.S. Block, Tis Hazari Courts, Delhi-54

**PUBLIC NOTICE**
NOTICE is hereby given to public at large that my client Sh. Kamal Rana S/o Sh. Parveen Rana R/o 135, Panna Dalman, Bajit Pur Thakran, Bawana, Delhi-110039 has agreed to purchase, the Plot ad measuring 350 sq. Yards, Khasra No. 127, New Lal Dora, Village Majri, Delhi from Smt. Kavita w/o Late Sh. Manoj, Mohit & Deepanshu both s/o Late Sh. Manoj, free from all encumbrances. Any person having any right, title, interest, claim or demand of any nature whatsoever in respect of the said plot, is hereby required to make the same known in writing along with the documentary proof thereof, to the undersigned, within Ten days from the date of publication hereof, failing which the negotiations shall be completed, without any reference to such claims and the claims if any, shall be deemed to have been given up or waived.
Sd/-
HINU MAHAJAN (Advocate)
165A, Pocket- J and K, Dilshad Garden, Delhi-95

**PUBLIC NOTICE**
MY CLIENT SH. DEVI SINGH S/O LATE SH. GENDA LAL R/O H. NO. 637A, THIRD FLOOR, RISHI NAGAR, RANI BAGH, DELHI- 110034, SEVERE ALL RELATIONS, DEBAR THEIR SON NAND KISHORE AND HIS WIFE MS. NIRMALA FROM ALL MOVABLE-IMMOVABLE PROPERTY(S) DUE TO MISCONDUCT, MISBEHAVIOUR. MY CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ANY ACTS IN FUTURE.
Sd/-
AJIT KUMAR SONI (ADVOCATE)
CH. NO. 513, ROHINI COURT, DELHI

**PUBLIC NOTICE**
Public at large is informed that my clients **Ashok Kumar** son of Sh. Jai Singh Rathi **& Guddy** wife of Ashok Kumar both R/o of H. No. 604, Side- 1, Vikas Puri New Delhi- 110018, have disowned/debarred their son namely **SUNDEEP KUMAR**, his two sons namely **DIVYA SAINI** from their movable and immovable properties due to their disrespectful behavior, out of control and have severed their relations with them for all intents and purposes with immediate effect. Anybody he/they deals with them will do so at his/her/their own risk and responsibility.
Ashok Kumar Tyagi & Associates Advocates
A-3, Main Najafgarh Road, Uttam Nagar, New Delhi- 110059

**PUBLIC NOTICE**
My clients V. K. Chitkara S/o Late Sh. M. G. Chitkara and Swaran Lata Chitkara W/o Sh. V. K. Chitkara both R/o Flat no.2, Priyadarshni Apartment, A-4, Paschim Vihar, New Delhi-110063, have debarred their son Sahil Chitkara from all their movable and immovable properties and assets with immediate effect due to his misbehavior and misconduct and will have no concern with him henceforth. If anybody deals with him, shall do so at his/her/their own risk, cost and responsibility. My clients shall not be responsible in any manner in future.
Kamal Singh (Advocate)
Ch.no.512, Rohini Courts, Delhi-85

**PUBLIC NOTICE**
It is to inform the public at large that my clients Mr. Kalu Ram S/o Sh Chaga Ram & his wife Mrs. Vimla both R/o H.No. 773, Gali No.16, Lakhpat Colony Part-2, Mithapur Extn., South Delhi-110044, do hereby debar and disown their son namely Sunil aged about 26 years and Daughter-in-Law namely Ms. Rachna W/o Sh. Sunil from all their movable & immoveable properties / assets due to their ill - behaviour, conduct and attitude which is prejudicial & detrimental to the reputation of the family of my clients. Anybody dealing with them shall do at his /her own risk, cost & consequences & my clients will not be responsible for any kind of dealing by any person with their above said son & Daughter-In-Law in future, in any manner whatsoever.
M. ISHTEYAQUE AHMAD(Advocate)
Ch. No. 175, Saket Courts, New Delhi-17

**PUBLIC NOTICE**
This is to notify that M/s Jaden Partners is purchasing Basement and Ground Floor of Cottage No. 9A (41/9), West Patel Nagar. New Delhi - 110008. In case anyone has any objection and/or any right, title or interest in the said portions of the property, the same shall contact along with relevant details on jadenpartners@gmail.com OR can Whatsapp on 9953353205 within 1 (One) Week.

**सार्वजनिक सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल हरबीर सिंह पुत्र आशा राम एवं इनकी पत्नी सोहन वती निवासी 720 बी गली न.11, अम्बेडकर नगर हैदर पुर दिल्ली-110088 ने अपने पुत्र मनोज कुमार एवं इसकी पत्नी कविता को उनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। जो व्यक्ति उनसे किसी भी प्रकार का लेन-देन इत्यादि रखता है वह स्वयं जिम्मेवार होगा, भविष्य में उनके किसी भी गलत कार्य के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे।
Sd/-
SANJEEV JAIN
Advocate
D/226/1991

**सार्वजनिक सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अशोक कुमार जैन पुत्र श्री अतर सैन जैन व इनकी पत्नि श्रीमती रीता जैन निवासीः- 143, 2nd दूसरी मंजिल, ब्लॉक-एफ, अशोक विहार फेस-1, केशव पुरम मैट्रो स्टेशन अशोक विहार, दिल्ली-52 ने अपने पुत्र हितेश जैन व इनकी पत्नि हिना सिंघला को इनके दुर्व्यवहार व गलत आचरण के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इनके किसी भी गलत कार्य के लिए मेरे मुवक्किल जिम्मेदार नहीं होंगे।
Pankaj Rai (Advocate)
Ch.No.:-B-110, BGS Block, Tis Hazari Courts, Delhi-110054

**जन सूचना**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल चंद्र प्रकाश खुराना, पुत्र हरी राम, निवासी ए-2/157, प्रतीक अपार्टमेंट, पश्चिम विहार, नई दिल्ली ने अपनी पुत्रवधू नीता खुराना, पत्नी स्व. विजय प्रकाश खुराना एवम उनके बच्चों साहिल खुराना और आरुषि खुराना, निवासी ए-42, मानव अपार्टमेंट, ब्लॉक ए-3, पश्चिम विहार, नई दिल्ली को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। और सभी संबंध तोड़ दिए हैं। मेरे बाद मेरी चल व अचल सम्पत्ति के मालिक मेरे बच्चे अजय खुराना एवं शर्मा खुराना होंगे।
विनीत जैन (अधिवक्ता)
चै.नं. पी-1, पोस्ट आफिस लेन, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली-54

**PUBLIC NOTICE**
General Public is hereby informed that my client, Syed Rizwan Anwer, S/o. Sh. Abdul Ghafoor, R/o. H. No. 550, Ward No. 23, Mohalla- Mahdauli, Dist. Darbhanga, Bihar, 846004 presently residing at New Delhi, has severed all relations and disowned his daughter namely Zeenat Fatima@Shaina with immediate effect from all his moveable and immovable properties due to their misconduct/ misdeeds, out of control behavior. My client's Daughter is living separately from him. My Client will not be responsible for any type of acts, deeds or criminal conducts of his daughter i.e. Zeenat Fatima@Shaina in any manner whatsoever.
TABREZ AHMAD (Advocate)
Ch. No. 235, Saket Courts, New Delhi-17

**PUBLIC NOTICE**
My client Nathu Ram S/o Harsahai R/o RZ-85, Gali No. 2, Veer Nagar, West Sagar Pur, New Delhi-110046 has disinherited/ disowned his natural son Mukesh Kumar & daughter-in-law Smt. Arti W/o Mukesh Kumar from both his built-up Property No. RZ-85, Gali No. 2, Veer Nagar, West Sagar Pur, New Delhi-110046, movable/ immovable properties with immediate disinherited by him against my client and loyal to the family responsibilities. Anybody dealing with him in any manner whatsoever will be doing so at his/her own cost, risk & responsibility thereto & my client shall be in no way responsible for any acts, deeds and things done by them.
Adv Mukesh B Khandyal
UG-6, Jyoti Shikhar, DC, Janakpuri

**PUBLIC NOTICE**
My clients Surdarsan Kumar Kohli, Naresh Kohli and Neelam Kohli all above R/o C-4F/116, 2nd Floor, Near Khana Nursing Home, Janak Puri, New Delhi-58, has debarred/disowned his Grandson and son Manik Kohli from their all movable-immovable properties and severed all relations with him due to his disobedience. If anybody deals with him will do so at his own risks, cost and consequences. My clients shall not be responsible for his any act.
Nagender Vashist (Advocate)
Ch.No.:-820, Saket Court Complex, New Delhi-110017

**PUBLIC NOTICE**
BE IT KNOWN TO ALL CONCERNED THAT MY CLIENT SMT. PARVATI W/O LATE SURAJ BHAN R/O M-92-93, PREM NAGAR, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059 HAS SEVERED ALL HER RELATIONS IN ALL RESPECTS WITH HER TWO DAUGHTERS IN LAW NAMELY SMT. RENU W/O ANIL AND SMT. POONAM W/O HARBANS LAL DUE TO THE MENTAL & PHYSICAL TORTURE AND MISBEHAVIOR WITH MY CLIENT BY THESE TWO SINCE LAST MANY YEARS. DUE TO CONTINUOUS TORTURE TO MY CLIENT & DISPUTE OF THESE TWO WITH THEIR RESPECTIVE HUSBANDS, MY CLIENTS HEATH GOT DETERIORATED AND HENCE CONSIDERING IT MY CLIENT HAS ALSO BROKEN THE RELATIONS WITH HER AFORESAID SONS. DUE TO SUCH REASONS MY CLIENT HAS ALSO DISOWNED & DEBARRED ALL THE FOUR ABOVE FROM ALL HER MOVEABLE & IMMOVABLE PROPERTIES/ ASSETS WHATSOEVER.
Sd/-
HIMANSHU KUMAR (ADVOCATE)
27/3, SECTOR-2, ROHINI, DELHI

**सार्वजनिक सूचना**
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की प्रदीप कुमार गुप्ता पुत्र श्री रामाशंकर मकान नंबर 354 जिसका क्षेत्रफल 80 वर्ग मीटर है जो कि ब्लॉक-डी, सेक्टर-डेल्टा-1, ग्रेटर नॉएडा, जिला गौतमबुध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है के मालिक है, इस मकान की लीज डीड दिनांक 24.03.03, क्रमांक नं. 2145, ग्रेटर नॉएडा इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंन्ट अथॉरिटी द्वारा श्री राजीव रोहिल्ला पुत्र आर.पी. रोहिल्ला के पक्ष में, किया गया था वह गुम हैं जिसकी पुलिस कंप्लेंट दिनांक 17.01.2020 को दर्ज की गई है, यह संपत्ति कारपोरेशन बैंक के पास बंधक होने जा रही है, यदि किसी को यह दस्तावेज प्राप्त होते हैं तो निम्नलिखित को 15 दिन के अंदर सूचित करें:
इंदु कॉल अधिवक्ता
मोबाइल न. 9899064376
चैम्बर न. 369, 394 & 376
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

**सार्वजनिक सूचना**
आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री रविन्दर कुमार रस्तोगी, श्री कुलदीप कुमार रस्तोगी, श्रीमती ममता रस्तोगी, श्री संजीव रस्तोगी एवं श्री अतिन शंकर रस्तोगी ने अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली में स्थित सम्पत्ति निगम सं. 5ए/14, एरिया परिमाप 186.66 वर्ग यार्ड का मालिक एवं कब्जेदार होने का दावा किया है और अब श्री रविन्दर कुमार रस्तोगी, श्री कुलदीप कुमार रस्तोगी, श्रीमती ममता रस्तोगी, श्री संजीव रस्तोगी एवं श्री अतिन शंकर रस्तोगी उपरोक्त कथित सम्पत्ति को श्रीमती शबनम प्रवीण पत्नी श्री ताहिर खान को बेचने के लिए सहमत हुए हैं और श्रीमती शबनम प्रवीण पत्नी श्री ताहिर खान ने आईसीआईसीआई बैंक लि. के पास वित्तीय सहायता के लिए सम्पर्क किया है इसलिए सम्पत्ति उक्त बैंक के पास गिरवी रखनी होगी। उक्त संपत्ति या उसके किसी भी भाग के संबंध में किसी भी व्यक्ति का कोई दावा होने पर, इस सूचना के दिनांक से 15 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर दस्तावेजी साक्ष्य के साथ अधोहस्ताक्षरी को लिखित रूप में सूचित करने का अनुरोध किया जाता है, ऐसा न करने पर, ऐसे व्यक्तियों के दावे को मुक्त या परित्यक्त माना जाएगा और हमारा मुवक्किल उक्त संपत्ति पर ऋण के संवितरण और उसके संबंध में इसे बंधक रखने की प्रक्रिया करेगा।
Sunil Parsad (Advocate)
Juris NextGen Law Offices,E-56, Greater Kailash Enclave Part-1 New Delhi-110048

**"IMPORTANT"**
Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advert

**मौसम**

**तापमान** **नई दिल्ली**

अधिकतम–15.8 डि.से. सूर्योदय– 7:15

न्यूनतम– 9.0 डि.से. सूर्यास्त– 17:49



निर्भया मामले में दोषी पवन गुप्ता का दावा है कि अपराध के वक्त वह किशोर था

# दोषी के नाबालिग होने के दावे पर सुनवाई कल

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

सुप्रीम कोर्ट निर्भया बलात्कार एवं हत्या मामले में मौत की सजा पाए एक दोषी की उस अर्जी पर 20 जनवरी को सुनवाई करेगा जिसमें उसने अपने नाबालिग होने के दावे को हाई कोर्ट से खारिज होने के फैसले को चुनौती दी है। दोषी पवन गुप्ता का दावा है कि अपराध के वक्त वह नाबालिग था।

न्यायमूर्ति आर भानुमति, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना का पीठ पवन कुमार गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करेगा। गुप्ता ने अपनी याचिका में दावा किया था कि दिसंबर 2012 में अपराध के वक्त वह नाबालिग था, जिसे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद गुप्ता ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसके साथ ही उसने अधिकारियों को फांसी की सजा पर अमल रोकने का निर्देश देने की भी अपील है। दोषियों को फांसी देने के लिए एक फरवरी की तारीख तय की गई है।

गुप्ता ने हाई कोर्ट के 19 दिसंबर के आदेश को चुनौती दी है जिसमें गुप्ता के वकील को फर्जी दस्तावेज दायर करने और अदालत में पेश नहीं होने के लिए फटकार भी लगाई गई थी। दिल्ली की एक अदालत ने मामले के चार

*पवन* ने अपनी याचिका में दावा किया था कि दिसंबर 2012 में अपराध के वक्त वह नाबालिग था, जिसे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

*न्यायमूर्ति* आर भानुमति, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना का पीठ पवन कुमार गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करेगा।

दोषियों – विनय शर्मा (26), मुकेश कुमार (32), अक्षय कुमार (31) और पवन (25) के खिलाफ एक फरवरी के लिए शुक्रवार को फिर से फांसी के वारंट जारी किए। इससे पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मुकेश की दया याचिका खारिज कर दी। अन्य तीन दोषियों ने दया याचिका दायर करने के संवैधानिक उपाय का फिलहाल इस्तेमाल नहीं किया है।

शीर्ष अदालत ने 14 जनवरी को विनय और मुकेश की सुधारात्मक याचिकाएं खारिज कर दी थी। दो अन्य दोषियों– अक्षय और पवन ने शीर्ष अदालत में अब तक सुधारात्मक याचिकाएं दायर नहीं की है। वकील एपी सिंह के जरिए दायर अपनी याचिका में, पवन ने दावा किया कि 16 दिसंबर, 2012 को हुए अपराध के दौरान वह नाबालिग था। पवन कुमार गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष मामले में मृत्युदंड के खिलाफ अपनी पुनर्विचार याचिका में नाबालिग होने का दावा किया था। शीर्ष न्यायालय ने पिछले साल नौ जुलाई को उसकी याचिका खारिज कर दी थी।

हाई कोर्ट के समक्ष दायर याचिका में उसने दावा किया था कि उसके स्कूल प्रमाणपत्र में उसकी जन्मतिथि आठ अक्तूबर, 1996 है। पवन ने इससे पहले निचली अदालत में भी अपने नाबालिग होने के दावे संबंधी याचिका दायर की थी जिसे पिछले साल 21 दिसंबर को खारिज कर दिया गया था।

## एक फरवरी को फांसी पर अब भी अनिश्चितता बरकरार

प्रतिभा शुक्ल
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

तिहाड़ जेल में बंद निर्भया मामले के कैदियों की फांसी की अगली तारीख भले ही एक फरवरी तय कर दी गई है लेकिन अभी भी पक्का नहीं कि उस दिन फांसी होगी। अगर इनमें से दो कैदियों में किसी एक भी कैदी ने अपनी अपील डाल दी तो फांसी टालने के अलावा कोई चारा नहीं होगा। कानून व जेल के कामकाज के विशेषज्ञों की मानें तो जेल प्रशासन के लचर रवैए के कारण भी मामले में देरी हुई है।

जेल के पूर्व कानूनी अधिकारी सुनील गुप्ता का कहना है कि जेल में बंद इन चारों कैदियों को एक ही दिन फांसी होना है क्योंकि चारों एक ही मामले में दोषी हैं। इसलिए एक दिन में इन सभी को फांसी होने के लिए जरूरी है कि किसी के खिलाफ कोई मामला लंबित न हो। उन्होंने बताया कि चार में अभी तक केवल एक कैदी ने दया याचिका डाली है। बाकी तीन के मामले में दया याचिका का विकल्प बचा है। अगर इनमें से किसी ने भी यह याचिका डाली तो उसमें फैसला आने तक किसी को फांसी नहीं हो सकती। कहना है कि सुप्रीम कोर्ट से फांसी का फैसला आने के बाद सात दिन के भीतर जेल प्रशासन को चाहिए था कि वह कैदियों को नोटिस देता कि अगर उन्हें कोई कानूनी विकल्प का इस्तेमाल करना है तो सात दिन में करें। लेकिन यह नहीं किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि जेल प्रशासन ने अगर इस मामले में लचर रवैया रखा तो दिल्ली सरकार को इस बारे आगे आकर जेल प्रशासन को आदेश जारी करना चाहिए था। क्योंकि तिहाड़ जेल मुख्यमंत्री के अधिकार क्षेत्र में आता है।

### आज के कार्यक्रम

**सभा संगोष्ठी/विविध**

**इंडिया हैबीटाट सेंटर** : नाटक का मंचन, स्टेन सभागार, लोधी रोड, शाम सात बजे।

**इंडिया हैबीटाट सेंटर** : डाक्यूमेंट्री फिल्म, गुलमोहर सभागार, लोधी रोड, शाम सात बजे।

## कोर्ट के आदेश के बाद बार काउंसिल ने निर्भया के दोषी के वकील को नोटिस भेजा

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

दिल्ली बार कांउसिल ने शनिवार को निर्भया सामूहिक बलात्कार एवं हत्या मामले में दोषी पवन कुमार गुप्ता की ओर से पेश वकील एपी सिंह को नोटिस जारी किया है। बार काउंसिल ने यह कदम पिछले महीने दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश पर उठाया जिसमें फर्जी दस्तावेज पेश करने और सुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहने के कारण कार्रवाई करने को कहा गया था। बार काउंसिल ने सिंह को नोटिस प्राप्त होने के दो हफ्ते में जवाब देने को कहा है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पिछले साल 19 दिसंबर को मृत्युदंड पाए पवन सिंह की वह याचिका खारिज कर दी जिसमें उसने दिसंबर 2012 को अपराध करने के दौरान नाबालिग होने का दावा किया था और फर्जी दस्तावेज जमा करने और सुनवाई के दौरान अनुपस्थित होने पर सिंह की निंदा की थी। अदालत ने पवन की याचिका दायर करने वाले वकील एपी सिंह पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया था।

*दिल्ली* बार काउंसिल ने सिंह को नोटिस प्राप्त होने के दो हफ्ते में जवाब देने को कहा है।

## पार्क में खून से लथपथ मिला फाइनेंसर का शव

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

- पुलिस के मुताबिक, सिर में गोली लगने से हुई मौत
- जांच के दौरान मौके से पिस्तौल, मोबाइल और शराब की बोतल मिली

गीता कॉलोनी थाना क्षेत्र में एक फाइनेंसर का खून से लथपथ शव संदिग्ध अवस्था में पार्क में पाया गया। पुलिस के मुताबिक उनके सिर में गोली लगी थी। मृतक की पहचान तरुण बजाज (30) के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। तरुण परिवार को यह बोल कर घर से निकले थे कि वह घर नहीं लौटेंगे। उन्हें तलाशने की कोशिश ना की जाए। एक पार्क में जब आसपास के लोगों ने उन्हें खून से लथपथ देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त अमित शर्मा का कहना है कि इस मामले की सभी दृष्टिकोण से छानबीन की जा रही है। परिजनों से भी पूछताछ चल रही है।

जानकारी के मुताबिक तरुण बजाज गीता कॉलोनी के ब्लॉक नंबर–8 में परिवार के साथ रहते थे। वह इलाके में ही फाइनेंस का काम करते थे। परिजनों ने पुलिस को बताया कि घर से निकलने के बाद देर रात करीब तीन बजे तक वह घर नहीं लौटे तो परिजनों ने गुमशुदगी की शिकायत थाने में दर्ज कराई थी। परिजन उसे तलाश ही रहे थे कि शनिवार सुबह करीब आठ बजे उसका शव 8 ब्लॉक स्थित गीता कॉलोनी के एक पार्क में मिला। पुलिस को मौके से तरुण का मोबाइल व पिस्तौल भी मिली। वहीं जांच में पाया गया है कि तरुण के सीधे हाथ पर कारतूस बारुद भी मिला है। एक शराब की बोतल पड़ी हुई थी। पुलिस ने शुरुआती छानबीन के आधार पर बताया है कि पिस्तौल अवैध है। उन्होंने खुद गोली मारी है या फिर उन्हें गोली मारी गई है। इस बारे में पुलिस का कहना है कि फिलहाल जांच चल रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सही कारणों का पता चल सकेगा।

### घर पर हुआ था झगड़ा

*परिजनों* ने बताया कि तरुण को कारोबार में काफी नुकसान हुआ था। इसकी वजह से वह परेशान था। उधर, पुलिस को जांच में पता चला कि तरुण का घर में झगड़ा भी हुआ था। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर किस बात को लेकर घर में झगड़ा हुआ था।

## 'सुरक्षा के लिए बनाया वाट्सऐप ग्रुप'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

**जेएनयू हिंसा मामला**

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पांच जनवरी की हिंसा के दौरान चर्चा में आए वाट्सएप ग्रुप 'यूनिटी अगेंस्ट लेफ्ट' को योगेंद्र भारद्वाज ने बनाया था। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने योगेंद्र भारद्वाज से पूछताछ की थी। पूछताछ के दौरान योगेंद्र ने बताया कि उसने यह ग्रुप सुरक्षा के लिए बनाया था। उसे डर था कि वाम दलों से संबंधित छात्र संगठन से जुड़े छात्र निशाना बना सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक एसआइटी की पूछताछ के दौरान योगेंद्र ने बताया कि जेएनयू परिसर में जब वाम पंथी समर्थक छात्रों ने दक्षिणपंथी छात्रों को निशाना बनाना शुरू किया तो उसने सुरक्षा की दृष्टि से इस ग्रुप को बनाया किया था। ग्रुप के माध्यम से सभी को सुरक्षित जगह जाने के लिए कहा था। योगेंद्र भारद्वाज ने पूछताछ में कहा कि जब आईशी घोष के नेतृत्व में वामपंथी विद्यार्थियों ने पेरियार छात्रावास में हमला किया था तो एबीवीपी से जुड़े विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए यह ग्रुप बनाया। योगेंद्र भारद्वाज ने जेएनयू में हुई हिंसा में किसी भी तरह से अपनी भूमिका होने के बाद से इनकार किया। उसने कहा कि वह किसी का भी नेतृत्व नहीं कर रहा था। पुलिस ने पूरे घटनाक्रम के दौरान उसकी लोकेशन के बारे में पूछताछ की। वह हिंसा के दौरान कहां था? और क्या कर रहा था? आदि। एसआइटी ने गत 10 जनवरी को जेएनयू में हिंसा के संदिग्ध आरोपियों के तौर पर योगेंद्र भारद्वाज की जो तस्वीर जारी की थी, इसके बारे में भी पूछताछ की। पुलिस सूत्रों का कहना है कि योगेंद्र भारद्वाज, विकास पटेल और अक्षत अवस्थी को सोमवार को भी जांच में शामिल होने के लिए नोटिस दिया गया है।

## पंजाब केसरी के संपादक व पूर्व सांसद अश्विनी कुमार चोपड़ा का निधन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

पंजाब केसरी, दिल्ली के मुख्य संपादक और करनाल से पूर्व सांसद अश्विनी कुमार चोपड़ा का लंबी बीमारी के बाद शनिवार को गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे 63 साल के थे। चोपड़ा के परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर कहा, 'श्री अश्विनी कुमार चोपड़ा जी के निधन से दुखी हूं। उन्हें मीडिया जगत में उनके योगदान के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने लोक प्रतिनिधि के तौर पर कर्मठता से काम किया और कई सामुदायिक कल्याण कार्यों की शुरुआत की। उनके परिवार एवं दोस्तों के प्रति मेरी संवेदना है'। अपने शोक संदेश में सोनिया गांधी ने कहा कि एक संपादक, एक सामाजिक कार्यकर्ता और एक सांसद के रूप में चोपड़ा के लंबे और बेहतरीन योगदान को काफी समय तक याद किया जाएगा। खट्टर ने ट्वीट में कहा कि एक सक्षम राजनेता और एक सफल पत्रकार के रूप में अश्विनी चोपड़ा का जीवन हम सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा।

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
(भारत सरकार का उपक्रम)
जहाँ सेवा ही जीवन – ध्येय है

**पंजाब एण्ड सिंध बैंक**
**शाखा तिलक नगर, नई दिल्ली- 110018**
**फोन नं: 011 25993097 & 259999276**

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन ऐक्ट 2002 (2002 का 54) के तहत **पंजाब एण्ड सिंध बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित कर्जदारों / गारंटरों को निम्नलिखित दिनांकों को डिमांड नोटिस जारी किया था, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अन्दर भुगतान करने को कहा गया था।

उधारकर्ताओं / गारंटरों उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिये एतद्द्वारा उधारकर्ता तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमें नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13 (4), उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हें प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तगर्त निम्नलिखित दिनांक को ले लिया है।

उधारकर्ताओं / गारंटरों को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से चेतावनी दी जाती है कि वे उक्त सम्पत्ति के साथ लेन–देन न करने के लिये सावधान किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी लेन–देन **पंजाब एण्ड सिंध बैंक** के अधीन होगा।

उधारकर्ताओं का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

| कर्जदार और गारंटर का नाम | प्रभारित / बंधक सम्पत्ति का विवरण | मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तारीख | बकाया राशि (रू. में) |
|---|---|---|---|
| 1) श्री स्टीफन लाल, निवासी : जी–2/32, पॉकेट–2, सेक्टर –16, रोहिणी, नई दिल्ली–110086 और: संपत्ति नं. 17, खसरा नं. 15, ब्लॉक–ए, नवादा, गुलाब बाग, नई दिल्ली<br>2) मिताली लाल, निवासी : जी–2/32, पॉकेट–2, सैक्टर–16, रोहिणी, नई दिल्ली –110086 और: संपत्ति नं. 17, खसरा नं. 15, ब्लॉक–ए, नवादा, गुलाब बाग, नई दिल्ली<br>3) श्री अशोक वाधवा निवासी 40, बीजी–5ए/49ए, डीडीए फ्लैट्स, पश्चिम विहार, नई दिल्ली –110063, और: 9062/72, राम बाग रोड, आजाद मार्केट, नई दिल्ली –110006 | सम्पत्ति पर मालिकाना हक श्री स्टीफन लाल और मिताली लाल<br>सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि सम्पत्ति नं. 117, ब्लॉक–ए, खसरा नं. 925, गाँव नवादा, जिसे अब गुलाब नगर कहते है, नज़फगढ़ रोड, नवादा, नई दिल्ली में स्थित | 28-06-2019<br>14-01-2020 | रु. 18,22,601/- दिनांक 31.05.2019 तक प्लस भविष्य का ब्याज, खर्चे और अन्य प्रभार इत्यादि सहित |

दिनांक 14.01.2020, स्थान : दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब एण्ड सिंध बैंक

## ऐ भाई...

प्रेसवर्ता को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया।

## पड़ोसी राज्यों के स्कूली मॉडल को निशाना बना रही 'आप'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

पड़ोसी राज्यों के मॉडल पर हमला कर आम आदमी पार्टी (आप) दिल्ली में चुनावी माहौल बना रही है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा व पंजाब के मॉडल पर शनिवार को आप नेता मनीष सिसोदिया ने हमला बोला। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने बीते सालों में किसी भी निजी स्कूल को फीस नहीं बढ़ाने दी। लेकिन पड़ोसी राज्यों के अभिभावक निजी स्कूलों से परेशान हैं। हालत यह है कि इन अभिभावकों को जंतर मंतर तक आकर विरोध प्रदर्शन करने पड़े हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में करीब 1700 निजी करीब स्कूल हैं और इनमें 300-350 बड़े स्कूल हैं। दिल्ली भर में 364 ऐसे स्कूल है, जो सरकारी जमीन पर बने हुए हैं। जमीन देते हुए समझौता हुआ था कि सरकार की अनुमति के बाद ही फीस बढ़ाए। 1972 में इन सकूलों को जमीन दी गई थी। 1970-2015 तक इस कानून का किसी भी राज्य सरकार ने प्रयोग नहीं किया। दिल्ली सरकार ने पहली बार यह अधिकार प्रयोग किया था और स्कूलों को फीस बढ़ोत्तरी रोकने और बढ़ी हुई फीस वापस देने तक के लिए बाध्य किया। सिसोदिया ने कहा कि निजी स्कूल हर साल 15-20 फीसद फीस बढ़ा रहे थे। दिल्ली सरकार ने आम आदमी को पांच साल में 75 फीसद बढ़ोत्तरी से राहत दिलाई है। सरकार ने 2019-20 में 309 स्कूलों को फीस बढ़ाने नहीं दी। सरकार के प्रयासों के चलते स्कूलों को 32 करोड़ से अधिक बढ़ी हुई फीस लौटानी पड़ी और इसका लाभ करीब 80 हजार विद्यार्थियों को हुआ।

## भाजपा 5000 सभाएं कर गिनवाएगी उपलब्धियां

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

70 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा का झंडा फहराने के लिए भाजपा इस बार 5000 छोटी-छोटी चुनावी सभाएं करेगी। इसके अतिरिक्त एक दर्जन जगहों पर प्रधानमंत्री समेत अन्य बड़े नेताओं को मैदान में उतारने की तैयारी चल रही है। करीब 22 साल से दिल्ली की सत्ता से दूर भाजपा ने यह चुनावी रणनीति तैयार की है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि स्थानीय नेताओं को ही इन रैलियों व सभाओं का जिम्मा सौंपा गया है ताकि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जा सके। इन छोटी सभाओं को पार्टी का सीधा संवाद बताया जा रहा है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि इन सभाओं ने 250 से 300 लोगों को एकत्र कर केंद्र सरकार की नीतियों के तहत किए गए कार्यों और दिल्ली के लिए फंसी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी। इसकी मदद से पार्टी द्वारा उतारे गए प्रत्याशियों को भी हर विधानसभा क्षेत्र में चेहरा बनाने में मदद हासिल होगी। इनकी मदद से पार्टी की अगली रणनीति होगी कि क्षेत्रीय विधायकों के कामकाज को इस बार के चुनाव का सीधा आधार बनाया जाए।

**नड्डा बोले 'आप' ने जो काम फंसाए, जनता को बताओ**

शनिवार को भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि 'आप' सरकार के कार्यकाल में जनता के काम फंसे है। इन कामों की जानकारी मतदाताओं को बताएं। साथ ही मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना से होने वाले लाभ से केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की जनता को वंचित रखा है। इनकी जानकारी मतदाताओं को दें। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा के पक्ष में समर्थन जुटाने व भाजपा की सरकार दिल्ली में बनाने में मदद करेगी।

# घटती गईं डीटीसी की बसें, बंद होते गए डिपो

निर्भय कुमार पांडेय
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

दिल्ली की कभी लाइफ लाइन माने जाने वाली दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में बीते पांच साल में एक भी नई बस को शामिल नहीं किया गया। पहले डीटीसी के बेड़े में तकरीबन 5500 बसें थी, जो कि घटकर अब मात्र 3781 रह गई हैं। मियाद पूरी होने के बाद बसों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। बीते दिनों दिल्ली सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआइ) कानून में जवाब दिया था कि 31 मार्च, 2019 तक डीटीसी के बेड़े में एक भी बसें शामिल नहीं हुई थी। हालांकि सरकार ने निजी ऑपरेटर्स द्वारा संचालित कलस्टर की एक बस खरीदी थी और बाद में 100 अतिरिक्त बसें खरीदी गई थीं।

परिवहन मजदूर संघ के महामंत्री कैलाश चंद मलिक का कहना है कि आम आदमी पार्टी की सरकार की नीयत और नीति इसी प्रकार रहती है तो आगामी 2023 तक डीटीसी के बेड़े में कुछ गिनी चुनी बसें ही रह जाएंगी। मियाद पूरी होने के बाद लगातार कम हो रही बसों की वजह से डिपो की संख्या भी घट गई हैं। आम आदमी पार्टी की सत्ता में आने से पहले जहां डीटीसी के 46 बस डिपो थे। वह घटकर 35 डिपो ही बचे हैं। इनमें

से कुछ में अब कलस्टर बसों का संचालन किया जाता है। कलस्टर की बसें भी मात्र 1500 हैं। यही कारण है कि राजधानी के कई इलाकों में आज भी लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ता है।

**ये डिपो हुए बंद**

डीटीसी के हरि नगर (तीसरा) डिपो, कंझावला का एक डिपो, बंदा बहादुर डिपो के अलावा मिलिनियम पार्क के सभी चार डिपो बंद हो गए हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो कुल 11 डिपो बंद हुए हैं, जिनमें से कंझावला और बंदा बहादुर डिपो से कलस्टर बसों का संचालन होता है। नियम कहता है कि यदि निजी ऑपरेटर बस का संचालन करते हैं तो किराया वसूला जाना चाहिए, लेकिन दिल्ली सरकार कलस्टर से किराया नहीं ले रही है। मिलिनियम डिपो के बंद किए जाने का एक कारण हाई कोर्ट का आदेश भी है, लेकिन जानकार बताते हैं कि केस में चल रहे मामले में दिल्ली सरकार ने अपना पक्ष मजबूती से नहीं रखा। यदि सरकार केस जीत भी जाती तो बसें नहीं थी, जिनका संचालन डिपो से किया जाता।

**कई बसों की मियाद पूरी कई होनी हैं**

दिल्ली में कुछ साल पहले लो फ्लोर बस (एसी ओर नॉन एसी) और कुछ स्टैंडर्ड फ्लोर की बसें चला करती थीं। पर अब स्टैंडर्ड फ्लोर की बसों का संचालन पूरी तरह से बंद हो गया है। ये बसें दिल्ली की सड़कों पर पहली बार साल 2000 में उतरी थीं। वहीं, लो फ्लोर एसी और नॉन एसी बसों की पहली खेप साल 2007-2008 में आई थी। उस समय यह निर्धारित किया गया था कि ये बसें या तो साढ़े सात लाख किलोमीटर चलें या फिर 12-13 साल तक चलाई जा सकती हैं। कई बसें हैं जो दोनों मियाद पूरी कर चुकी हैं। डीटीसी के बेड़े में राष्ट्रमंडल खेलों के समय अधिकतर बसें शामिल हो गई थीं। इस प्रकार देखा जाए तो साल 2021 में 1000 बसों की मियाद पूरी हो जाएगी। उसी प्रकार साल 2022 में 1000 अतिरिक्त बसों की मियाद पूरी होगी और साल 2023 में 1000 अन्य बसों की मियाद पूरी होगी। वर्तमान में डीटीसी के बेड़े में 3781 बसें शामिल हैं। यदि 3000 बसें तीन साल में सड़क से हट गईं तो डीटीसी के बेड़े में मात्र 781 बसें ही रह जाएंगी।

**दस फीसद बसें नहीं उतरती सड़कों पर**

डीटीसी अधिकारियों का कहना है कि बेड़े में शामिल दस फीसद बसें सड़कों पर हर दिन नहीं उतारी जातीं। इन बसों में मरम्मत का कार्य किया जाता है। साथ ही सुरक्षा मानकों की जांच पड़ताल की जाती है। यही कारण है कि कई ऐसे रूट हैं, जहां पर ड्यूटी समय में ही बसों का संचालन किया जाता है। इसके अलावा बड़ी संख्या में बसों का संचालन स्कूल और अन्य संस्थानों के साथ हुए समझौते के तहत चलाए जाते हैं।

### 'दिल्ली सरकार ने की वादाखिलाफी'

दिल्ली कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता मुकेश शर्मा का कहना है कि आम आदमी पार्टी से बीती साल जुलाई महीने में आइटीआइ के माध्मय से डीटीसी की बसों से खरीद के संबंध में जवाब मांगा गया था। आरटीआइ में पूछा गया था कि एक अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2019 तक डीटीसी के लिए कितनी नई बसें खरीदी गई हैं। इसका जवाब 17 जुलाई, 2019 को दिया गया कि डीटीसी ने एक भी नई बस नहीं खरीदी। दिल्ली सरकार की नियत ही नहीं थी कि वह लोगों की सुविधा के लिए डीटीसी की नई बसें खरीदें। चुनाव को देखते हुए कलस्टर की बसें जरूरी खरीदी हैं और महिलाओं को बसों में मुफ्त की सेवा देने की बात कही है।

### 'विकास की जगह विवाद पर रहा ध्यान'

दिल्ली प्रदेश भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर का कहना है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार का पांच साल विकास पर ध्यान देने की बजाय केवल विवाद करती रही। कांग्रेस के शासनकाल से ही डीटीसी घाटे में थी। पर जवाहरलाल नेहरू शहरी नवीनीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत केंद्र से मदद लेकर बसें खरीदी थीं। सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली सरकार को सार्वजनिक परिवहन को व्यवस्थित करने को कह चुका है, पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल डीटीसी को बंद करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि डीटीसी डिपो से कलस्टर बसों का संचालन होना भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

## बिना ढोल-नगाड़े लिए परचा भरने पहुंचे 'आप' उम्मीदवार राजकुमार आनंद

**नामांकन में सादगी को तरजीह**

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

टिकट पहले जारी करने का असर परचा भरने में दिख रहा है। मुख्यमंत्री के अलावा आम आदमी पाटी (आप) के ज्यादातर प्रमुख उम्मीदवारों ने परचा भर दिया है। शनिवार को दिल्ली की पटेल नगर विधानसभा से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार राजकुमार आनंद करीब 25 कार्यकर्ताओं के साथ परचा भरने पहुंचे। उनके साथ उनके परिजन,चुनाव प्रबंधक सचिन राय व कुछ स्थानीय कार्यकता थे। बगैर लाव लश्कर ढोल बाजे के आनंद अपनी गाड़ी से पटेल नगर से सिविल लाइंस स्थित एसडीएम कार्यालय में नामांकन किया।

इय मौके पर आनंद ने कहा कि उन्होंने सादगी का रस्ता चुना है। इससे जाम भी लगता और जनता को परेशानी होती है। छात्रों के बोर्ड की परीक्षाएं भी सर पर हैं। अधिक शोर से छात्रों को परेशानी होती। उन्होंने सभी को सादगी से चुनाव लड़ने की अपील की। इस मौके पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उनका नामांकन पटेल नगर और दिल्ली के बच्चों की शिक्षा और लोगों के, स्वास्थ्य के लिए है, बिजली-पानी के लिए है। दिल्ली में आगामी चुनाव पिछले पांच साल में आप सरकार की ओर से किए गए काम के आधार पर लड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री का परचा सोमवार को भरे जाने की उम्मीद है। टिकट में असमंजस के चलते कांग्रेस और भाजपा दोनों खेमें में अब सोमवार को ही हलचल होने के आसार हैं।

**टिकट पर विवाद**

### टिकट वितरण के बाद भाजपा कार्यकर्ता बोले

# दूसरे दल से आए नेता को नहीं करेंगे बर्दाश्त

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

टिकटों के ऐलान के बाद दिल्ली भाजपा में बवाल थमता नजर नहीं आ रहा है। सबसे अधिक घमासान दूसरे दलों से आए नेताओं को लेकर हो रहा है। साथ ही इसके विरोध में धरने प्रदर्शन का दौर भी शुरू हो गया है। शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जहां पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय प्रकाश नड्डा के आवास पर प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी तरफ एक गुट प्रदेश कार्यालय पर पार्टी के खिलाफ प्रदेश ऑफिस में ही प्रदर्शन किया गया।

दिन की शुरुआत दिल्ली छावनी से आए कार्यकर्ताओं के हंगामे से शुरू हुई। ये कार्यकर्ता पूर्व विधायक करण सिंह तंवर के समर्थन में पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के आवास सात बी मोती लाल नेहरू मार्ग पर पहुंचे थे। यह प्रदर्शन काफी देर तक जारी रहा। इस हंगामे की वजह से उनके आवास के आसपास पहले ही सुरक्षा के बंदोबस्त कड़े कर दिए गए थे। बार-बार इन कार्यकर्ताओं का स्थान भी बदला गया। लेकिन

*'आप'* के पूर्व विधायक अनिल वाजपेयी को टिकट दिए जाने पर नाराजगी

*भाजपा* राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर प्रदर्शन

हंगामा कर रहे लोग आवास के बाहर डटे रहे।

ऐसा ही नजारा भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर भी देखा गया। यहां पहुंचे कार्यकर्ता गांधी नगर क्षेत्र में प्रत्याशी के टिकट को लेकर नाराज थे। इस सीट पर भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) से आए पूर्व विधायक अनिल वाजपेयी को टिकट दिया है। इस टिकट के विरोध में भाजपा के सभी मंडलों की तरफ से एक इस्तीफा भी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के नाम पर दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि अगर पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता को इस सीट से टिकट दिया जाता है तो संगठन के सभी पदाधिकारी उसका पूरा सहयोग करेंगे। लेकिन बाहर से लाए गए नेता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए सभी नेताओं का इस्तीफा स्वीकार किया जाएगा। त्यागपत्र की प्रति प्रदेश अध्यक्ष संगठन मंत्री, जिला अध्यक्ष व चुनाव प्रभारी को भी भेजी गई है।

### रोड शो में बोले कांग्रेस उम्मीदवार अरविंदर सिंह लवली

## पिछले पांच सालों में रुक गया गांधी नगर का विकास

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

दिल्ली कांग्रेस नेता के वरिष्ठ नेता अरविंदर सिंह लवली ने अपने समर्थकों के साथ शनिवार को गांधी नगर इलाके में रोड शो किया। इसका आयोजन गांधी नगर कांग्रेस कमिटि की ओर से किया गया था। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। रोड शो रैली की शुरुआत कैलाश नगर महावीर स्वामी पार्क से शुरू होकर गांधीनगर, रामनगर, रघुबरपुरा, शांति मोहल्ला, कांतिनगर, कौशिक पुरी होते हुए आजाद नगर में आकर संपन्न हुई।

अरविंदर सिंह लवली ने क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बीते पांच सालों में गांधी नगर विधानसभा में एक भी विकास के काम नहीं हुआ। बुजुर्गों की पेंशन बंद कर दी गई। व्यापारियों की दुकानें सील कर दी गई हैं। बीते पांच सालों में क्षेत्र की जनता समझ गई है कि उन्होंने झांसे में आकर आम आदमी पार्टी के विधायक को चुना था। जनता अब पूरी तरह से बदलाव करना चाहती है। लवली ने कहा कि पुरानी दिल्ली से गांधीनगर को जोड़ने वाली लोहे वाले पुल की जगह नए पुल बनाने की योजना थी, लेकिन उस योजना पर काई काम पिछले पांच साल में नहीं हुआ। सीलिंग से व्यापारी परेशान रहें, लेकिन विधायक ने एक बार भी व्यापारियों की सुध भी नहीं ली। उन्होंने कहा वर्ष 1998 में जब गांधीनगर में पार्टी जीती तो क्षेत्र में बिजली और पानी एक बड़ी समस्या थी। इस समस्या का समाधान कांग्रेस ने अपनी शासनकाल में ही कर दिया था।

**'आप' पर आरोप**

## 'आप' को छोड़ आदर्श शास्त्री ने कांग्रेस का थामा हाथ

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

आम आदमी पार्टी (आप) के द्वारका विधानसभा से विधायक और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के पोते आदर्श शास्त्री शनिवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। दिल्ली कांग्रेस प्रदेश प्रभारी पीसी चाको और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलवाई। उधर हरिनगर से 'आप' के विधायक जगदीप सिंह ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

शास्त्री ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हमेशा विधायकों के स्वाभीमान को ठेस पहुचाई। वह एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की नौकरी छोड़कर इस कारण 'आप' में शामिल हुए थे कि शायद एक ईमानदार व्यक्ति दिल्ली की राजनीति को बदलेगा। पर राज्यसभा के दो सदस्यों को टिकट देने के दौरान भी पार्टी ने खरीद-फरोख्त की। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि दिल्ली नगर निगम के टिकट बटवारे में बड़े स्तर पर खरीद-फरोख्त हुई थी। सीएम केजरीवाल राजनीति में भ्रष्टाचार मिटाने के लिए नहीं, बल्कि फैलाने के लिए जाने जाऐंगे। उन्होंने अपने निजी मामले के हवाले से कहा कि उन्हें किसी भी कार्यकर्ता को टिकट देने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने 20 करोड़ रुपए में टिकट बेचना बेहतर समझा। माना जा रहा है कि शास्त्री अब कांग्रेस के टिकट पर द्वारका सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। 'आप' ने उनका टिकट काटकर इस सीट से विनय मिश्रा को टिकट दिया है। वह कांग्रेस के पूर्व सांसद महाबल मिश्रा के पुत्र हैं।

अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने कहा कि आदर्श शास्त्री की घर वापसी हुई है। आज आम आदमी पार्टी पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और यह साबित हो गया है कि भ्रष्टाचार को मिटाने, स्वराज व लोकपाल के नाम पर दिल्ली की सत्ता में आए केजरीवाल खुद ही भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गए है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार सभी मोर्चो पर पूरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस ने जिस तरीके से पिछले महीनों में सघर्ष किया है। उससे दिल्ली की जनता प्रभावित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निष्ठावान कार्यकताओं को ही टिकट दिए जा रहे है और पार्टी में धन बल के दम पर कोई टिकट पाने में सफलता नही पा सकता है।

**इधर-उधर**

### नाराज योगानंद शास्त्री ने छोड़ी कांग्रेस

**दिल्ली** प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष योगानंद शास्त्री ने शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। शास्त्री ने कहा कि कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ताओं की पार्टी में हो रही उपेक्षा से व्यथित होकर इस्तीफा दिया है। माना जा रहा है कि प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण उन्होंने यह कदम उठाया है। शास्त्री ने शनिवार को कांग्रेस के दिल्ली प्रभारी पीसी चाको को अपना इस्तीफा भेजा। योगानांद शास्त्री ने इस्तीफा देने के बाद दिल्ली विधानसभा के आगामी चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं पर टिकट बेचने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस की कमान ऐसे व्यक्ति के पास है, जो किसी का सम्मान नहीं करता है और ऐसे लोगों से घिरा है, जो विधानसभा चुनाव के टिकट बेचने में लिप्त हैं। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने प्रभारी को इस्तीफा भेजा है। टिकट बंटवारे से पहले ही उन्होंने इस्तीफा सौंपा है। हो सकता है कि टिकट बंटवारे को लेकर उनका कोई मनमुटाव रहा होगा। पार्टी के पदाधिकारी बैठकर इस पर विचार करेंगे।

वहीं, दिल्ली प्रदेश प्रभारी पीसी चाको ने कहा कि केजरीवाल ने युवाओं और छात्रों को भी ठगा है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासी अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे है और आप से दिल्ली की जनता व उनके निष्ठावान कार्यकर्ताओं का मोह भंग हो चुका है। उन्होंने कहा कि आदर्श शास्त्री के पार्टी में शमिल होने से पार्टी और मजबूत होगी। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी याद करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने भी उनके पार्टी में शामिल होने को मंजूरी दी है।

उधर टिकट कटने से नाराज हरिनगर विधानसभा सीट से 'आप' विधायक जगदीप सिंह ने पार्टी छोड़ने का फैसला लिया है। जगदीप सिंह वर्तमान में हरि नगर से विधायक हैं और पार्टी ने हाल ही में प्रत्याशियों की जो सूची जारी की है, उसमें जगदीप सिंह की जगह पर राजकुमारी डिल्लन को अपना उम्मीदवार बनाया है।

# युवा चेहरों के साथ नए जोश में चुनावी तैयारी

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कई युवा चेहरों पर भरोसा जताया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश लिलोठिया को मंगोलपुरी और देवेंद्र यादव को बादली से टिकट दिया गया है। पार्टी की मीडिया पैनलिस्ट राधिका खेड़ा को जनकपुरी, युवा पार्षद अभिषेक दत्त को कस्तूरबा नगर, महिला कांग्रेस की पदाधिकारी नीतू वर्मा को मालवीय नगर, आकांक्षा ओला को मॉडल टाउन और अली मेहंदी को मुस्तफाबाद से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व विधायक मतीन अहमद सीलमपुर और तलविंदर मारवाह जंगपुरा से चुनाव लड़ेंगे।

**मंत्रियों के खिलाफ**

*दिल्ली* के उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ कांग्रेस ने लक्ष्मण रावत , स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ देव राज अरोड़ा पर दांव खेला है। सामाजिक कल्याणमंत्री राजेंद्र पाल के खिलाफ सीमापुरी से वीर सिंह धिंगान पर दांव चला है। बल्लीमरान से इमरान हुसैन और पूर्व मंत्री हारून यूसुफ आमने-सामने होंगे। मंत्री गोपाल राय के खिलाफ कांग्रेस ने महिला उम्मीदवार अनविक्षा त्रिपाठी जैन पर भरोसा जताया है।

दिल्ली कांग्रेस ने 54 में से दस सुरक्षित सीटों पर भी अपने उम्मीदवारों के नामों के ऐलान कर दिया है। बवाना से सुरेंद्र कुमार, मुल्तानपुर माजरा से जय किशन, मंगोलपुरी से राजेश लिलोठिया, करोल बाग से गौरव धनक, पटेल नगर से कृष्णा तीरथ, देवली से अरविंदर सिंह, आंबेडकर नगर से यदुराज चौधरी, त्रिलोकपुरी से विजय कुमार, सीमापुरी से वीर सिंह धिंगान और गोकलपुर से डॉ. एसपी सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है।

**महिला चेहरों में सबसे आगे**

*कांग्रेस* ने अब तक दस महिला उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है। पार्टी इस मामले में आम आदमी पार्टी और भाजपा से आगे है। आम आदमी पार्टी ने सात महिला प्रत्याशियों को टिकट दिया है। वहीं, भाजपा ने अब तक चार महिला प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है।

# नए-पुराने चेहरों के साथ कांग्रेस का कारवां

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

कांग्रेस ने 54 सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इसमें नरेला से सिद्धार्थ कुंदू, तिमारपुर से अमरलता सांगवान, आदर्श नगर से मुकेश गोयल, बादली से देवेंद्र यादव, रिठाला से प्रदीप कुमार पांडेय, बवाना (अ.ज.) से सुरेंद्र कुमार, मुंडका से डॉ नरेश कुमार, सुल्तानपुर माजरा (अ.ज.) से जयकिशन, नांगलोई जाट से मंदीप सिंह, मंगोलपुरी (अ.ज.) से राजेश लिलोठिया, रोहिणी से सुमेश गुप्ता, शालीमार बाग से जेएस नयोल, शकूर बस्ती से देवराज अरोड़ा, त्रिनगर से कमलकांत शर्मा, वजीरपुर से हरि किशन जिंदल, मॉडल टाउन से अकांक्षा ओला, सदर बाजार से सतबीर शर्मा, चांदनी चौक से

अरविंदर सिंह लवली, जय प्रकाश, राजेश लिलोठिया, जयकिशन, कृष्णा तीरथ जैसे धुरंधरों को उतारा

अलका लांबा, मटिया महल से मिरजा जावेद अली, बल्लीमारान से हारुन युसूफ, करोलबाग (अ.ज.) से गौरव धनक, पटेल नगर (अ.ज.) से कृष्णा तीरथ, मोती नगर से रमेश कुमार पोपली, रजौरी गार्डन से अमनदीप सिंह सुदान, हरिनगर से सुरेंद्र सेठी, जनकपुरी से राधिका खेड़ा, द्वारका से आदर्श शास्त्री, मटियाला से सुमित शोकीन, नजफगढ़ से साहिब सिंह यादव, दिल्ली कैंट से संदीप तंवर, जंगपुरा से तलविंदर सिंह मारवाह, कस्तूरबा नगर से अभिषेक दत्त, मालवीय नगर से नीतू वर्मा, आरके पुरम से प्रियंका सिंह, छतरपुर से सतीश लोहिया, देवली (अ.ज.) से अरविंदर सिंह, आंबेडकर नगर (अ.ज.) से यदुराज चौधरी, संगम विहार से पूनम आजाद, ग्रेटर कैलाश से सुखबीर सिंह पंवार, कालकाजी से शिवानी चोपड़ा, तुगलकाबाद से शुभम शर्मा, त्रिलोकपुरी (अ.ज.) से विजय कुमार, पटपड़गंज से लक्ष्मण रावत, लक्ष्मी नगर से डॉ हरिदत्त शर्मा, विश्वास नगर से गुरचरन सिंह राजू, कृष्णा नगर से अशोक कुमार वालिया, गांधी नगर से अरविंदर सिंह लवली, शाहदरा से नरेंद्र नाथ, सीमापुरी (अ.ज.) से वीर सिंह धींगन, रोहताश नगर से विपिन शर्मा, सीलमपुर से चौधरी मतीन अहमद, बाबरपुर से अनवीक्षा त्रिपाठी जैन, गोकुलपुर (अ.ज.) से एसपी सिंह और मुस्तफाबाद से अली मेहंदी मैदान में हैं।



www.readwhere.com

# नागरिकता सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्यों के बारे में भी है : सीजेआइ

नागपुर, 18 जनवरी (भाषा)।

भारत के प्रधान न्यायाधीश शरद अरविंद बोबडे ने शनिवार को कहा कि नागरिकता सिर्फ लोगों के अधिकारों के बारे में ही नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनके कर्तव्यों के बारे में भी है।

राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय (आरटीएमएनयू) के 107वें दीक्षांत समारोह में अपने संबोधन में बोबडे ने कहा कि कुछ शिक्षण संस्थान 'बेहद वाणिज्यिक मानसिकता' के हो गए हैं, जबकि शिक्षा का असली उद्देश्य मेधा और चरित्र का विकास करना है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षा का प्रचार-प्रसार तेजी से हो रहा है। दुर्भाग्य से कुछ ऐसे संस्थान हैं, मैं विश्वविद्यालयों के बारे में बात नहीं कर रहा, जो बेहद वाणिज्यिक मानसिकता वाले बन गए हैं। मैं यह कुछ संस्थानों को लेकर अपने निजी ज्ञान के आधार पर कह रहा हूं, जो कानून की शिक्षा देते हैं।

> *शिक्षा* के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने कहा, शिक्षा के विचार के साथ अनुशासन भी जुड़ा हुआ है और मैं समझता हूं कि कुछ क्षेत्रों में अनुशासन के विचार को लेकर नाराजगी बढ़ रही है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जिस सबसे महत्त्वपूर्ण सवाल का हमें जवाब तलाशना चाहिए वह यह कि विश्वविद्यालय शिक्षा का उद्देश्य क्या होना चाहिए। विश्वविद्यालय निश्चित रूप से ईंट और पत्थर के बारे में नहीं हैं। विश्वविद्यालयों को किसी उत्पादन ईकाई की तरह काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बात पर जोर देना भी बेहद जरूरी है कि विश्वविद्यालय की डिग्रियां अपने आप में अंत नहीं हैं, बल्कि अंत के लिए एक साधन हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह कि विश्वविद्यालय का विचार यह दर्शाता है कि एक समाज के तौर पर हम क्या हासिल करना चाहते हैं। विश्वविद्यालयों को खुद को पुनर्लक्षित करके यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह अपने असल उद्देश्य की ओर बढ़कर समाज के वास्तविक लक्ष्य की दिशा में जाएं, जो निश्चित रूप से अलग-अलग समय में बदलता रहता है।

शिक्षा के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शिक्षा के विचार के साथ अनुशासन भी जुड़ा हुआ है और मैं समझता हूं कि कुछ क्षेत्रों में अनुशासन के विचार को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। लेकिन अनुशासन शब्द का वह अर्थ नहीं है, जो आज लगाया जा रहा है। प्रधान न्यायाधीश आरटीएमएनयू से पढ़े हुए हैं।

# प्रज्ञा को संदिग्ध लिफाफा भेजने पर चिकित्सक गिरफ्तार

औरंगाबाद, 18 जनवरी (भाषा)।

मध्य प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर को कथित तौर पर संदिग्ध लिफाफे भेजने के मामले में महाराष्ट्र के नांदेड जिले से एक चिकित्सक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

भोपाल लोकसभा क्षेत्र से सांसद ठाकुर ने सोमवार को भोपाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें किसी ने कुछ लिफाफे भेजे हैं, जिसमें जहरीला रासायनिक पदार्थ हैं। पुलिस ने ठाकुर के आवास से तीन-चार लिफाफे बरामद किए थे, जिसमें से कुछ उर्दू में लिखे हुए हैं।

> *भोपाल* लोकसभा क्षेत्र से सांसद ठाकुर ने सोमवार को भोपाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें किसी ने कुछ लिफाफे भेजे हैं, जिसमें जहरीला रासायनिक पदार्थ हैं

नांदेड के इतवारा पुलिस थाने के निरीक्षक प्रदीप ककाडे ने कहा कि जांच के दौरान मध्य प्रदेश एटीएस ने यह पाया कि नांदेड जिले के धानेगांव इलाके के डॉक्टर सैयद अब्दुल रहमान खान ने यह संदिग्ध लिफाफे ठाकुर को भेजा है। खान इलाके में अपना क्लीनिक चलाता है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश एटीएस ने खान को गुरुवार को हिरासत में ले लिया।

वह पिछले तीन माह से पुलिस के राडार पर था, क्योंकि उसने पहले भी कुछ सरकारी अधिकारियों को पत्र लिखा था, जिसमें उसने दावा किया था कि उसके मां और भाई के आतंकवादियों से संपर्क हैं और उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ऐसे पत्र लिखने के लिए खान को पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है। ककाड़े ने बताया कि पुलिस उसके मोबाइल फोन की लोकेशन के जरिए उस पर नजर रख रही थी। लेकिन वह मोबाइल फोन घर पर ही छोड़ कर इन पत्रों को डालने औरंगाबाद, नागपुर और अन्य स्थानों पर जाता था। उन्होंने बताया कि खान का अपने भाई के साथ भी विवाद था और उसे भाई से मारपीट के कारण पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

# एमजीपी नेता के रिश्तेदारों ने शव लेने से किया इनकार

पणजी, 18 जनवरी (भाषा)।

कथित रूप से आत्महत्या कर चुके एमजीपी नेता प्रकाश नाईक के रिश्तेदारों ने शनिवार को कहा कि उनकी मौत से पहले वाट्सऐप संदेशों में उन्होंने जिन दो व्यक्तियों के नाम लिखे हैं, उनकी जब तक गिरफ्तारी नहीं हो जाती है, तब तक वे शव नहीं लेंगे।

पुलिस के अनुसार नाईक ने अपनी जान देने के फैसले से पहले अपने आखिरी संदेश में गोवा के एक मंत्री के भाई समेत दो व्यक्तियों को इस कदम के लिए जिम्मेदार ठहराया।


अनुसूची-II
प्रपत्र बी
सार्वजनिक उद्घोषणा
[दिवाला तथा दिवालिया (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12 के अंतर्गत]

**आर्चिड सैलून सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड के स्टेकधारकों के ध्यानार्थ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम | आर्चिड सैलून सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड |
| 2. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि | 28.03.2011 |
| 3. | वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है | कम्पनी रजिस्ट्रार, नई दिल्ली पंजीकरण सं. 216687 |
| 4. | कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या | U93020DL2011PLC216687 |
| 5. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता | 14-बी, शिव शक्ति अपार्टमेन्ट्स, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075 |
| 6. | इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया समापन की तिथि | 10.01.2020 |
| 7. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का परिसमापन शुरू होने की तिथि | 10.1.2020 सीपी नं. (IB)-997(ND)/2019 में सीए नं. 209/ND/2020 में एनसीएलटी पीठ 2 नई दिल्ली के आदेश तिथि 10.1.2020 द्वारा |
| 8. | परिसमापक का नाम, पता, ईमेल पता, टेलीफोन नम्बर तथा पंजीकरण संख्या | राकेश कुमार जैन फ्लैट जे-6, 2रा तल, पंकिट ए, जसोला, नई दिल्ली-110025 sirshree.rakesh@gmail.com एम-9810060524 IBBI/IPA-002/IP-N00053/2017-18/10105 दावे जमा करने के लिये ई-मेल पता: orchid.liquidator@gmail.com |
| 9. | दावे जमा करने की अंतिम तिथि | 9.2.2020 |

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली पीठ ने 10.1.2020 को आर्चिड सैलून सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन शुरू करने का आदेश दिया है।
एतद्द्वारा आर्चिड सैलून सर्विसेस प्राईवेट लिमिटेड के क्रेडीटरों को निर्देश दिया जाता है कि आइटम नं. 8 में वर्णित पते पर परिसमापक के पास 9.2.2020 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।
फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स प्रमाण के साथ व्यक्तिगत या डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।
दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।
हस्ता./-
राकेश कुमार जैन
ऑर्चिड सैलून सर्विसेस प्रा.लि.
स्थान: नई दिल्ली
तिथि: 17.1.2020



**दि को-ऑपरेटिव एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड**
(पंजीकृत कार्यालय अम्बाला रोड, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश-247001)
टेलीफोन: (0)9219402700, CIN: U65993UP1973PLC003752,
ईमेल: sabomaco@hotmail.com

**शेयरधारकों के लिए सूचना**

**निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा निधि (आईईपीएफ) में इक्विटी शेयरों का अंतरण**

यह सूचना निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा निधि प्राधिकरण (लेखापरीक्षा, लेखापरीक्षा अंतरण एवं वापसी) संशोधन नियम, 2017 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसरण में प्रकाशित की जाती है। नियमों में अन्य बातों के साथ-साथ उन सभी शेयरों को केन्द्र सरकार द्वारा स्थापित निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा निधि प्राधिकरण में अंतरित करना शामिल है जिनके लिए निरंतर सात वर्षों से शेयरधारकों द्वारा लाभांश का कोई भुगतान नहीं लिया गया है या दावा नहीं किया गया है। तदनुसार कंपनी ने उन सभी शेयरधारकों को उनके वर्तमान उपलब्ध पते पर व्यक्तिगत रूप से पंजीकृत पत्र भेजकर आवश्यक जानकारी भेजा है जिनके शेयर उक्त नियमों के अंतर्गत आईईपीएफ को अंतरित किये जाने हैं। ऐसे शेयरधारकों और आईईपीएफ को अंतरित किये जाने वाले शेयरों का ब्यौरा हमारी वेबसाइट www.sabomaco.com/The-Co-operative.php पर भी अपलोड किया गया है। शेयरधारक ऐसी वेबसाइट पर आईईपीएफ को अंतरित किये जाने वाली इकाई के विवरणों को देख कर सकते हैं।

संबंधित शेयरधारकों से अनुरोध है कि वह वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए अप्रदत्त लाभांश हेतु अनुरोध पत्र के साथ 13.04.2020 तक कंपनी के पास आवेदन करें जिससे उनके नाम पर शेयरों का पंजीकरण जारी रहेगा। यह भी नोट करें कि यदि 13.04.2020 तक कंपनी के पास कोई उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो कंपनी नियमों के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके बगैर किसी कोई सूचना दिए शेयरों को आईईपीएफ को अंतरित करने के लिए बाध्य होगी।

यह भी नोट करें कि आईईपीएफ को अंतरित शेयरों के संबंध में ऐसे शेयरों पर उपार्जित सभी लाभ, यदि कोई हो, के लिए दावा नियमों के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आईईपीएफ प्राधिकरण के पास किया जा सकता है।

लाभांश के लिए दावा हेतु अनुरोध और लाभांश विषय पर किसी भी पूछताछ के लिए श्री सुरेश चन्द्र शर्मा (अधिकृत अधिकारी), दि को-ऑपरेटिव एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड,(सि स्टूडेंट बोर्ड वेलफेयरिंग कम्पनी लिमिटेड के परिसर में) अम्बाला रोड, सहारनपुर, उ.प्र. -247001 को लिख सकते हैं या उन्हें टेलीफोन नं (0)921402700 पर कॉल कर सकते हैं या ई-मेल sabomaco@hotmail.com पर मेल भेज सकते हैं।

दावा किये जाने वाले आवेदन की प्रति कागज पर शेयरधारक (संयुक्त धारिता के मामले में सभी शेयरधारकों) द्वारा हस्ताक्षरित कर उसमें स्पष्ट रूप से बैंक विवरण लिखकर एवं पैनकार्ड की स्व-प्रमाणित प्रति तथा पते का प्रमाण के साथ संबंधित बैंक मैनेजर द्वारा विधिवत सत्यापित शेयरधारक(कों) के हस्ताक्षर के साथ भेजा जाना चाहिए।

कृते दि को-ऑपरेटिव एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
हस्ता./-
स्थान : सहारनपुर — नाम : आशीष राज
तिथि : 14.01.2020 — पदनाम : निदेशक



प्रपत्र क
सार्वजनिक घोषणा
[भारतीय दिवाला और ऋण शोध अक्षमता बोर्ड (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया)
विनियमावली, 2016 के विनियम 6 के अधीन]
**मैसर्स एवन इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के लेनदारों के ध्यानार्थ**

सुसंगत विशिष्टियाँ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कार्पोरेट देनदार का नाम | मैसर्स एवन इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड |
| 2. | कार्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि | 16.10.2007 |
| 3. | प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट देनदार निगमित/पंजीकृत है | रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज-दिल्ली |
| 4. | कार्पोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित दायित्व पहचान संख्या | U45400DL2007PTC169458 |
| 5. | कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता | 7, 383सी बैक स्ट्रीट, मुनीरका, नई दिल्ली-110067 |
| 6. | कार्पोरेट देनदार के सम्बन्ध में ऋण शोध अक्षमता आरंभन की तिथि | 14 जनवरी, 2020 |
| 7. | ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया के समापन की पूर्वानुमानित तिथि | समाधान प्रक्रिया प्रारम्भ होने की तिथि से 180 दिन जो 12 जुलाई, 2020 है |
| 8. | अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल के रूप में कार्यरत ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनल का नाम और रजिस्ट्रेशन नम्बर | नाम : श्री सन्दीप गोयल पंजीकरण संख्या : IBBI/IPA-003/IP-N00073/2017-18/10583 |
| 9. | अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल पता और ई-मेल, जैसा कि बोर्ड में पंजीबद्ध है। | पता : 410, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 ई-मेल आईडी : cmasandeepgoel@gmail.com |
| 10. | अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल का पत्राचार हेतु प्रयुक्त पता और ई-मेल | पता : 410, प्रताप भवन, 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 ई-मेल आईडी : irp.avoninfracon@gmail.com |
| 11. | दावा प्रस्तुत करने हेतु अन्तिम तिथि | 31.01.2020 |
| 12. | अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल द्वारा धारा 21 की उप-धारा (6क) के क्लॉज (ख) के तहत अभिनिश्चित लेनदारों की श्रेणियाँ, यदि कोई हो | वर्ग का नाम : निल |
| 13. | किसी श्रेणी में लेनदारों के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने हेतु चिन्हित ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनल के नाम (प्रत्येक श्रेणी के लिए तीन नाम) | अप्रयोज्य |
| 14. | (क) सम्बन्धित प्रपत्र और (ख) अधिकृत प्रतिनिधियों का विवरण पर उपलब्ध है : | वेबलिंक : www.ibbi.gov.in/home/downloads भौतिक पता : अप्रयोज्य |

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि न्यायाधिकरण ने आदेश दिनांक 14.01.2020 को मैसर्स एवन इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध कॉर्पोरेट ऋण शोध अक्षमता प्रक्रिया आरम्भ करने का आदेश दिया है ।
मैसर्स एवन इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के लेनदारों से एतद्द्वारा अपने दावों का प्रमाण 31 जनवरी, 2020 को अथवा इससे पूर्व अन्तरिम समाधान प्रोफेशनल के समक्ष ऊपर आइटम 10 के समक्ष वर्णित पते पर प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।
वित्तीय लेनदारों को अपने दावों का प्रमाण केवल इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत करना होगा। अन्य सभी लेनदार अपने दावों का प्रमाण दस्ती (व्यक्तिगत रूप से), डाक द्वारा अथवा इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा प्रस्तुत कर सकते हैं। किसी श्रेणी के साथ सम्बन्धित वित्तीय लेनदार, जैसा कि प्रविष्टि सं. 12 के समक्ष सूचीबद्ध है, प्रपत्र सीए में श्रेणी अप्रयोज्य के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने के लिए प्रविष्टि सं. 13 के समक्ष सूचीबद्ध तीन ऋण शोध अक्षमता प्रोफेशनल्स में से प्रपत्र सीए में अपनी पसन्द का अधिकृत प्रतिनिधि निदर्शित करेगा।
दावे के फर्जी अथवा भ्रामक प्रमाण की प्रस्तुति दण्डनीय होगी।

ह./-
दिनांक : 19.01.2020 — सीएमए सन्दीप गोयल
स्थान : नई दिल्ली — पंजीकरण सं. : IBBI/IPA-003/IP-N00073/2017-18/10583



**सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया**
**Central Bank of India**
1911 से आपके लिए "केन्द्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
लिंक हाउस, 3 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
शा.का.: नं.6, विजयालक्ष्मी कालोनी, कुम्बेना अग्रहारा रोड, काडुगोडी, बैंगलोर-560067

**कब्जा सूचना** (अचल सम्पत्ति और सम्पत्ति के लिए)
परिशिष्ट-IV (नियम 8 (1) देखें)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, प्रेस एरिया, नई दिल्ली के शाखा के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्त्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 8.10.2028 जारी कर (पत्र प्रकाशन 13.5.2019 को) ऋणधारकों/ गारन्टरोंः मै. कॉस्मिक रिटेल लोन खाता, बी/ओ प्रेस एरिया, नई दिल्ली (पार्टनर- श्री विष्णु भगत एवं श्री त्रिनाद किरण बेमुरी, **गारन्टरोंः** श्री विष्णु भगत,श्री त्रिनाद कृष्ण वेमुरी एवं मै. मिनाका इन्टरनेशनल प्राईवेट लिमिटेड को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 2,60,20,807/- (रुपये दो करोड़ साठ लाख बीस हजार आठ सौ सात मात्र) 13.5.2019 को देय वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/ गारन्टरों तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आज 14.1.2020 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों/ गारन्टरों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय 13.5.2019 को रु. 2,60,20,807/- (रुपये दो करोड़ साठ लाख बीस हजार आठ सौ सात मात्र) तथा 13.5.2019 से उस पर ब्याज तथा अन्य चार्जेज के लिये **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, प्रेस एरिया, नई दिल्ली शाखा** के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

**अचल सम्पत्ति का विवरण**

अधोलिखित में शामिल सम्पत्ति का सभी भाग तथा हिस्साः
1) मै. मिनाका इन्टरनेशनल प्रा.लि. के नाम में त्रिबोली अपार्टमेन्ट्स, सीगेहल्ली, व्हाइटफिल्ड- होसाकेटे, मैन रोड, बिदाराहल्ली हूबली, बैंग्लूरु ईस्ट-560067 में स्थित आवासीय अपार्टमेन्ट, फ्लैट नं. बी-502, 5वां तल, ब्लॉक-बी, माप 1830 वर्ग फीट।
2) मै. मिनाका इन्टरनेशनल प्रा.लि. के नाम में त्रिबोली अपार्टमेन्ट्स, सीगेहल्ली, व्हाइटफिल्ड- होसाकेटे, मैन रोड, बिदाराहल्ली हूबली, बैंग्लूरु ईस्ट-560067 में स्थित आवासीय अपार्टमेन्ट, फ्लैट नं. बी-1304, 13वां तल, ब्लॉक-बी, माप 2380 वर्ग फीट एवं 210 वर्ग फीट टैरेस एरिया। **चौहद्दीः**
**पूर्वः** सर्वे नं. 118 में छठा ब्लॉक
**पश्चिमः** सर्वे नं. 118 में 3रा ब्लॉक
**उत्तरः** रोड
**दक्षिणः** प्राईवेट भूमि एवं सर्वे नं. 118 (पार्ट)
**स्वामीः** मै. मिनाका इन्टरनेशनल प्रा.लि.

स्थानः बैंगलोर — प्राधिकृत अधिकारी
तिथिः 14.01.2020 — सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया



**आंध्रा बैंक** (भारत सरकार का उपक्रम)

**कब्जा सूचना** प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली के नियम के 8 (1) (अचल सम्पत्ति हेतु)

वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन (द्वितीय) अधिनियम 2002 (अधिनियम 54 का 2002) के अंतर्गत अधोहस्ताक्षरी ने आन्ध्रा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित अनुच्छेद 13 (12) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्न उधारकर्ता को एक मांग नोटिस जारी किया था तथा उन्हें कथित नोटिस की प्राप्ति से 60 दिन के भीतर बैंक को भुगतान करने को कहा था। ऋणी द्वारा बैंक को उक्त राशि अदा करने में असफल रहने पर, विशेषतः ऋणी तथा सामान्यतः जनता को नोटिस दिया जाता है कि अधिनियम 8 के साथ पठित धारा 13(4) के अन्तर्गत दिये गये अधिकार का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने निर्दिष्ट की गई निम्नलिखित सम्पत्ति **को कब्जे** में ले लिया है। संबंधित ऋणियों को, विशेषतः तथा सामान्यतः जनसाधारण को, सावधान किया जाता है कि वे निम्नांकित सम्पत्ति के सम्बंध में कोई लेन-देन न करें। उक्त सम्पत्ति के विषय में कोई लेन-देन उधारकर्ता से देय राशि तथा उस पर ब्याज हेतु **आन्ध्रा बैंक** के भार के अधीन होगा। **सुरक्षित संपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के अन्तर्गत, अधिनियम की धारा 13 (8) के प्रावधानों के लिए उधारकर्ताओं का ध्यान आमंत्रित किया जाता है।**

| क्र. सं. | शाखा/ऋणी/गारन्टर के नाम | बंधक सम्पत्ति/सम्पत्तियों का विवरण | मांग नोटिस की तिथि एवं बकाया राशि | कब्जा लेने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1. | **शास्त्री नगर, मेरठ शाखा:** **ऋणी:** श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र बाबूराम **गारन्टर:** श्री सुभाष चंद गुप्ता पुत्र बाबूराम | भूमि व भवन-आवासीय संबंधित स्वामी श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबू राम (सम्पत्ति स्वामी), स्थित मकान नं0 के-397, स्कीम नं0 3, के-ब्लॉक, शास्त्री नगर, मेरठ, 30P0-250004, माप 50.97 वर्ग मीटर एवं सीमायें:-पूर्वः 5.13 मीटर/3.5 मीटर चौड़ी रोड, पश्चिमः 5.13 मीटर तदोपरान्त अन्य सम्पत्ति, उत्तरः 9.62 तदोपरान्त मकान नं0 395, दक्षिणः 9.62 तदोपरान्त मकान नं0 399 | मांग नोटिस की तिथि 01.11.2019 रू0 7,72,325.00 (रूपये सात लाख बहात्तर हजार तीन सौ पच्चीस मात्र) दिनांक 01.11.2019 तक | 13.01.2020 |
| 2. | **शास्त्री नगर, मेरठ शाखा:** **ऋणी:** मैसर्स गौरव ट्रांसपोर्ट कम्पनी (प्रो. विनोद चौधरी) **गारन्टर:** श्रीमती रीना लदपाल पत्नी श्री ओम प्रकाश | भूमि व भवन-आवासीय संबंधित स्वामी श्री विनोद चौधरी पुत्र स्व0 श्री गोपी चंद (सम्पत्ति स्वामी), स्थित E-225, सेक्टर नं0 1, शताब्दी नगर, आवासीय योजना, मेरठ, माप 29.92 वर्ग मीटर एवं सीमायें:-पूर्वः 9.50 मीटर तदोपरान्त भवन नं0 224, पश्चिमः 9.50 मीटर तदोपरान्त भवन नं0 226, उत्तरः 3.15 मीटर तदोपरान्त भवन नं0 266, दक्षिणः 3.15 मीटर तदोपरान्त एक रोड 6.00 मीटर चौड़ी | मांग नोटिस की तिथि 01.11.2019 रू0 6,59,557.00 (रूपये छः लाख उनसठ हजार पांच सौ सत्तावन मात्र) दिनांक 01.11.2019 तक | 13.01.2020 |
| 3. | **धानूपुरा मुरादाबाद शाखा:** **ऋणी:** श्रीमती नीतू पत्नी श्री अनिल कुमार, श्री अनिल कुमार, **सह-ऋणी:** श्री महादेवन | भूमि व भवन-आवासीय संबंधित स्वामित्व श्री अनिल कुमार एवं श्रीमती नीतू पत्नी अनिल कुमार (सम्पत्ति स्वामी), स्थित प्राइवेट प्लॉट नं0 633, मौहल्ला पूनम विहार कॉलोनी, वार्ड नं0 18, शाहपुर टिगरी, मुरादाबाद, माप क्षेत्रफल 122.37 वर्ग मीटर एवं सीमायें:-पूर्वः रोड 12 फीट चौड़ी रोड, पश्चिमः अन्य का मकान, उत्तरः ममता दास का प्लॉट, दक्षिणः चन्द्रवती का मकान | मांग नोटिस की तिथि 02.11.2019 रू0 20,31,686.00 (रूपये बीस लाख इक्कतीस हजार छः सौ छियासी मात्र) दिनांक 02.11.2019 तक | 14.01.2020 |
| 4. | **पल्लवपुरम, मेरठ शाखा:** **ऋणी:** श्री संजय सिंह पुत्र श्री राजेश्वर सिंह **सह-ऋणी (गृह ऋणी):** श्री नरेश कुमार पुत्र जय सिंह **गारन्टर (सम्पत्ति टर्म लोन):** श्री सोमनाथ घोष पुत्र कार्तिक घोष, बंधककर्ता: श्री संजय सिंह पुत्र राजेश्वर सिंह | भूमि व भवन-आवासीय संबंधित स्वामी श्री संजय सिंह पुत्र राजेश्वर सिंह (सम्पत्ति स्वामी), स्थित प्लॉट नं0 62, भूतल पर फ्लैट, सैक्टर पल्लवपुरम ग्राम मुक्करावपुर, पल्लेड़ा, परगना दौराला, तहसील सरधना, मेरठ एवं सीमायें:-पूर्वः 54 फीट/30 फीट चौड़ा रोड, पश्चिमः 54 फीट /प्लॉट नं0 61, उत्तरः 27 फीट/25 फीट चौड़ा रोड, दक्षिणः 27 फीट/ प्लॉट नं0 63 | मांग नोटिस की तिथि 02.11.2019 रू0 18,02,400.80 (रूपये अट्ठारह लाख दो हजार चार सौ एवं अस्सी पैसा मात्र) दिनांक 02.11.2019 तक | 17.01.2020 |
| 5. | **रूद्रपुर शाखा:** **ऋणी:** श्री देवव्रत सरदार पुत्र अवनी सरदार, **सह-ऋणी:** श्री उमेश शर्मा पुत्र श्री राधा चरण | भूमि व भवन-आवासीय संबंधित स्वामी श्री देवव्रत सरदार (सम्पत्ति स्वामी), स्थित भूमि व भवन खाता नं0 501, खसरा नं0 618 मिन, ग्राम- विजय नगर, रूद्रपुर -263153, माप क्षेत्रफल 184.01 वर्ग मीटर एवं सीमायें:-पूर्वः विक्रेता की सम्पत्ति, पश्चिमः विक्रेता की सम्पत्ति, उत्तरः वीमन की सम्पत्ति, दक्षिणः रास्ता 3.65 मीटर चौड़ा एवं खरीददार | मांग नोटिस की तिथि 04.10.2019 रू0 3,00,916.00 (रूपये तीन लाख नौ सौ सोलह मात्र) दिनांक 04.10.2019 तक | 17.01.2020 |
| 6. | **रूद्रपुर शाखा:** **ऋणी:** श्री रोहित एंटरप्राइजेज (प्रो. श्री सुकुमार राय), श्री सुकुमार राय पुत्र श्री भूपेन्द्र नाथ। **गारन्टर:** श्री राजकुमार राय पुत्र श्री रविनाथ राय | भूमि व भवन-आवासीय संबंधित स्वामी श्री सुकुमार राय पुत्र श्री भूपेन्द्र नाथ (सम्पत्ति स्वामी), स्थित खाता नं0 355, खसरा नं0 647 मिन, ग्राम विजय नगर, पोस्ट कालीनगर, तहसील गदरपुर, रूद्रपुर जिला उधमसिंह नगर एवं (माप क्षेत्रफल 83.64 वर्ग मीटर) एवं सीमायें:-पूर्वः दिनेशपुर रोड, पश्चिमः विक्रेता की भूमि, उत्तरः बादल सरकार, दक्षिणः रास्ता | मांग नोटिस की तिथि 05.11.2019 रू0 25,71,679.00 (रूपये पच्चीस लाख इकहत्तर हजार छः सौ उन्नासी मात्र) दिनांक 05.11.2019 तक | 17.01.2020 |

दिनांकः 19.01.2020 — मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी, आन्ध्रा बैंक



This is a public announcement for information purposes only and is not a prospectus announcement.
This does not constitute an invitation or offer to acquire, purchase or subscribe for securities. Not for publication or distribution, directly or indirectly outside India.

# INDIAN RAILWAY FINANCE CORPORATION LIMITED

Our Company was incorporated as Indian Railway Finance Corporation Limited on December 12, 1986, as a public limited company under the Companies Act, 1956, pursuant to a certificate of incorporation issued by the Registrar of Companies, National Capital Territory of Delhi & Haryana ("**RoC**"). Thereafter, our Company received a certificate of commencement of business from the RoC on December 23, 1986. The MCA, through its notification dated October 8, 1993, classified our Company as a Public Financial Institution under Section 4(A) of the Companies Act, 1956 (now defined in Section 2(72) of the Companies Act, 2013). Subsequently, our Company was registered with RBI under Section 45-IA of the RBI Act to carry on the business of a non-banking financial institution without accepting public deposits, pursuant to a certificate of registration bearing No.14.00013 dated February 16, 1998. Subsequently, vide a fresh certificate of registration bearing No.14.00013, dated March 17, 2008, RBI classified our Company as a non-deposit accepting asset finance non-banking financial company. Thereafter, our Company was re-classified as an NBFC-ND-IFC by RBI, through a fresh certificate of registration bearing No. B-14.00013, dated November 22, 2010. For further details, including details of change in registered office of our Company, see "**History and Certain Corporate Matters**" on page 124 of the Draft Red Herring Prospectus dated January 16, 2020 ("**DRHP**").

**Registered and Corporate Office:** UG-Floor, East Tower, NBCC Place, Bisham Pitamah Marg, Pragati Vihar, Lodhi Road, New Delhi – 110 003; **Tel:** +91 (11) 2436 9766
**Contact Person:** Vijay Babulal Shirode, Company Secretary and Compliance Officer; **Tel:** +91 (11) 2436 8068;
**E-mail:** dgmcs@irfc.nic.in; **Website:** www.irfc.nic.in; **Corporate Identification Number:** U65910DL1986GOI026363

**OUR PROMOTER: THE PRESIDENT OF INDIA, ACTING THROUGH THE MINISTRY OF RAILWAYS, GOVERNMENT OF INDIA ("MoR")**

**INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 1,407,069,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10 EACH ("EQUITY SHARES") OF INDIAN RAILWAY FINANCE CORPORATION LIMITED ("OUR COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹[•] PER EQUITY SHARE (INCLUDING A PREMIUM OF ₹[•] PER EQUITY SHARE) (THE "ISSUE PR

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

# कानून और हकीकत

चार अगस्त, 2019 की शाम जम्मू-कश्मीर बंद कर दिया गया था। उस रात से ही मानवाधिकारों पर हमले शुरू हो गए थे। राज्यपाल, सलाहकार, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक आदि की नई टीम ने कमान संभाल ली थी। इस टीम में भारत के संविधान के प्रति थोड़ा भी सम्मान नहीं रह गया था।

चार अगस्त, 2019 को कश्मीर घाटी में मोबाइल फोन नेटवर्क, इंटरनेट सेवाएं और लैंडलाइन फोन सेवाएं बंद कर दी गई थीं। आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। पांच अगस्त, 2019 को राष्ट्रपति ने संवैधानिक आदेश 272 जारी कर जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को खत्म कर दिया था और प्रस्तावित केंद्र शासित प्रदेशों पर भारत के संविधान के सभी प्रावधानों को लागू कर दिया था। उसी दिन जिला मजिस्ट्रेटों ने धारा 144 लगा दी थी और लोगों की आवाजाही व जमा होने पर रोक लगा दी थी। सैकड़ों राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया गया था। तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों को बिना आरोप के नजरबंद कर दिया था, जो अभी भी हिरासत में हैं।

कश्मीर टाइम्स की कार्यकारी संपादक अनुराधा भसीन, सांसद गुलाम नबी आजाद और अन्य ने इन प्रतिबंधों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इस दावे के अलावा कि याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों का हनन हुआ है, सुश्री भसीन ने यह दावा भी किया था कि वे अपना अखबार भी नहीं निकाल पा रही थीं, इससे प्रेस की आजादी का हनन हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर, 2019 को राज्य सरकार को आदेश दिया था कि 'राष्ट्रीय हित और आंतरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे सभी कदम उठाए जाएं जो कश्मीर में सामान्य जनजीवन की बहाली सुनिश्चित करें।' जैसी कि आशंका थी, सामान्य जनजीवन की बहाली नहीं हो पाई। दस अक्तूबर, 2019 को अदालत ने केंद्र सरकार का यह जवाब स्वीकार किया कि कुछ प्रतिबंधों में 'ढील दी गई है'। हालांकि, प्रभावी रूप से ऐसा कोई अंतरिम आदेश नहीं था, जिसका पालन करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें बाध्य होतीं और जम्मू-कश्मीर में हालात, खासतौर से कश्मीर घाटी में वैसे ही बने हुए हैं।

## मुद्दे और जवाब

कई दिन तक मामलों पर सुनवाई हुई, 27 नवंबर, 2019 को फैसला सुरक्षित रख लिया गया था और दस जनवरी, 2020 को सुनाया गया। अदालत ने पांच मुद्दे लिए थे। मैं हर मुद्दे और अदालत द्वारा दिए गए जवाब को यहां रख रहा हूं-

1- क्या सरकार आपराधिक दंड संहिता की धारा 144 के तहत आदेशों को जारी करने से छूट का दावा कर सकती है? जवाब- नहीं।

2- क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और इंटरनेट पर कारोबार जारी रखने की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार हैं? जवाब- हां, अनुच्छेद 19(1)(ए) और (जी) के तहत, और इंटरनेट सेवा बंद करने वाले हर आदेश की सात दिन में समीक्षा की जाएगी (और हर पिछली समीक्षा के बाद सात दिन के अंतराल पर यह होगा)।

3- क्या इंटरनेट तक पहुंच मौलिक अधिकार है? जवाब नहीं दिया गया।

4- क्या धारा 144 के तहत लगाए गए प्रतिबंध वैध थे? जवाब- यह कहने के बाद कि अधिकार सुरक्षात्मक और उपचारात्मक है, आदेश को आनुपातिकता के सिद्धांत पर अधिकारों और प्रतिबंधों में संतुलन बनाना चाहिए, और बार-बार एक ही आदेश नहीं दिया जा सकता। अदालत ने राज्य / अधिकारियों को निर्देश दिया कि आदेशों को जारी रखने की जरूरत की तुरंत समीक्षा करें।

5- क्या प्रेस की आजादी का उल्लंघन हुआ है? जवाब- 'जोरदार प्रभाव' के सिद्धांत के परीक्षण और इस तथ्य कि अखबार का प्रकाशन फिर से शुरू हो गया था, अदालत ने कहा- हम इस मामले में इससे और ज्यादा कुछ कहना उचित नहीं समझते कि जिम्मेदार सरकारों को हमेशा प्रेस की आजादी का सम्मान करने की जरूरत है।

## संतुलन बनाना

अदालत के निष्कर्ष और कुछ मुद्दों पर निष्कर्ष देने में अनिच्छा, चौंकाने वाले नहीं थे। फैसले के शुरू में ही अदालत ने अपना रुख साफ करते हुए कह दिया था कि हमारा सीमित दायरा आजादी और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बीच संतुलन कायम करने को लेकर है..... हम यहां सिर्फ यह सुनिश्चित करने के लिए हैं कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही मौजूदा हालात में नागरिकों को सारे अधिकार दिए जाएं।

4 अगस्त 2019 से 13 जनवरी 2020 के दौरान जब सरकार ने तथाकथित 'सामान्य स्थिति' बनाए रखी, बीस नागरिक और छत्तीस उग्रवादी मारे गए और आठ सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए।

जब आप इस कॉलम को पढ़ रहे होंगे, इंटरनेट, आवाजाही, लोगों के जमा होने, राजनीतिक गतिविधियों, बोलने-लिखने और कश्मीर आने वालों पर पाबंदी जारी रहेगी। बिना आरोपों के राजनीतिक नेता हिरासत में बने रहेंगे। तो क्या फिर फैसले के बाद वाकई स्थिति में कोई सुधार आया है?

बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा है-'जो लोग थोड़े वक्त की सुरक्षा की खातिर जरूरी आजादी को छोड़ देंगे, वे न आजादी के लायक हैं, न सुरक्षा के।' इसका संदर्भ दूसरा था, फिर भी यह एक आदर्श उद्धरण बन चुका है, खासतौर से तब जब आजादी और सुरक्षा के बीच विवाद खड़ा हो जाता है। अगर अदालत ने अपने निर्देशों को बेंजामिन फ्रैंकलिन के इस कथन के अनुरूप रखा होता तो क्या निष्कर्ष कुछ अलग होते?

## क्या कुछ बदलेगा?

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने सरकार को एक रास्ता दिखाया है, जिससे वह कश्मीर मामले पर अपने सत्तावादी और सैन्य नजरिए को छोड़ सकती है, लेकिन मुझे संदेह है कि सरकार इस रास्ते पर चलेगी। यह फैसला कश्मीर घाटी के सत्तर लाख लोगों के लिए एक उम्मीद भी पैदा करता है कि उनकी स्वतंत्रता बहाल होगी, हालांकि फैसला आने के सात दिन बाद भी अभी तक इसके कोई संकेत नजर नहीं आए हैं।

प्रतिवादी (केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश सरकारें) इस बात से नाखुश हैं कि उनकी कार्रवाइयों की नियमित रूप से न्यायिक समीक्षा होती रहेगी। याचिकाकर्ता इसलिए नाखुश हैं कि उन्हें हकीकत में राहत नहीं मिली है, सिर्फ कानूनी स्थिति के।

अदालत और भी काफी कुछ कर सकती थी, जैसे प्राइवेसी केस (जस्टिस पुट्टास्वामी) में किया था। एक मौका निकल गया। हो सकता है, मामले की अगली सुनवाई या अगले मामले की सुनवाई पर और ज्यादा कुछ किया जाए। कभी-कभी, कानून निराश कर सकता है।

# जंगल सहेजने की जरूरत

संजय कुमार सिंह

बढ़ती आबादी के लिए जंगल काटना जरूरी है, पर हम कट रहे वन के बराबर पेड़ नहीं लगा पाते हैं। इसके चलते पर्यावरण असंतुलन का असर जगजाहिर है। ऐसे में वनों का जलना रोकना जरूरी है। पर हम इस ओर भी आवश्यक कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। जंगल में आग की खबरें आम हो गई हैं। इसका कारण यही है कि हम कंक्रीट के जंगल में तो आग बुझाने की आवश्यक व्यवस्था करते हैं, पर जंगल को प्रकृति के भरोसे छोड़ दे रहे हैं। जंगल काट कर संतुलन हम बिगाड़ते हैं तो उसे बनाना भी हमारा काम है। अगर हम समझ रहे थे कि प्रकृति उसे संभाल लेगी, तो अब यह स्पष्ट हो चुका है कि ऐसा हो नहीं रहा है। जंगल में आग से पेड़-पौधे ही नष्ट नहीं होते हैं तमाम किस्म के जंगली जानवरों की मौत हो जाती है और जो बच जाते हैं उनके लिए भी रहने का संकट पैदा हो जाता है।

आबादी को जंगल की जरूरत कई कारणों से है, पर जंगल को आदमी की जरूरत नहीं है। पर जंगल में आग रोकने के पर्याप्त उपाय हमारे पास नहीं हैं। जंगल में आग लगने की समस्या किसी एक देश में नहीं है और न ही इसका असर उसी देश में महसूस किया जाता है।

**मुद्दा**

> आज जब ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए कार्बन उत्सर्जन घटाने की बात हो रही है, तो ऑक्सीजन छोड़ने वाले पेड़ों का महत्त्व असंदिग्ध है। दिल्ली में अगर वायु प्रदूषण का कारण पंजाब के खेतों में पराली जलाना है, तो जंगल जलने से निकलने वाले धुंए के नुकसान का अनुमान लगाया जा सकता है।

जंगल में आग की जो घटनाएं हाल के समय में चर्चा में रही हैं उनमें अमेजन के जंगलों के साथ ऑस्ट्रेलिया के जंगल की आग महत्त्वपूर्ण है। हमारे देश में भी जंगलों में आग लगती रहती है। आज आवश्यकता है कि आग लगे ही नहीं और अगर लग जाए तो तुरंत उस पर काबू पाया जा सके। एक बार जंगल में किसी कारण से आग लग जाए तो वह फैलती ही रहती है। खुद नियंत्रित होने का कोई उपाय नहीं है और बाहर से लोगों का नियंत्रित कर पाना काफी मुश्किल है।

जंगल के कुछ हिस्सों से पेड़-पौधे काट कर अगर एक जंगल को कई हिस्से में बांट दिया जाए तो आग लगने पर वह अनिश्चित काल तक नहीं बढ़ती रहेगी और एक हिस्से के खत्म होने के बाद उसका फैलना अपने आप रुक जाएगा। लकड़ी की आवश्यकता पूरी करने के लिए पेड़ कटते ही हैं। अगर पेड़ काटने में इस बात का खयाल रखा जाए कि उन्हें अलग हिस्सों में बांट दिया जाए तो आग बेरोक-टोक नहीं फैल पाएगी। इसके लिए जंगल या पेड़ों के बीच बहुत ज्यादा अंतर बनाने की जरूरत नहीं है, बल्कि जहां थोड़ा-बहुत अंतर है उसे बढ़ा दिया जाए तो कम समय और खर्च में अच्छा असर देखा जा सकता है।

निश्चित रूप से यह काम योजना बना कर करना होगा और इसके लिए पहले शुरुआती तैयारी करनी होगी। अब जब ड्रोन कैमरों से लेकर गूगल मैप जैसी तकनीक उपलब्ध है, तो यह काम काफी आसान हो गया है और पहले के मुकाबले कम समय, खर्च और तैयारी के किया जा सकता है। संबंधित योजना बनाना और तैयारी करना भी पहले के मुकाबले अब काफी आसान है। बेशक इसके लिए भिन्न विभागों और तकनीक के जानकार लोगों को बैठ कर सोचने की जरूरत है। अकले भारत में नियंत्रण की दृष्टि से वनों को सरकारी स्तर पर तीन भाग में बांटा गया है। एक पुराने आंकड़े के अनुसार देश में सुरक्षित वन भौगोलिक क्षेत्र का 24.16 प्रतिशत और रक्षित वन भौगोलिक क्षेत्र का 21.34 प्रतिशत हैं। इसके अलावा अन्य वन हैं। पेड़-पौधे और मौसम के आधार पर भी वनों के कई प्रकार हैं। पर आग लगने से बचाने के लिए इन्हें एक खास तरह से बांटने की जरूरत है और यह काम सभी बंटे हुए वनों में होना चाहिए। जहां जो उपाय असरकारक हो वही किया जाए, पर जरूरी हो तो जरूर किया जाए।

स्वस्थ पर्यावरण और पारिस्थितिकी के संतुलन के लिए किसी भी भू-भाग का एक तिहाई वनों से ढंका रहना चाहिए। भारत में वनाच्छादित क्षेत्र लगभग 748 लाख हेक्टेयर है और यह देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 27.7 प्रतिशत है। यानी औसतन देश में एक तिहाई जंगल नहीं है। भारत जैसे बड़े भू-भाग वाले देश में इसका ज्यादातर असर यहीं महसूस किया जाएगा, पर ऐसा नहीं है कि दुनिया के दूसरे क्षेत्रों में वनों के नुकसान से भारत अछूता रहेगा। यह जानना दिलचस्प है कि म्यांमा में वनाच्छादित क्षेत्र अड़सठ प्रतिशत, जापान में बासठ प्रतिशत, स्वीडेन में साढ़े पचपन प्रतिशत तथा संयुक्त राज्य अमेरिका में तैंतीस प्रतिशत है। भारत में सबसे ज्यादा सतासी प्रतिशत वन अरुणाचल प्रदेश में है, जबकि झारखंड या छोटानागपुर में यह सत्रह प्रतिशत है। राजस्थान में चार प्रतिशत तथा हरियाणा और पंजाब में मात्र दो प्रतिशत क्षेत्र में जंगल हैं।

इधर के दिनों में ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन हाउस गैस, बारिश न होने जैसे कारणों से जंगल में आग के लिए अनुकूल स्थिति बनती है। आग लगने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। जंगल की आग और आग से पैदा होने वाला धुआं तथा अंत में बचने वाली राख उस स्थान की पारिस्थितिकी में बड़ा बदलाव लाते हैं। जंगल नष्ट होने से उन पर निर्भर जीवों की प्रजातियां नष्ट और विलुप्त हो जाती हैं। इस कारण कहीं-कहीं जंगल में आग लगने से जमीन की उर्वरा शक्ति खत्म होना और इस कारण उसका रेगिस्तान बनना संभव है।

ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग का असर ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारियों पर पड़ा। एक क्वालीफायर सांस लेने में तकलीफ के कारण रिटायर हो गई, जबकि मियामी में रहने वाली कनाडा की टेनिस खिलाड़ी यूजीनी बूचर्ड को चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी। मेलबर्न में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब है और नगर प्रशासन ने इसे खतरनाक करार दिया है। इन हालात में साल के पहले ग्रैंडस्लैम के क्वालीफाइंग मुकाबले देर से शुरू हुए। स्लोवेनिया की डालिला जाकुपोविच को स्विटजरलैंड की स्टेफानी वोएजेले के खिलाफ मैच में बार-बार खांसी आने के बाद पीछे हटना पड़ा। मारिया शारापोवा को भी एक नुमाइशी मैच में बार-बार खांसी के कारण छुट्टी लेनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी भीषण आग में जो मारे गए और जो नुकसान हुआ वह अलग है।

ऐसी हालत में सिडनी से आई आग बुझाने से संबंधित एक खबर का यह अंश गौरतलब है, 'ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी भीषण आग को नियंत्रित करने के काम में जुटे दमकल कर्मियों ने बताया कि सोमवार को उस पर काफी हद तक काबू पाया गया। यहां बारिश होने की संभावना है, जिससे उम्मीद की जा सकती है कि जंगल की आग से बरबाद हुए ग्रामीण इलाकों को कुछ राहत जरूर मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग बुझाने के लिए दुनिया भर में प्रार्थना भी की जा रही है।' इससे पता चलता है कि आग बुझाने में लगे दमकलकर्मी वही हैं, जो शहरों-मोहल्लों में यह काम करते हैं। यानी वहां भी जंगल में आग बुझाने वालों की कोई विशेष टीम नहीं है।

आज जब ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए कार्बन उत्सर्जन घटाने की बात हो रही है, तो ऑक्सीजन छोड़ने वाले पेड़ों का महत्त्व असंदिग्ध है। दिल्ली में अगर वायु प्रदूषण का कारण पंजाब के खेतों में पराली जलाना है, तो जंगल जलने से निकलने वाले धुंए के नुकसान का अनुमान लगाया जा सकता है।

# उम्मीद के बरक्स

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

पहले सुनिए मेघना की कहानी। मेघना का जन्म मुंबई के एक फुटपाथ पर हुआ था और कोई आठ साल की थी जब मेरी उससे और उसकी छोटी बहन रज्यलक्ष्मी से मुलाकात हुई। उनकी मां कूड़ा बीना करती थी दिन भर और रात को शराब के नशे में धुत रहा करती थी। होश में जब होती थी तो मुझसे मिन्नतें किया करती थी अपनी बच्चियों को बचाने के लिए। सो, मैंने अपने एक पारसी दोस्त की मदद से दोनों को एक अच्छे प्राईवेट बाल भवन में जगह ढूंढ़ कर दाखिल करवाया। अब मेघना अठारह साल की हो गई है और एक सरकारी हॉस्टल में रहती है। पिछले हफ्ते उसने मुझे फोन करके पूछा कि क्या उसको नौकरी दिलवाने में मदद कर सकती हूं। मैंने जब पूछा कि कैसी नौकरी करना चाहती है, तो उसने कहा, 'मैंने फैशन डिजाइनिंग का कोर्स किया है तो फैशन लाइन में जाना चाहती हूं। किसी बुटीक में क्या नौकरी दिलवा सकती हैं आप?' बहुत दुख के साथ मुझे कहना पड़ा कि मंदी इतनी चल रही है कि नौकरियां ढूंढ़ना बहुत मुश्किल है।

जहां जाती हूं इन दिनों, मुझे मिलते हैं मेघना जैसे युवा भारतीय, जो अक्सर मेरी मदद मांगते हैं नौकरी ढूंढ़ने के लिए। ये नौजवान भारतीय शिक्षित हैं, इनके पास सेलफोन होते हैं और इनका लिबास पश्चिमी होता है। इनके माता-पिता जब इनकी उम्र के थे तो काफी होता था उनके लिए किसी अमीर घर में आया या कुक का काम करना। उनके बच्चों के सपने, उनकी आकांक्षाएं और हैं। इसलिए मुझे आश्चर्य हुआ पिछले सप्ताह, जब दुनिया का सबसे अमीर व्यक्ति भारत आया और उसका स्वागत करने के बदले उसको जलील किया भारत के व्यापार मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के एक अधिकारी ने।

जब अमेजन के मालिक ने कहा कि उनका इरादा है भारत में इस साल एक अरब डॉलर का निवेश करने का, तो पीयूष गोयल ने टीवी पर जवाब दिया कि ऐसा करके जेफ बेजोस कोई 'अहसान' नहीं कर रहा है भारत पर। बेजोस ने अपने देश की प्रशंसा करने की कोशिश की यह कह कर कि उनकी राय में इक्कीसवीं सदी भारत की सदी होगी, तो भाजपा के एक अधिकारी ने ट्वीट करके कहा- 'यह बात आप अपने मुलाजिमों को कहो जो मोदी सरकार के बारे में गलत खबरें छापते रहते हैं।' बेजोस वॉशिंगटन पोस्ट अखबार के भी मालिक हैं। लगता है कि मोदी सरकर आदी हो गई है अपने देश के आला पत्रकारों से अपनी तारीफ सुनने की। और सच यह भी है कि मेरे कई पत्रकार बंधु उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। यही कारण है शायद कि टीवी चर्चाएं ज्यादातर राजनीतिक और राष्ट्रवादी मुद्दों पर होती हैं, आर्थिक मुद्दों पर बहुत कम।

> नरेंद्र मोदी से हम जैसों ने उम्मीद रखी थी कि वह इस तरह की गलत समाजवादी नीतियों को कूड़ेदान में फेंक कर एक नया आर्थिक रास्ता ढूंढ़ेंगे। अब भी वक्त है मोदीजी चल पड़िए उस नए रास्ते पर जिसका सपना आपने दिखाया था।

देश का आर्थिक हाल अब इतना बुरा है कि कुछ अर्थशास्त्री कहने लगे हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था अब आइसीयू में पहुंच गई है। मोदी का एजेंडा दुबारा प्रधानमंत्री बन जाने के बाद ज्यादातर राजनीतिक रहा है, सो बड़े-बड़े कदम उठाए गए हैं राजनीतिक तौर पर। अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया है और नागरिकता कानून में संधोधन ऐसा लाया गया है, जिसने आम नागरिकों को सड़कों पर ला दिया है। विरोध इस संशोधन का शुरू हुआ था विश्वविद्यालयों में और शुरू में शायद सिर्फ इस संशोधन का विरोध था, लेकिन अब अगर ध्यान आकर्षित करने की तकलीफ करेंगे प्रधानमंत्री तो शायद उनको दिखेगा के देश के नौजवान मायूस हैं हर तरह से। इस मायूसी को दूर करने का एक ही रास्ता है और वह है अर्थव्यवस्था को आइसीयू से बाहर निकालना, ताकि बेरोजगारी कम होने लगे। बेजोस ने कहा है कि अमेजन द्वारा वह 2025 तक दस लाख नई नौकरियां पैदा करने का इरादा रखते हैं। ऐसे व्यक्ति को अपमानित करने के बदले बाहें खोल कर स्वागत नहीं करना चाहिए था क्या?

भारत को एक नहीं, हजारों बेजोस की जरूरत है। क्या मोदी भूल गए हैं कि किस तरह देंग श्याओ पिंग ने चीन में जब विदेशी निवेशकों के लिए दरवाजे खोले तभी जाकर उस देश में आधुनिक सड़कें, रेलवे सेवाएं, शहर और बंदरगाहों के निर्माण का काम शुरू हुआ था? एक समय था जब भारत विकास के तौर पर चीन से आगे था। अब चीन हमसे इतना आगे निकल गया है कि अमेरिका से मुकाबला कर रहा है। हम हैं कि नागरिकता जैसे मसलों में उलझ कर यह भी नहीं देख पाए हैं कि बांग्लादेश से अब हमारी सीमाएं पार करके बहुत कम 'घुसपैठिए' आते हैं, इसलिए कि बांग्लादेश भी हमसे आगे निकल गया है रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में और कई अन्य आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में।

सो, प्रधानमंत्रीजी अब जब आपने हिंदुत्व का तकरीबन पूरा एजेंडा दिलवा दिया है देश को अब मेहरबानी करके जरा आर्थिक मसलों को प्राथमिकता देना शुरू कर दें। बहुत कुछ है करने को। घाटे में चल रही जितनी भी सरकारी कंपनियां हैं उनका निजीकरण शुरू करने का काम कीजिए। निजी क्षेत्र में जो बड़ी-बड़ी कंपनियां सरकारी हस्तक्षेप और गलत नीतियों के कारण कंगाल हो रही हैं, उनकी सहायता करने का प्रयास करें। निजी क्षेत्र में रोजगार देने पर जो कानूनी पाबंदियां हैं उनको हटाने का प्रयास करें। और अपने उन अधिकारियों पर लगाम लगाएं, जिनके दिमाग में अब भी लाइसेंस राज जिंदा है।

कड़वा सच यह है कि समाजवाद के नाम पर अपने इस गरीब देश में तरक्की हुई अगर किसी की तो सरकारी अफसरों और राजनेताओं की और उनके कुछ मुट्ठी भर उद्योगपति दोस्तों की। नरेंद्र मोदी से हम जैसों ने उम्मीद रखी थी कि वे इस तरह की गलत समाजवादी नीतियों को कूड़ेदान में फेंक कर एक नया आर्थिक रास्ता ढूंढ़ेंगे। अब भी वक्त है मोदीजी चल पड़िए उस नए रास्ते पर जिसका सपना आपने दिखाया था।

# आइए, जल्लाद जल्लाद खेलें

बाखबर

■ सुधीश पचौरी

एक नामी-गिरामी एंकर उस बेहद ठंडी शाम में शाहीनबाग के शो की गरमी में तपता हुआ कहने लगता है कि ये देखिए! इस वक्त हम क्रांति के 'ग्राउंड जीरो' यानी शाहीनबाग में हैं। जरा देखिए तो कि इस कड़ाके की ठंड में भी शाहीनबाग की औरतें महीने भर से नागरिकता कानून के विरोध में शांतिपूर्ण धरने पर बैठी हुई हैं। उनके साथ उनके छोटे-छोटे दुधमुंहे बच्चे भी हैं।...

शाहीनबाग चैनलों के लिए एक नया जंतर मंतर बन चला है। वह विरोध का नया प्रतीक-स्थल है। वहां हर रोज हर चैनल धोक लगाता है।

अंग्रेजी में गिट-पिट करने वाली रिपोर्टरों के लिए शाहीनबाग की औरतों का धरना किसी क्रांति से कम नहीं।

कई चैनल अपने रिपोर्टरों से शाहीनबाग को लाइव कवर कराते हैं और वे बैठी हुई औरतों की हिम्मत पर मुग्ध होकर उनकी विरोधमुद्रा का गुणानुवाद करने में लगे रहते हैं।

कैमरे आते हैं तो भीड़ बढ़ती है। भीड़ बढ़ती है तो रिपोर्टर उमंग से भर जाते हैं और अतिरंजनापूर्ण भाषा में धरने की तारीफ करते रहते हैं। जब कैमरे चले जाते हैं, तो भीड़ें भी छंट जाती हैं।

यह धरना आम रास्ते वाली सड़क को रोक रहा है। एक महीने से अधिक हो गया, मुख्य सड़क का ट्रैफिक बंद है। नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। लेकिन इस परेशानी की कोई बात नहीं करता!

एक बार पुलिस उनको हटाने की कोशिशें करती है, लेकिन धरने वाले फिर सारी सड़क घेर लेते हैं। जाहिर है कि यह उतना स्वतःस्फूर्त नहीं, जितना बताया जाता है। यह पूरी तरह संगठित आंदोलन लगता है।

एक शाम मणिशंकर जी इस धरने में औरतों के साहस का अभिनंदन करते हुए किसी मुकम्मल 'शेर' की जगह एक लंगड़ा-सा 'शेर' मार देते हैं कि :

'देखते हैं किसका हाथ मजबूत है!
हमारा या उस कातिल का!!'

इस लंगड़े शेर को सुनते ही रिपोर्टर हिल जाते हैं और पूछने लग जाते हैं कि शेर में यह 'कातिल' कौन है?

एक एंकर 'कातिल कौन है' को लेकर देर तक बहस कराता नजर आता है और दूसरे चैनल में एक पैनिलस्ट कहता है कि यह भी फैज का शेर है!

हाय! न रदीफ लगा, न कहीं काफिए का होश, न कहीं तान न कोई तुक और भक्त ने उसे फैज के नाम कर दिया! भइए, जब इतना किया था तो इस शेर का अता-पता भी दे दिए होते!

> कई चैनल अपने रिपोर्टरों से शाहीनबाग को लाइव कवर कराते हैं और वे बैठी हुई औरतों की हिम्मत पर मुग्ध होकर उनकी विरोधमुद्रा का गुणानुवाद करने में लगे रहते हैं।

लेकिन विघ्नसंतोषियों को चैन कहां?

जल्द ही वे शाहीनबाग जैसी क्रांतिकारी 'नई साइट' की धज बिगाड़ने में जुट गए।

एक चैनल बताता है कि ऐसा आरोप है कि शाहीनबाग का 'प्रोटेस्ट' एक 'पेड प्रोटेस्ट' है। धरने में बैठने वाली हर औरत को रोज के पांच सौ, सात सौ रुपए मिल रहे हैं। यहां सब कुछ है। बिरयानी भी है। चाय-नाश्ता भी है। ये सब क्या यों ही हो गया है?

एक शाम एक अंग्रेजी रिपोर्टर दिल्ली की जामा मस्जिद की सीढ़ियों पर ही विरोध बनाने और बताने में 'बिजी' हो जाती है।

दृश्य में तो सीढ़ियों पर मुट्ठी भर लोग ही नजर आते हैं, लेकिन वह उसे बड़े प्रदर्शन की तरह दिखाए जा रही है। उसने 'बोलने वाली जनता' भी अपने पास तैयार खड़ी कर रखी है।

नागरिकता कानून विरोधी आंदोलन जितना अपने आप बना, उससे अधिक चैनलों के कैमरों ने बनाया। कैमरे न दिखाएं तो आंदोलन एक दिन में ढेर हो जाए- प्रदर्शनों से उकताया हुआ एक पैनलिस्ट एक चर्चा में कह उठता है!

बात सच नजर आती है। भीड़ कैमरों में दिखने के लिए आती है। कभी खबर न बना सकने वाले आदमी को टीवी कैमरे 'खबर बनाने वाला' बनाते हैं। इसीलिए आदमी कैमरों के लिए आता है।

कैमरे हटा दीजिए, फिर देखिए कि किसी आंदोलन के लिए कितने लोग टिकते हैं!

एक शाम कुछ चैनल तुर्कमान गेट को नए शाहीनबाग की तरह बनाने-बताने लगते हैं, लेकिन कैमरों के हटते ही नया शाहीनबाग बिखरता हुआ नजर आता है!

जबसे जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एक डीएसपी को दो आतंकवादियों के साथ पकड़ा है, तबसे 'सुरक्षा' भी विवाद में फंस गई है। सवाल पूछा जाने लगता है कि इतने दिन तक सुरक्षा का इंतजाम देखने वाला बंदा अभी क्यों पकड़ा गया? इसका जवाब अभी आना है!

शुक्रवार की सुबह शाहीनबाग की कहानी को फांसी की फौरी मांग की कहानी ने 'टेकओवर' कर लिया!

एक एंकर एक एक्टिविस्ट के सुर में सुर मिला के कहे जा रही थी : लीजिए अब बाईस जनवरी को फांसी नहीं होगी! एक की दया याचिका ने फांसी को फिर टलवाया!

अगर हमारे कुछ एंकरों और रिपोर्टरों का बस चले तो खुद ही उनको लटका दें! मर्सी पिटीशन उनके ठेंगे से?

एक रिपोर्टर ने जल्लाद से कुछ इस तरह से बात की मानो जल्लाद न हो, कोई आर्टिस्ट हो कि फांसी की तैयारी करते वक्त आपको कैसा लगता है? बताइए, जल्लाद क्या कहे?

सभी चैनल जल्लाद जल्लाद खेलते दिखते हैं!

नई दिल्ली

www.readwhere.com

# राजनीति में खेल भावना जरूरी है

**कांग्रेस नेता कीर्ति झा आजाद का कहना है कि शीला दीक्षित की पंद्रह साल की दिल्ली आज भी विकास का मॉडल है। अण्णा आंदोलन की पैदाइश आम आदमी पार्टी ने अपने झूठे वादों और छल-प्रपंच से जनता को गुमराह कर कांग्रेस की छवि खराब की। जिस टूजी घोटाले पर इतना हल्ला मचा, अदालत में वह साबित नहीं हो पाया। आजाद ने कहा कि बिजली, पानी से लेकर अनियमित कॉलोनियों पर जो काम हमने शुरू किया, केजरीवाल उसे अपना बता कर जनता के सामने परोस रहे हैं। बातचीत कार्यक्रम का संचालन किया कार्यकारी संपादक मुकेश भारद्वाज ने।**

बारादरी की बैठक में कीर्ति झा आजाद

सभी फोटो : अरुष चोपड़ा

**मनोज मिश्र : विधानसभा चुनाव से ठीक पहले, लंबे समय तक भाजपा में रहने के बाद, अब आपके सामने कांग्रेस को चुनाव जिताने की चुनौती है। इसे कैसे ले रहे हैं?**

**कीर्ति आजाद :** मुझे चुनौतियां अच्छी लगती हैं। चुनौतियों के बिना जीवन का कोई अर्थ नहीं है। लंबे समय तक मैं खिलाड़ी रहा। मेरे पिताजी खुद स्वतंत्रता सेनानी थे और बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनकी शिक्षा थी कि बचाव का सबसे बढ़िया तरीका है आक्रमण। मैं सदा इसमें विश्वास करता हूं। मुझे आदरणीय सोनिया जी ने एक मौका दिया है। छह महीने आए हुए हुए हैं मुझे कांग्रेस में और प्रचार समिति का उन्होंने अध्यक्ष बनाया है। इस कार्य में पूरे तरीके से लगा हुआ हूं। मेरा यही विचार है कि हार और जीत सिक्के के दो पहलू हैं। हार कर हताश होकर कोई बैठ जाए तो वह कभी जीत नहीं सकता है। इसलिए जो दायित्व मुझे मिला है, उसे निभाने का पूरा प्रयास है।

**अजय पांडेय : दिल्ली में कांग्रेस का मुख्यमंत्री का उम्मीदवार कौन है?**

● इसका जवाब देने के लिए मैं नहीं हूं। इसका जवाब तो केंद्रीय नेतृत्व ही दे सकता है। मगर हमारे पास कई ऐसे काबिल और वरिष्ठ नेता हैं, जो इसके योग्य हैं।

**मृणाल वल्लरी : नागरिकता संशोधन विधेयक को लेकर दिल्ली और पूरे देश में प्रदर्शन हो रहे हैं। मगर केजरीवाल सरकार इस पर चुप्पी साधे हुए है। क्या इस चुप्पी को कांग्रेस जनता के सामने ले जाएगी? कांग्रेस का क्या कदम होगा?**

● कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि सीएए, एनपीआर और एनआरसी का हम समर्थन नहीं करते। जहां-जहां हमारी सरकारें हैं, वहां हमने मना कर दिया है। दिल्ली में भी हमारी सरकार आएगी तो यहां हम मना करेंगे। अगर हम अपने देश के संविधान की मूल भावना को देखें तो एनआरसी और एनपीआर उसके खिलाफ है। संयुक्त राष्ट्र का शरणार्थियों से संबंधित दस्तावेज देखें तो उसमें लिखा है कि जो लोग अपने देश में प्रताड़ित हुए हैं और कहीं शरण लेना चाहते हैं, तो ले सकते हैं। उसमें कहीं नहीं लिखा है कि कोई इस्लामिक स्टेट का है, तो उसे नागरिकता नहीं दी जा सकती। क्या भारत हिंदू देश है? अगर हिंदू राष्ट्र है, तो मत दीजिए। अगर कोई व्यक्ति यहां प्रताड़ित होकर आता है, तो उसे नकार नहीं सकते। क्या अहमदिया मुसलमान बांग्लादेश और पाकिस्तान में नहीं रहते? क्या उन्हें प्रताड़ना नहीं मिलती? क्या अफगानिस्तान के बलोच मुसलमानों पर प्रताड़ना नहीं होती? क्या वे यहां आएंगे, तो उन्हें शरण नहीं देंगे। हमारी परंपरा रही है कि जितने लोग हमारे देश में शरणागत हुए हैं, उन्हें हमने शरण दी है। पर्सिया से, जो अब ईरान है, जब लोग आते थे, तब उन्हें भी हमने स्थान दिया। भारत एक ऐसा देश है, जहां जितने भी धर्म और पंथ हैं, उन्हें बराबर का सम्मान दिया है। मगर पिछले छह सालों में जबसे एनडीए की सरकार आई है, वह सिर्फ जोड़तोड़ की राजनीति में लगी हुई है, उसे इसकी फिक्र क्यों होगी। और आम आदमी पार्टी, जो आंदोलन से निकल कर आई थी, वह जब अपने गुरु अण्णा हजारे की नहीं हो सकी, तो वह सीएए और एनआरसी एनपीआर पर चुप्पी साधे हुई है, तो ज्यादा हैरान होने की बात नहीं। ये लोग केवल वोट की राजनीति करना चाहते हैं।

**निर्भय कुमार पांडेय : दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस के पास क्या मुद्दे हैं?**

● पंद्रह साल कांग्रेस वाली दिल्ली, खुशहाल दिल्ली, कांग्रेस के पंद्रह साल, विकास हुए बेमिसाल। आप तुलना कीजिए न! अभी जो यह झुनझुना इन्होंने पकड़ाया अगस्त में। साढ़े चार साल तक तो ये रोते रहे कि हमें एलजी और प्रधानमंत्री काम नहीं करने दे रहे। ऐसा क्या हुआ कि पिछले चार महीनों में आपको काम करने दिया और आप फ्री बांट रहे हैं। वह भी आपकी नोटिफिकेशन इकतीस मार्च तक है। उसके बाद उस फ्री का क्या होगा। आपने सिर्फ जुमले छोड़े? इसका फायदा भी कितने लोगों को मिल रहा है? केवल बीस फीसद लोगों को मिल रहा है। हम जब आए थे, तब दिल्ली में केवल सात से आठ घंटे बिजली मिला करती थी। हमने उसका निजीकरण किया और व्यवस्था दुरुस्त की। बिजली की पचास फीसद चोरी रोकी। इसका मतलब पांच हजार करोड़ का सीधे फायदा दिल्ली को दिया। अब चौबीस घंटे दिल्ली को बिजली मिलती है। वह व्यवस्था हमने तैयार की थी। इसी तरह पानी की व्यवस्था भी दुरुस्त की। मगर दुर्भाग्यवश इन लोगों के झूठे प्रपंच के माध्यम से शीला जी हार गईं। वरना इन्होंने दो सौ यूनिट किया है, हम छह सौ यूनिट करते। हम इसे करेंगे, जिससे सत्तर फीसद लोगों को सीधा फायदा मिलेगा। पेंशन पांच हजार रुपए करेंगे। हमने पांच हजार सात सौ इकहत्तर किलोमीटर सड़कें बनाईं, आम आदमी पार्टी ने शून्य बनाया। हमने अठहत्तर फ्लाई ओवर बनाए, आम आदमी पार्टी ने शून्य बनाए। हमने उनतीस अस्पताल खोले, इन्होंने शून्य। हमने नौ विश्वविद्यालय खोले, इन्होंने शून्य। इस तह जब आप कामों की तुलना करेंगे, तो देखें कि पंद्रह साल में हमने क्या काम किया। जो काम हम करके गए थे, उसके फीते ये काट रहे हैं। यह सब लोगों को बताना हमारा दायित्व है।

**पंकज रोहिला : कच्ची कॉलोनियों को पक्का करना कांग्रेस का बड़ा लक्ष्य था, जो कभी पूरा नहीं हो पाया। अब वह काम पूरा हुआ है। इसे आप कैसे देखते हैं?**

● यह भी झूठ है। जब हमने एलजी से बात करके 2013 में चिट्ठी निकलवाई थी, तो उसमें कहा गया था कि इन कॉलोनियों का नक्शा बनाना शुरू करें। इसमें कौन-कौन लाभार्थी हैं उनके कागज देख कर उन्हें मालिकाना हक दिया जाए। यह बात 2013 की है। मगर फिर हम हार गए। अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी। अगर ये लोग तब यह काम कर देते, तो अच्छा रहता। अभी जो हुआ है, उसमें तमाम खामियां हैं। इन्होंने नक्शे नहीं बनाए। दो एजंसियों को इस काम में लगाया और उन दोनों एजंसियों के टेंडर खारिज हो गए। साढ़े चार साल इन्होंने कुछ नहीं किया और जब छह महीने रह गए, तो चिल्लाना शुरू किया। फिर मोदी जी ने सबको नियमित कर दिया। विधेयक था, उसे कानून बना दिया। मगर उसमें इन्होंने एक धारा रखी है- 7ए। यह धारा हमारे समय में नहीं थी। इस धारा में यह है कि जो जंगल और खेती की जमीन है, यमुना पुश्ते की जमीन है, पीडब्लूडी की जमीन है, पुरातत्त्व विभाग की जमीन है, जहां हाइटेंशन वायर जाते हैं, वहां मालिकाना हक नहीं मिलेगा। इस तरह सत्रह सौ इकतीस में से नौ सौ सत्तावन कॉलोनियां ऐसी हैं, जो इन क्षेत्रों में आती हैं। बाकी बचीं सात सौ चौंतीस कॉलोनियां। वैसे देखा जाए, तो इन सत्रह सौ में से किसी को मालिकाना हक मिल ही नहीं सकता, क्योंकि इसमें लिखा है-सिर्फ रिहाइशी। मगर आप देखें तो इन कॉलोनियों में ऊपर घर और नीचे दुकानें हैं। उन्हें इस कानून के तहत मालिकाना हक मिल ही नहीं सकता, क्योंकि सबको अपना भूउपयोग बदलवाना होगा। ये सारी जगहें सील होंगी। तो, यह केवल एक दिखावा है। दुर्भाग्य है कि चुनाव आने के समय यह फैसला इन्होंने किया है। अगर यह काम इन्होंने पहले कर लिया होता, तो आज जो प्रवासियों पर गाज गिर रही है, वह न गिरती। ये प्रवासी देश के सभी हिस्सों से आए हैं। भूउपयोग न बदलने से न जाने कितने लोगों पर गाज गिरेगी।

**मुकेश भारद्वाज : आप खिलाड़ी रहे हैं और जानते हैं कि टीम में कप्तान की भूमिका अहम होती है। यहां कप्तान केजरीवाल हैं। भाजपा में मनोज तिवारी हैं। आपके पास सुभाष चोपड़ा हैं। क्या सोच कर आपने उन्हें पार्टी की अगुआई सौंपी है?**

● वे बड़े वरिष्ठ हैं। तीन बार सांसद रहे हुए हैं। निगम परिषद में भी रहे हैं। जब वे अध्यक्ष थे और उनके समय में 2002 में निगम के चुनाव हुए तो एक सौ बत्तीस में से एक सौ आठ सीटें हमने जीती थीं। उनका योगदान तो है, उनका अनुभव है। उनका होश है और हमारा जोश है, मिल कर काम करेंगे।

**सूर्यनाथ सिंह : तो, वे खुद चुनाव क्यों नहीं लड़ रहे?**

● यह तो उनका बड़प्पन है कि वे चुनाव नहीं लड़ना चाहते।

**दीपक रस्तोगी : इस चुनाव में आम आदमी पार्टी और भाजपा आक्रामक तरीके से चुनाव प्रचार में जुट गई हैं, मगर कांग्रेस अब भी संगठन को दुरुस्त करने में लगी हुई है। ऐसे कैसे चुनाव में कामयाबी मिलेगी।**

● चुनाव प्रचार जो नजर आता है, सड़कों, रेडियो, टेलीविजन पर वह पंद्रह से बीस फीसद लोगों तक पहुंचता है। दिल्ली की सत्रह सौ कॉलोनियों में एक करोड़ सात लाख लोग रहते हैं। उनसे सीधे मिलने, पैंफ्लेट्स के साथ संपर्क करने, एक-एक से सामने बात करने, उन्हें समझाने से जो असर पड़ता है, उतना दूसरी चीजों से नहीं पड़ता। अरविंद केजरीवाल जो दिखा रहे हैं, उसे सिर्फ कुछ लोग समझते हैं। फिर जो वे कह रहे हैं, वह वास्तविकता से काफी दूर है। आपने सड़कें देखी हैं? पानी और बिजली का फायदा कितने लोगों को मिल रहा है? केवल साढ़े पांच फीसद लोगों को पानी का सीधा कनेक्शन मिला है। यह आरटीआइ से निकला आंकड़ा है। बिजली से केवल बीस फीसद लोगों को फायदा हो रहा है। मोहल्ला क्लिनिक इन्होंने हजार बनाने की बात की थी, पर एक सौ नवासी बने हैं। कोई आधारभूत संरचना नहीं खड़ा किया। गरीब लोग समझते हैं कि उसे दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त मिल रही है, मगर वे यह नहीं समझते कि जब हम छोड़ कर गए थे तब बिजली की कीमत क्या थी और अब क्या है। इन्होंने सौदा किया था दरों को लेकर।

**मृणाल वल्लरी : यहां पूर्वांचलियों को इस तरह समेट दिया गया है कि वे सिर्फ मतदाता के रूप में रहते हैं। वे राजनीतिक दबाव समूह नहीं बन पाते, इसे आप कैसे देखते हैं?**

● यहां पर सब कुछ संगठित करना होगा। यहां अधिकतर लोग सुबह काम पर निकलते हैं और रात को वापस लौटते हैं, दैनिक मजदूरी करते हैं। उन सबको संगठित करना होगा। जो असंगठित क्षेत्र में हैं, उन्हें इसके बारे में अधिक मालूम नहीं है। इसके कारण जो दबाव बनना चाहिए वह दबाव नहीं बन पाता। हमने पूर्वांचल क्रांति संघ के माध्यम से यह किया था। हमने कहा था कि जब सबका अपना संगठन हो सकता है, तो पूर्वांचलियों का क्यों नहीं हो सकता। अब स्थिति यह है कि यहां के लोग, जो पहले छठ पूजा का मजाक बनाते थे, वही खड़े होकर छठ पूजा करवाते हैं, इसलिए कि उन्हें वोट की दरकार है।

**सूर्यनाथ सिंह : इस चुनाव में कांग्रेस को भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों की कमियों को बताना है, पर अभी तक लोग नहीं भूले हैं कि शीला जी ने दिल्ली को सिंगापुर और शंघाई बनाने, यमुना को टेम्स बनाने का जो सपना दिखाया था, वह पूरा नहीं हुआ। फिर भ्रष्टाचार के भी कई आरोप हैं। इससे कैसे पार पाएंगे?**

**पंद्रह साल कांग्रेस वाली दिल्ली, खुशहाल दिल्ली, कांग्रेस के पंद्रह साल, विकास हुए बेमिसाल। आप तुलना कीजिए न! अभी जो यह झुनझुना इन्होंने पकड़ाया अगस्त में। साढ़े चार साल तक तो ये रोते रहे कि हमें एलजी और प्रधानमंत्री काम नहीं करने दे रहे। ऐसा क्या हुआ कि पिछले चार महीनों में आपको काम करने दिया और आप फ्री बांट रहे हैं। वह भी आपकी नोटिफिकेशन इकतीस मार्च तक है। उसके बाद उस फ्री का क्या होगा।**

● किसी काम में भ्रष्टाचार को लेकर शीला जी की सरकार पर कोई मामला दर्ज नहीं है। खेलगांव मामले में सुरेश कलमाड़ी जेल गए, तो वे खेल संघ के अध्यक्ष थे। कलमाड़ी का शीला दीक्षित सरकार से कोई लेना-देना नहीं था। वे भारतीय ओलंपिक संघ के तीस साल से अध्यक्ष थे। उन पर भी आज तक यह साबित नहीं हुआ कि उन्होंने घोटाला किया था। जैसे टूजी में कनिमोझी और ए. राजा जेल गए, पर फैसला आया, तो कहा गया कि उसमें एक पैसे का घोटाला नहीं हुआ। इसी तरह कोयला घोटाले में सब बरी हो गए। अभी धारणा बनाने की राजनीति चल रही है। यह झूठ का प्रचार हमारे देश को बर्बाद कर रहा है। खासकर हमारे नौजवानों को ये लोग दिग्भ्रमित कर रहे हैं।

**मुकेश भारद्वाज : आप दिल्ली में अपनी सरकार बनती देख रहे हैं, पर आपकी पार्टी का आंतरिक सर्वेक्षण बताता है कि शायद कोई एक सीट आ जाए। फिर भी आप आशान्वित हैं, तो लोग क्यों आपको चुनें?**

● किसी भी सरकार को चुनने के लिए उसके काम को देखा जाता है। आम आदमी पार्टी ने जो-जो देने का वादा किया, वह कुछ नहीं किया। हमने पंद्रह सालों में खोखले वादे नहीं किए। हमारे किए हुए काम हैं। लोग इसकी तुलना करेंगे।

**मृणाल वल्लरी : अभी दिल्ली में जो छात्र आंदोलन चल रहे हैं, उनके केंद्र में वाम संगठन हैं, लेकिन जाहिर है कि विधानसभा चुनाव में वाम बड़ी शक्ति नहीं है। इस आंदोलन को अपनी तरफ मोड़ने के लिए आप क्या करेंगे?**

● हमें इसके लिए कुछ करने की कोई जरूरत नहीं। सबसे पहली बात तो यह है कि कोई वामपंथी हो या दामपंथी हो, सबको अपने विचार रखने की आजादी है। विद्यार्थियों के ऊपर इस तरह लाठी बरसाना उचित नहीं है।

**प्रस्तुतिः सूर्यनाथ सिंह / मृणाल वल्लरी**

## जनसत्ता बारादरी

### कीर्ति झा आजाद

**क्रिकेट के साथ राजनीति के मैदान में भी सफल पारी खेलने वाले कीर्तिवर्धन भागवत झा आजाद मौजूदा समय में दिल्ली कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री भागवत झा आजाद के बेटे कीर्ति आजाद का जन्म 2 जनवरी, 1959 को बिहार के पूर्णिया में हुआ था। स्नातक तक पढ़ाई दिल्ली से की। कीर्ति आजाद 1983 में क्रिकेट विश्व कप विजेता भारत की टीम में शामिल थे। अपने राजनीतिक करिअर की शुरुआत में ही 2014 में भाजपा के टिकट पर दरभंगा से पहला चुनाव लड़ा और संसद तक पहुंचे। 18 फरवरी, 2018 को इन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। सामाजिक कल्याण संगठन से भी जुड़े हैं। राजनीति के गलियारों में बिहार की सांस्कृतिक पहचान और अपनी बेबाक आवाज के लिए जाने जाते हैं।**

## किताबें मिलीं

### महाबली

अकबर और तुलसीदास भारतीय इतिहास के दो समकालीन पात्र हैं, जिन्हें अपनी कल्पना के केंद्र में रख कर असगर वजाहत ने इस नाटक को रचा है। इतिहास में इसका कोई प्रमाण नहीं है कि कभी तुलसीदास और अकबर की भेंट हुई थी। लेकिन राजसत्ता और कला के पारस्परिक संबंधों पर विस्तृत चर्चा करने के लिए यह आवश्यक था कि दोनों की भेंट कराई जाए। सपने या कल्पना में तुलसीदास और अकबर एक-दूसरे से मिलते हैं। यह नाटक का अंतिम दृश्य है। इस दृश्य में ही राजसत्ता और कला के संबंधों की जटिलताओं को सामने रखा गया है।

नाटक के सभी प्रमुख पात्र बहुत जाने-पहचाने पात्र हैं। तुलसीदास भक्ति, समर्पण, भावनात्मकता, विद्वत्ता और कल्पना के धनी थे। राम के प्रति उनका समर्पण अद्वितीय था। उनका अभिनय करने वाले पात्र को लगातार कल्पना और यथार्थ के बीच आवाजाही करनी होगी। एक ओर तुलसी भक्ति और समर्पण के अथाह सागर में डूब जाते हैं, तो दूसरी ओर बड़ी सतर्कता से विसंगतियों का संयोजन करते हैं। वे अपने काम को बिना किसी बाधा के पूरा करने के लिए दुष्टों तक की स्तुति करते हैं, पर दुष्ट तुलसीदास का विरोध जारी रखते हैं। अत्यधिक विरोध होने और जान पर खतरा हो जाने के बाद भी उनकी प्रतिबद्धता, भक्ति और बल में कोई कमी नहीं आती। पुस्तकों से अधिक वह सामान्य ज्ञान पर विश्वास करता था। उसक व्यक्तित्व प्रतिभा और जिज्ञासा से भरा हुआ था। वह अपने को महाबली कहलाना पसंद करता था। 'महाबली' नाम का यही आधार है। लेकिन नाटक के अंत तक आते-आते यह विवाद का विषय बन जाता है कि महाबली कौन है। अकबर महाबली है या तुलसीदास। नाटक इस प्रश्न का उत्तर भी देता है।

*महाबली : असगर वजाहत; राजपाल एंड संज, 1590, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली; 215 रुपए।*

### दक्षिणायन

दक्षिणायन की पांच कहानियों में प्रचंड प्रवीर द्वारा राशिचक्र की उन राशियों के अधीन कहानियां लिखी गई हैं, जिन पर उत्तरायण में नहीं लिखा गया था। 'उत्तरायण' और 'दक्षिणायन' में राशिचक्र का यह द्वि-भाजन सूर्य द्वारा राशिचक्र में किए गए परिभ्रमण के अनुसार होता है और इस प्रकार ये दो शीर्षक 'राशिचक्र में सूर्य' पर नजर रखते हैं जबकि कहानियों के शीर्षक अधिकतर 'राशिचक्र में चंद्र' पर। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि अगर हम उदाहरण के लिए दक्षिणायन की पहली कहानी कर्क लेते हैं तो उसके पात्र पुष्य और अश्लेषा उन नक्षत्रों के नाम हैं, जिनमें चंद्रमा की मौजूदगी के समय किसी का जन्म होने से भारतीय ज्योतिष के अनुसार उसकी राशि कर्क कही जाएगी। चंद्रमा पूरे राशिचक्र (के 27 नक्षत्रों) की यात्रा लगभग तीस दिन में और सूर्य यही यात्रा एक वर्ष में पूरी करता है।

इस प्रकार भारतीय ज्योतिष के अनुसार एक तनाव इन दो खंडों के शीर्षकों और कहानियों के शीर्षकों में है, क्योंकि कहानियां राशियों के अनुसार हैं, जो राशिचक्र के चांद परिभ्रमण के अनुसार निर्धारित होती हैं, जबकि खंड राशिचक्र के सौर परिभ्रमण के अनुसार विभाजित है। पर यह तनाव केवल दो ग्रहों द्वारा राशिचक्र के अलग-अलग परिभ्रमण-समयों का नहीं है, इसका एक आध्यात्मिक संदर्भ भी है। इस तरफ ध्यान जाने से ये दोनों खंड जीव की पारलौकिक गतियों को समेटने का भी प्रयास करते लगते हैं।

*दक्षिणायन : प्रचंड प्रवीर; नित्य प्रकाशन, डी 44, ज्योति मार्ग, बापू नगर, जयपुर; 275 रुपए।*

### जो पब्लिक चाहती है

शिक्षा और राजनीति वर्तमान जीवन के महत्त्वपूर्ण विषय हैं। देश का जीवन इनसे प्रभावित है। इनमें सुधार की आवाज बार-बार उठाई जाती है। प्रयास और प्रयोग निरंतर होते रहते हैं, लेकिन प्रगति नहीं दीखती। जनतंत्र को महत्त्व दिया गया, मगर किसी ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि यह तो भेड़ियाधसान है। नहीं तो तालियां बजा कर सरकार गिराने की प्रथा हमारे देश में नहीं थी। यही वह देश है, जिसका दिमाग तालियों में बसता है। बड़ी उम्मीद थी कि पब्लिक जो करेगी अपनी भलाई के लिए करेगी। लेकिन हर भलाई में मलाई मिल गई। पहले मलाई चाट लो फिर भलाई देखी जाएगी। महिलाओं और मर्दों की भीड़ देख लीजिए। रसगुल्ले की दुकान पर भीड़ लगी है। कुछ लोग बांट रहे हैं और कुछ लोग बांटने का भरोसा दे रहे हैं। भोला जनतंत्र भरोसे की रस्सी पकड़े कुएं में लटका हुआ है। रस्सी टूट गई या छूट गई जो 'जन गण मन विधायक जय हो' होते देर नहीं लगेगी। ये पुलिस वाले बेचारे क्या करें? पब्लिक को सुधारते-सुधारते उनके लाखों डंडे टूट गए। डंडे से भी मजबूत पब्लिक की पीठ होती है।

देवता लोग चकित हैं कि पब्लिक को कैसे समझाया जाय जिससे यह देश सुधर जाय। उस दीमक की दवा अपनी कलम से खोजने का प्रयास लेखक ने 'जो पब्लिक चाहती है' में किया है।

*जो पब्लिक चाहती है : रमाशंकर श्रीवास्तव; एजुकेशनल बुक सर्विस, एन-3/25ए, डीके रोड, मोहन गार्डन, उत्तर नगर, नई दिल्ली; 400 रुपए।*

**नई दिल्ली**

www.readwhere.com

# आरएसएस का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं : भागवत

मुरादाबाद (उप्र), 18 जनवरी (भाषा)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि उनके संगठन का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और वह देश के नैतिक, सांस्कृतिक और मानव मूल्यों के उत्थान के लिए काम करता है। आरएसएस प्रमुख, स्वयंसेवकों के चार दिवसीय कार्यक्रम के सिलसिले में यहां आए हुए हैं।

यहां एक मैदान में कार्यक्रम के समापन पर एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए भागवत (69) ने कहा कि जीवन के सभी क्षेत्रों के लोग इस संगठन का हिस्सा हैं जबकि कुछ लोग राजनीतिक पार्टियां भी चलाते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव से हमारा कोई मतलब नहीं है। हम पिछले 60 सालों से देश के मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि आरएसएस भाजपा को रिमोट कंट्रोल से चला रही है और कहा कि यह संगठन सभी 130 करोड़ भारतीयों के लिए काम कर रहा है।

संघ प्रमुख ने कहा कि किसी को भी स्वयंसेवक कहा जा सकता है, बशर्ते उसकी विचारधारा राष्ट्रीय एकता की होनी चाहिए, भले वह आरएसएस की शाखा में नहीं आता हो। उन्होंने कहा कि कई शीर्ष स्तर के बुद्धिजीवी एवं समाज सुधारक हैं जो हमारे साथी नहीं हैं लेकिन उनकी विचारधारा हमसे मिलती है। यह हमारी सफलता है। सत्ता की भूमिका की चर्चा करते हुए भागवत ने कहा कि यदि कोई अपनी विचारधारा फैलाना चाहता है तो सत्ता हासिल करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने सदैव बुद्धिमता और आध्यात्मिकता के साथ सत्ता की वकालत की। इसलिए सदैव सशक्त, समृद्ध और स्वस्थ बनने की कोशिश कीजिए। उन्होंने दावा किया कि रूस, चीन, अमेरिका शक्तिशाली देश हैं जो समस्याएं खड़ी कर रहे हैं लेकिन अमेरिका अपनी गरिमा गंवा रहा है। भागवत ने कहा कि जब आरएसएस 1925 में बना था तब उसके साथ बहुत कम लोग थे लेकिन राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपनी सतत निष्ठा के चलते देशभर में 1.3 लाख शाखाओं के साथ एक बहुत बड़ा संगठन बन गया है। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय हिंदू हैं' क्योंकि उन सभी के पूर्वज हिंदू थे। उन्होंने कहा कि कई देशों ने 'विविधता से एकता' के नारे दिए हैं लेकिन भारत में यह 'एकता से विविधता है।' आरएसएस प्रमुख ने संशोधित नागरिकता कानून और राष्ट्रीय नागरिक पंजी पर कोई टिप्पणी नहीं की।

## ईडी ने यूपी के पूर्व मंत्री की पांच करोड़ की संपत्ति कुर्क की

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन के एक मामले में उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री रंगनाथ मिश्रा की पांच करोड़ रुपए कीमत की संपत्ति कुर्क की है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, धन शोधन निषेध कानून (पीएमएलए) के तहत आदेश जारी कर इलाहाबाद में टैगोर टाउन के जॉर्ज टाउन एक्सटेंक्शन में मंत्री की आवासीय भूमि को कुर्की करने को कहा गया है।

संपत्ति की कीमत बाजार में पांच करोड़ रुपए आंकी गई है। ईडी की यह जांच आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के मामले से जुड़ी हुई है। ईडी ने एक बयान में कहा, 'रंगनाथ मिश्रा ने 2010 अपने और अपने परिवार के नाम पर यह संपत्ति ली थी।' मिश्रा 2007-2011 तक माध्यमिक शिक्षा और आवास मंत्री थे।

## सोनिया गांधी की तरह हत्यारों को माफ करें निर्भया की मां : जयसिंह

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने निर्भया की मां से आग्रह किया है कि वे कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की तरह उदाहरण पेश करते हुए उन चार दोषियों को माफ कर दें जिन्हें 2012 में उनकी पुत्री से बलात्कार एवं हत्या के लिए फांसी की सजा सुनाई गई है। चारों दोषियों को सामूहिक बलात्कार एवं हत्या के मामले में एक फरवरी को सुबह छह बजे फांसी दिया जाना तय किया गया है।

जयसिंह ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा कि वह निर्भया की मां की पीड़ा को पूरी तरह से समझती हैं लेकिन वे उनसे 'सोनिया गांधी की तरह का उदाहरण पेश करने का आग्रह करती हैं जिन्होंने नलिनी को माफ कर दिया था और कहा था कि वह उसके लिए फांसी की सजा नहीं चाहतीं।' जयसिंह ने कहा, 'हम आपके साथ हैं लेकिन मौत की सजा के खिलाफ हैं।' पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या मामले में नलिनी श्रीहरण को फांसी की सजा सुनाई गई थी। सोनिया गांधी के हस्तक्षेप के बाद उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया गया था। सोनिया गांधी ने इस आधार पर दया का आग्रह किया था कि उसकी एक पुत्री है जिसका जन्म जेल में हुआ था।

उधर, कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि इस तरह के अपराधों में दोषियों को माफी देने या नहीं देने पर पीड़िता के परिवार के विचारों के कोई कानूनी मायने नहीं हैं क्योंकि ऐसे अपराध व्यवस्था के खिलाफ होते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और विकास सिंह ने कहा कि किसी आपराधिक मामले में दोषियों को माफी देने या उससे इनकार करने के पीड़िता के परिवार के सदस्यों के विचार अदालत में स्वीकार्य नहीं होते। द्विवेदी ने कहा, 'नहीं, नहीं। उनके (परिवार के लोगों के विचार) असल में कोई मायने नहीं रखते और अदालतों को कानून के मुताबिक चलना होता है।'

## पूर्वी दिल्ली : अबोध बच्ची के दोनों बलात्कारी दोषी करार

पेज 1 का बाकी

न्याय मिल गया। उन्होंने कहा कि सुनवाई दो साल में पूरी हो जानी चाहिए थी।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने भी देरी को लेकर ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी व्यवस्था करनी होगी कि ऐसे मामले में छह महीने में न्याय मिल सके ताकि बेटी बहनों के साथ हो रही हैवानियत की मानसिकता खत्म हो सके।

इस मामले दोनों अभियुक्तों को दिल्ली के बाहर से गिरफ्तार किया गया था। दोषी करार दिए गए मनोज शाह और प्रदीप पीड़ित बच्ची के पड़ोसी थे। अभियोजन के मुताबिक आरोपपत्र उसी साल 24 मई को दायर किया गया था और अदालत ने 11 जुलाई को आरोप तय किए थे। इसके बाद पॉक्सो अदालत में 57 गवाहों का बयान दर्ज करने की कार्यवाही शुरू हुई जिसमें पांच साल से भी ज्यादा का समय लग गया। इस मामले की सुनवाई पूरी होने में इसलिए भी समय लगा क्योंकि प्रदीप ने खुद को नाबालिग साबित करने की कोशिश की थी। साथ ही उसने मामले को लंबा खींचने की कोशिश की थी। आखिर में अदालत ने ग्शनिवार को फैसला सुनाते हुए दोहों अभियुक्तों को दोषी करार दिया।

## डीएसपी देविंदर मामले में एनआइए ने शुरू की जांच

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

राष्ट्रीय जांच एजंसी (एनआइए) ने तीन आतंकवादियों को घाटी से बाहर ले जाने के दौरान गिरफ्तार किए गए जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मामले की जांच शुरू कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय से आदेश मिलने के बाद एनआइए ने इस संबंध में मामला दर्ज किया।

पुलिस उपाधीक्षक पद पर तैनात देविंदर सिंह को दो आतंकियों - हिज्बुल मुजाहिदीन के स्वयंभू जिला कमांडर नवीद बाबू, आतिफ और उनकी मदद करने वाले वकील इरफान मीर के साथ गिरफ्तार किया गया था।

## जयसिंह को शर्म आनी चाहिए, माफी मांगें : निर्भया के पिता

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

निर्भया के पिता ने शनिवार को कहा कि वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह को इस सुझाव के लिए शर्म आनी चाहिए कि उनकी बेटी से सामूहिक बलात्कार मामले में मौत की सजा पाए चारों दोषियों को माफ कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके परिवार का इतना 'बड़ा दिल' नहीं है जितना कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का है। उन्होंने जयसिंह से माफी मांगने के लिए भी कहा जो फांसी की सजा के खिलाफ अपने रुख के लिए जानी जाती हैं।

निर्भया के पिता ने कहा कि यह गलत संदेश है। वे (इंदिरा जयसिंह) खुद औरत हैं। उन्हें अपने बयानों के लिए शर्मिंदा होना चाहिए और निर्भया की मां से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सात साल से इस मामले को लड़ रहे हैं। हम आम आदमी हैं न कि नेता। हमारा दिल सोनिया गांधी जी जितना बड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की मानसिकता ही बलात्कार की बढ़ती घटनाओं के लिए जिम्मेदार है। निर्भया के पिता ने कहा कि उनकी पत्नी के भी इसी तरह के विचार हैं।

उन्होंने कहा कि अदालत में उन्होंने जयसिंह को देखा था लेकिन कभी उनसे बात नहीं की। उन्होंने कहा कि जयसिंह को इस तरह का बयान देने की जरूरत नहीं थी क्योंकि मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

## बीएसएफ नियुक्ति परीक्षा में धांधली : दिल्ली-एनसीआर में सीबीआइ छापे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 18 जनवरी।

सीबीआइ ने बीएसएफ कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान ओएमआर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में कथित धांधली के संबंध में दिल्ली, गाजियाबाद और गुरुग्राम में छापे मारे। अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद छापे मारे गए। सीबीआइ ने गाजियाबाद के मुरादनगर के निवासी रवि कुमार और नई दिल्ली के पड़पड़गंज औद्योगिक क्षेत्र के सीएस डाटामेशन रिसर्च सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अलावा कई अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

## सीएए पूरी तरह केंद्रीय सूची का विषय : आरिफ

जयपुर, 18 जनवरी (भाषा)।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को कहा कि संशोधित नागरिकता अधिनियम पूरी तरह से केंद्रीय सूची का विषय है और सभी राज्यों को इसे लागू करना ही पड़ेगा। एक कार्यक्रम में खान से जब राज्य सरकारों द्वारा सीएए का विरोध किए जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'सीएए खालिस और खालिस केंद्रीय सूची का विषय है, ये राज्य सूची का विषय नहीं है। हम सभी को अपने अधिकार क्षेत्र को पहचानने की जरूरत है।'

यह पूछे जाने पर कि क्या विरोध कर रही राज्य सरकारें इसे लागू करेंगी, उन्होंने कहा, 'इसके अलावा कोई चारा नहीं है, उन्हें लागू करना ही पड़ेगा।' उन्होंने कहा, 'लोग किसी भी विषय पर अपनी अपनी राय रखते हैं, उसका स्वागत है। बस एक बात का ध्यान रखना चाहिए, हमें अपनी राय देने का अधिकार है, अपनी राय पर अड़े रहने का अधिकार है, अपनी बात के लिए विरोध करने का भी अधिकार है लेकिन यह अधिकार नहीं है कि हम कानून की सीमाएं तोड़ें।' उन्होंने कहा, 'किसी मुद्दे पर मतभेद होने पर बौद्धिक शक्ति का प्रयोग करके आप उस पर तर्क दे सकते हैं, यह अधिकार हर किसी को है।'

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जाकर उसको चुनौती देने का अधिकार है।' खान ने कहा कि सीएए जैसे मुद्दे का विरोध पहली बार नहीं हो रहा। इससे पहले भी जब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले को पलटा था तो बहुत विरोध हुआ था। उसके बाद भी बड़े आंदोलन हुए।

उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा ज्ञान की परंपरा है जिसे पुनर्जीवित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमारा शोषण कोई तभी कर सकता है जब हम खुद इसके लिए तैयार हों। ऐसा एक ही स्थिति में होता है, वह है अज्ञान की स्थिति। उसका हर कोई फायदा उठा सकता है।' उन्होंने कहा, 'मैं तो जोर देता हूं कि हमें खुद अपनी परंपरा याद रखनी चाहिए। हम समझ रहे हैं कि अशिक्षा, दरिद्रता, अज्ञान जैसे ये हिंदुस्तान का प्रतीक (हॉलमार्क) है। नहीं, ये नहीं है हिंदुस्तान का हॉलमार्क। हिंदुस्तान का हॉलमार्क है ज्ञान। उसको पुनर्जीवित करिए।'

## सावरकर एक सोच थे, जिनकी प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं होगी : फडणवीस

मुंबई, 18 जनवरी (भाषा)।

महाराष्ट्र भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर महज कोई 'व्यक्ति नहीं, बल्कि एक सोच' थे, जिनकी प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं होगी। इससे पहले युवा सेना के अध्यक्ष और राज्य के कैबिनेट मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा था कि किसी को भी अतीत के पन्ने नहीं पलटना चाहिए। आदित्य शिवसेना सांसद संजय राउत के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि जो लोग सावरकर को भारत रत्न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं, उन्हें अंडमान की सेल्युलर जेल में दो दिन गुजारने के लिए भेजा जाना चाहिए, जहां स्वतंत्रता सेनानी को कारावास के दौरान रखा गया था।

## कहीं बर्फबारी, कहीं शीतलहर जारी

पेज 1 का बाकी

गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पंजाब के लुधियाना में न्यूनतम तापमान 8.3, पटियाला में 8.2 डिग्री, आदमपुर में 8.2, हलवारा में 5.8, बठिंडा में 5.4, फरीदकोट में चार डिग्री और गुरदासपुर में 7.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हरियाणा के हिसार में न्यूनतम तापमान 4.1, अंबाला में 6.9, करनाल में 8.6, नारनौल में 6.5, रोहतक में 6.8, भिवानी में 6.2 और सिरसा में 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चंडीगढ़ में रात में तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से अधिक है। अधिकारी ने बताया कि सुबह में पंजाब और हरियाणा के कई जगह घना कोहरा छाए रहने से दृश्यता कम हो गई।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में शनिवार को ताजा बर्फबारी से राज्य के मनाली, कुफरी और डलहौजी में न्यूनतम तापमान जमावबिंदु के पास पहुंचने से पर्यटकों को कंपकंपाती ठंड का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि पहाड़ी राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक मनमोहन सिंह ने कहा कि प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे किन्नौर के कल्पा में पिछले 24 घंटों में 24.4 सेमी बर्फबारी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि डलहौजी में चार मिमी बारिश, मनाली में दो मिमी और चंबा में एक मिमी बारिश दर्ज की गई। जनजातीय जिले लाहौल-स्पीति के प्रशासनिक केंद्र केलांग शून्य से 9.2 डिग्री सेल्सियस कम तापमान के साथ राज्य का सबसे ठंडा स्थान रहा।

इस बीच, राजस्थान के पश्चिमी हिस्से विशेषकर गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू और सीकर में अब भी अच्छी खासी सर्दी पड़ रही है। हालांकि बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान बढ़ा है। मौसम विभाग का कहना है कि गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू, बीकानेर, सीकर और अलवर में आने वाले चौबीस घंटे भी सर्दी रहेगी और इन जिलों के साथ साथ पूर्वी तथा पश्चिमी राजस्थान के कई अन्य भागों में भी घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है

## सीएए लागू करने से राज्य मना नहीं कर सकते : सिब्बल

पेज 1 का बाकी

है। वरिष्ठ वकील और नेता ने कहा कि जब राज्य यह कहते हैं कि वह सीएए को लागू नहीं करेंगे तो उनका क्या मंतव्य होता है और वह ऐसा कैसे करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्यों का कहना है कि वे राज्य के अधिकारियों को भारत संघ के साथ सहयोग नहीं करने देंगे।

उन्होंने कहा, 'एनआरसी, एनपीआर पर आधारित है और एनपीआर को स्थानीय रजिस्ट्रार लागू करेंगे। अब गणना जिस समुदाय में होनी है वहां से स्थानीय रजिस्ट्रार नियुक्त किए जाने हैं और वे राज्य स्तर के अधिकारी होंगे।' सिब्बल ने कहा कि व्यावहारिक तौर पर ऐसा कैसे संभव है, यह उन्हें नहीं पता लेकिन संवैधानिक रूप से किसी राज्य सरकार द्वारा यह कहना बहुत कठिन है कि वह संसद द्वारा पारित कानून लागू नहीं करेगी। सीएए के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन को 'नेता' और 'भारत के लोगों' के बीच लड़ाई करार देते हुए 71 वर्षीय नेता ने कहा कि भगवान का शुक्र है कि देश के 'छात्र, गरीब और मध्य वर्ग' आंदोलन को आगे ले जा रहे हैं।

## दिग्गजों और 'आप' से आए चेहरों को टिकट

पेज 1 का बाकी

बनाया है। वहीं, 'आप' से बगावत कर कांग्रेस में शामिल हुईं अलका लांबा को चांदनी चौक विधानसभा सीट से मैदान में उतारा गया है।

भाजपा छोड़ दोबारा कांग्रेस में शामिल हुईं वरिष्ठ नेता कृष्णा तीरथ को पटेल नगर (सुरक्षित) सीट से उम्मीदवार बनाया। सुभाष चोपड़ा की बेटी शिवानी चोपड़ा (कालकाजी), प्रचार समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद की पत्नी पूनम आजाद झा (संगम विहार) और योगानंद शात्री की बेटी प्रियंका सिंह (आरकेपुरम) को भी टिकट मिला है।पार्टी ने बड़ी संख्या में नए और युवा उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। हालांकि, कांग्रेस ने भी भाजपा की तरह नई दिल्ली सीट से अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

इस सीट से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर पहले दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित चुनाव लड़ती थीं। साल 2015 विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल ने उन्हें मात दी थी। अरविंदर सिंह लवली को गांधी नगर, हारुन यूसुफ को बल्लीमारन और डॉ. एके वालिया को कृष्णा नगर से उम्मीदवार बनाया गया है।

## जम्मू में नहीं उतर सका केंद्रीय मंत्रियों का विमान

पेज 1 का बाकी

मौसम का सामना करना पड़ा। खराब मौसम के कारण केंद्रीय मंत्रियों का विमान जम्मू में नहीं उतर सका। इस वजह से उन्हें श्रीनगर उतरना पड़ा। इन मंत्रियों में डॉ. जितेंद्र सिंह, अश्विनी चौबे और अर्जुन राम मेघवाल शामिल हैं। तय कार्यक्रम के मुताबिक, सभी मंत्रियों को जनता से सीधे संवाद स्थापित करना है। इस दौरान वे लोगों की समस्याएं भी सुनेंगे।

अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने और जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद मंत्रियों की टीम को पहली बार वहां भेजा गया है। लोगों से संवाद के दौरान केंद्रीय मंत्री मौके पर ही समस्याओं के निस्तारण के निर्देश जारी करेंगे। कश्मीर में श्रीनगर, बारामुला और सोपोर में मंत्रियों के कार्यक्रम होंगे। दौरे का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समाधान करने के साथ ही विकास कार्यों में तेजी लाना और प्रधानमंत्री विकास पैकेज के कार्यों को गति देना है।

मंत्रियों के दौरे से एक दिन पहले उप राज्यपाल जीसी मुर्मू ने शहर के विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। तय कार्यक्रम के तहत 18 जनवरी को अर्जुन राम मेघवाल- सांबा जिले के खड़ामड़ाना परमंडल, डॉ. जितेंद्र सिंह- जम्मू कन्वेंशन सेंटर व अश्विनी चौबे- सांबा के छजवाल में रहेंगे। 19 जनवरी को स्मृति ईरानी- कटरा, डॉ. महेंद्र नाथ पांडे- जम्मू के शाइनिंग स्टार सभागार झज्जर कोटली, अर्जुन राम मेघवाल- कठुआ के बसोहली म्युनिसिपल कम्यूनिटी हाल, वी मुरलीधरन-कठुआ के बिलावर डाक बंगला, अनुराग सिंह ठाकुर- जम्मू के नगरोटा गर्ल्स एचएसएस, डॉ. जितेंद्र सिंह-उधमपुर के सुभाष स्टेडियम, पीयूष गोयल-जम्मू के अखनूर एचएसएस और अश्विनी चौबे का सांबा के घग्वाल में कार्यक्रम होगा। 20 जनवरी को आरके सिंह-डोडा के घाट, प्रताप सारंगी-कठुआ के एचएसएस रामकोट, देवश्री चौधरी-जम्मू के एचएसएस मढ़, किरण रिजिजू- जम्मू के सुचेतगढ़ में रहेंगे। जनरल वीके सिंह, कैलाश चौधरी, गजेंद्र सिंह शेखावत, किशन पाल सिंह, अर्जुन मुंडा, हरदीप सिंह पुरी, रेणुका सिंह, अंगदी सुरेश, सोम प्रकाश, रवि शंकर प्रसाद का जम्मू संभाग में कार्यक्रम है। 23 और 24 जनवरी को प्रह्लाद जोशी, श्रीपद नायक, साध्वी निरंजन ज्योति, फग्गन सिंह, रामेश्वर तेली, गिरिराज सिंह, रवि शंकर प्रसाद, रमेश पोखरियाल निशंक का कश्मीर में कार्यक्रम होना है।

## जेईई परीक्षा में दिल्ली का निशांत अग्रवाल अव्वल

पेज 1 का बाकी

दिल्ली अथवा मुंबई स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से पढ़ाई करने का है। निशांत ने बताया, '100 परसेंटाइल पाना बहुत अच्छा लगता है।' निशांत के भाई प्रणव ने कहा, 'एडवांस परीक्षा एवं बोर्ड परीक्षा में भी ऐसे परिणाम की उम्मीद है। कल रात, हमने एक दूसरे को बधाई दी और पढ़ाई करने में जुट गए।' इस परीक्षा का परिणाम मानव संसाधन विकास मंत्रालय के नेशनल टेस्टिग एजंसी ने शुक्रवार की रात घोषित की। पूरे देश में नौ ऐसे छात्र हैं जिन्होंने इस परीक्षा में 100 परसेंटाइल हासिल किया है। इस परीक्षा में कुल आठ लाख 69 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे।

## लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी बनाए गए उपसेना प्रमुख

पेज 1 का बाकी

हैं। इसके अलावा सेना मुख्यालय में इंफेंट्री डिवीजन के ब्रिगेड मेजर, जीएसओ 1 (ऑपरेशंस) और डायरेक्टर मिलिट्री ऑपरेशंस के पदों पर भी काम कर चुके हैं।

## पार्क सर्कस में जारी प्रदर्शन में शामिल हुए चिदंबरम

कोलकाता, 18 जनवरी (जनसत्ता)।

कोलकाता के पार्क सर्कस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम सीएए के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में शामिल हुए और वहां मौजूद लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी पार्टी उनके साथ है।

चिदंबरम शुक्रवार देर शाम पार्क सर्कस मैदान में पहुंचे थे, जब वह पार्टी संबंधी काम के सिलसिले में शहर में थे। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें केंद्र की भाजपा नीत सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए घेर लिया।

## नियंत्रण रेखा पर पाक ने की गोलाबारी

पेज 1 का बाकी

अग्रिम चौकियों पर गोलाबारी कर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक, सीमा पार से पुंछ के मेंढर सेक्टर और राजौरी के नौशेरा सेक्टर में दोपहर को गोलाबारी शुरू हुई, जिसके बाद भारतीय सेना की ओर से इसका माकूल जवाब दिया गया।

पाकिस्तानी फौज की ओर से मोर्टार के गोले दागे गए और स्नाइपर राइफलों से गोलियां दागी गईं। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा किए गए संघर्षविराम उल्लंघन में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। नौशेरा के लाम क्षेत्र में पाकिस्तानी फौजियों ने छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार दागे जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

मेंढर में गोलाबारी इतनी ज्यादा थी कि क्षेत्र के स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। पाकिस्तानी सेना ने मेंढर सेक्टर में करीब 45 मिनट तक मोर्टार दागे। दोपहर करीब डेढ़ बजे पाकिस्तानी सेना ने गोले दागने शुरू कर दिए, जिससे पूरे क्षेत्र में डर का माहौल बन गया। राजौरी के नौशेरा में दोपहर पौने दो बजे पाकिस्तान की ओर से गोलाबारी शुरू हुई, जो शाम चार बजे तक जारी रही। दोनों जगहों पर भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई के बाद गोलाबारी थमी।

## कश्मीर में प्री-पेड मोबाइल सेवा शुरू

पेज 1 का बाकी

जाएंगी। इसके साथ ही जम्मू के सभी 10 जिलों में पोस्टपेड पर इंटरनेट सेवा भी बहाल कर दी गई है। रोहित कंसल ने कहा कि सभी मोबाइल कंपनियों को लिखित निर्देश दे दिए गए हैं। हालांकि, अभी बडगाम, गंदेरबल, बारामूला, श्रीनगर, कुलगाम, अनंतनाग, शोपियां और पुलवामा में इंटरनेट सेवा बंद रहेगी।

जम्मू कश्मीर में दूरसंचार सेवा पांच अगस्त को उस वक्त बंद कर दी गई थी, जब केंद्र ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान निरस्त कर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। रोहित कंसल ने कहा कि आदेश तत्काल प्रभाव से शनिवार से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रीपेड मोबाइल सेवा कार्ड पर मोबाइल इंटरनेट सुविधा प्रदान करने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को उपभोक्ताओं की जानकारी की पुष्टि करनी होगी। रोहित कंसल ने कहा कि टू जी मोबाइल सेवा पर उपभोक्ता 153 वाइट लिस्ट वेबसाइटों का इस्तेमाल कर सकते हैं। जो कंपनियां साफ्टवेयर या आईटी में काम करती है, उन्हें फिक्स्ड लाइन इंटरनेट सेवा उपलब्ध करवाई जाएगी, ताकि उपभोक्ता फायदा उठा सकें। कंपनियों को गृह विभाग के आदेश का पालन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गृह विभाग ने जम्मू-कश्मीर में स्थिति की समीक्षा करते हुए राज्य प्रशासन से मोबाइल इंटरनेट सेवा शुरू करने को कहा था।

इस आदेश के बाद ही प्रशासन ने पहले चरण में मकर संक्रांति के दिन जम्मू के पांच जिलों में 2-जी स्पीड के साथ पोस्टपेड मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल की थी। उपभोक्ता इस सेवा के जरिए केवल बैंकिग आदि सेवाओं का लाभ ही उठा पा रहे हैं। मोबाइल कंपनियों को यह सख्त हिदायत दी गई है कि सेवा शुरू होने पर जम्मू-कश्मीर के उपभोक्ता मोबाइल पर किसी भी तरह की सोशल मीडिया साइट्स न खोल पाएं।

## कश्मीर पर पाकिस्तान ने दिखाई कमजोरी : पाक मंत्री

लाहौर, 18 जनवरी (भाषा)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के विश्वस्त सहयोगी और प्रभावशाली मंत्री ने शनिवार को कहा कि कश्मीर मसले पर पाक ने 'कमजोरी' प्रदर्शित की है। उन्होंने अपनी ही सरकार के उस दावे का खंडन किया कि इसने इस मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करने में 'सफलता' पाई है। पाकिस्तान सरकार के रेल मंत्री शेख राशिद ने कहा कि सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ सरकार कश्मीर के लोगों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए देश में पांच फरवरी तक रैली आयोजित करेगी। राशिद ने संवाददाताओं को बताया कि मुझे लगता है कि कश्मीर मसले पर अबतक हमने कमजोरी ही दिखाई है। मैंने इस संबंध में कैबिनेट बैठकों में बात की है।

मंत्री का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के उस बयान के कुछ दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कश्मीर के लोगों के प्रति पाकिस्तान के समर्थन को दोहराया था। खान ने गुरुवार को ट्वीट किया था, 'जम्मू कश्मीर का विवाद निश्चित तौर पर प्रासंगिक सुरक्षा परिषद प्रस्ताव तथा कश्मीरी अवाम की इच्छा के अनुसार सुलझाया जाना चाहिए । कश्मीरी लोगों का हम लगातार नैतिक, राजनीतिक और राजनयिक समर्थन करते रहेंगे...।' शुक्रवार को खान ने कश्मीर की स्थिति पर बैठक की अध्यक्षता की थी, इस बैठक में सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा, आइएसआइ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल फैयाज हमदी, विदेश सचिव सोहैल महमूदी और सेना तथा सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में हर साल पांच फरवरी को कश्मीर के लोगों के प्रति एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए आयोजित किए जाने वाले कश्मीर दिवस की तैयारियों पर चर्चा हुई। इस साल का कश्मीर दिवस अधिक महत्त्वपूर्ण है क्योंकि भारत सरकार की ओर से पिछले साल पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष दर्जा वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शाषित क्षेत्रों में बांटने के निर्णय के बाद पहली बार पाकिस्तान में यह दिवस मनाया जाएगा।

केंद्र सरकार के इस निर्णय का पाकिस्तान ने कड़ा विरोध किया था जबकि भारत सरकार ने यह कह कर इसका बचाव किया कि विशेष दर्जा से जम्मू कश्मीर में केवल आतंकवाद को ही बढ़ावा मिला है। इससे पहले दिसंबर में मंत्री राशिद ने ऐतिहासिक करतारपुर गलियारे के बारे में कहा था कि यह पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल बाजवा के दिमाग की उपज है। बड़बोले मंत्री के रूप में प्रसिद्ध राशिद ने कहा था कि यह गलियारा भारत को हमेशा तकलीफ देता रहेगा।



www.readwhere.com

## खबर कोना

बगदाद में शनिवार को इराकी विदेश मंत्री मोहम्मद अल्हाकिम (बाएं) जॉर्डन के अपने समकक्ष से हाथ मिलाते हुए।

### श्रीलंका में ईस्टर हमलों के बाद ड्रोन पर लगी पाबंदी हटी

कोलंबो, 18 जनवरी (एपी)।

श्रीलंका में ईस्टर रविवार के हमलों के बाद ड्रोन पर लगाया गया प्रतिबंध हटा दिया गया है। इन हमलों में 263 लोग मारे गए थे। मीडिया संस्थानों, वेडिंग वीडियोग्राफरों, फोटोग्राफरों और वाणिज्यिक विज्ञापन कंपनियों से ड्रोन उड़ाने की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रतिबंध हटाया गया है। हालांकि, प्रतिबंधित हवाई क्षेत्रों में ड्रोन का संचालन बंद रहेगा। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर शनिवार को कहा कि सभी ड्रोन ऑपरेटरों को ड्रोन उड़ाने के लिए रक्षा मंत्रालय से मंजूरी लेनी होगी।राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे के निर्देश पर प्रतिबंध हटा दिया गया है।

### बुर्किना फासो में बम फटने से छह सैनिकों की मौत

आउगादोयगु, 18 जनवरी (एएफपी)।

बुर्किना फासो के उत्तरी प्रांत में सड़क के किनारे पड़े बम की चपेट में आने से एक वाहन में सवार छह सैनिकों की मौत हो गई। रक्षा सूत्रों ने बताया कि अभी तक इस विस्फोट की जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली है लेकिन इस तरह के हमलों के पीछे यहां अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट समूहों का हाथ माना जाता है। सेना ने एक बयान में बताया कि सैनिक सौउम प्रांत में वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में गश्त कर रहे थे और उसी दौरान एक देसी बम में विस्फोट से छह सैनिकों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस घटना के बाद क्षेत्र में सैन्य दल गश्त करने लगे हैं।

# हिमस्खलन में लापता सात लोगों में चार कोरियाई

काठमांडो, 18 जनवरी (एएफपी)।

नेपाल के अन्नपूर्णा क्षेत्र में हुए हिस्खलन में चार दक्षिण कोरियाई नागरिकों सहित कम से कम सात लोग लापता हो गए हैं और इन प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लगभग 200 लोगों सुरक्षित निकाल लिया गया है। खोज अभियान के लिए दक्षिणी कोरिया एक आपातकालीन सहायता समूह को नेपाल भेजेगा।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार को हुई बर्फबारी के कारण हिमालय श्रेणी की सबसे ऊंची चोटियों में से एक अन्नपूर्णा के आधार शिविर के पास यह हादसा हुआ। आधार शिविर करीब 3,230 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। लापता हुए लोगों में से छह पर्वतारोहण समूह का हिस्सा थे जबकि एक नेपाली व्यक्ति किसी और समूह का हिस्सा था।

नेपाल के पर्यटन विभाग की मीरा आचार्य ने बताया, 'हादसे के चार दक्षिण कोरियाई और तीन नेपाली नागरिकों से संपर्क टूट गया है। उनके बचाव के लिए तलाश जारी है।' मौसम में थोड़ा सुधार होने के बाद हेलिकॉप्टरों के माध्यम से हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के पर्वतारोहण मार्गों में फंसे लगभग 200 लोगों को बचा लिया गया है।

पर्वतारोहण आयोजन में सहायक जंगबोगो टूर नेपाल के संदेश पांडेय ने बताया लापता हुए चारों कोरियाई नागरिक दक्षिण कोरिया से आए 11 लोगों के समूह का हिस्सा थे। पांडेय ने कहा, 'बर्फबारी के बाद वे सभी नीचे आ रहे थे। समूह के शेष पांच सुरक्षित रूप से नीचे आ रहे हैं। अन्य दो ट्रेक पर नहीं गए थे।'

अन्नपूर्णा में हिमस्खलन होना आम बात है और तकनीकी तौर पर इस चोटी पर चढ़ाई करना सबसे मुश्किल है। यहां तक कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी एवरेस्ट के मुकाबले इस पर चढ़ाई करने वालों के मरने की संख्या बहुत ज्यादा है।

दक्षिण कोरिया के शिक्षा विभाग ने बताया कि हादसे में लापता हुए चारों नागरिक वॉलेंटियर शिक्षक थे और नेपाल में बच्चों को पढ़ा रहे थे। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि लापता हुए लोगों के परिजन को सूचित कर दिया गया है। जल्दी ही एक आपात टीम नेपाल भेजा जाएगी।

**विरोध** सोल में शनिवार को अमेरिकी दूतावास के पास रैली निकालते युद्ध विरोधी कार्यकर्ता।

# इराक में सरकार विरोधी प्रदर्शन में दो लोगों की मौत

बगदाद, 18 जनवरी (एपी)।

इराक की राजधानी बगदाद में सरकार के विरोध में सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प में दो प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। कई सप्ताह तक प्रदर्शन बंद रहने के बाद विरोध की यह ताजा घटना है।

कार्यकर्ताओं और अधिकारियों ने बताया कि दंगारोधी बल ने प्रदर्शनकारियों को भगाने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और तेज आवाज पैदा वाला बम फेंका। प्रदर्शनकारी सिनाक पुल पर थे और वे सीमेंट की दीवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। इस सीमेंट वाली दीवार को सुरक्षा बलों ने बनाया था।

तीन कार्यकर्ताओं और एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 घायल हो गए।

अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि प्रदर्शनकारी बड़े बदलाव, नया नेतृत्व और समय से पूर्व चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

बगदाद हवाई अड्डे के बाहर अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरान के शीर्ष जनरल की मौत के बाद ईरान और अमेरिका के बीच तनाव काफी बढ़ गया था जिसके बाद ये प्रदर्शन रुक गए थे लेकिन कुछ समय की शांति के बाद प्रदर्शन फिर से शुरू हो गया।

### ट्रंप ने ईरानी नेता को दी नसीहत

वाशिंगटन, 18 जनवरी (एएफपी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई को शुक्रवार को संभल कर बात करने की नसीहत दी। ईरान की राजधानी तेहरान में खामनेई की टिप्पणी के बाद ट्रंप ने ट्वीट किया, 'ईरान के तथाकथित सर्वोच्च नेता जो अब उतने सर्वोच्च नहीं रह गए हैं, को अमेरिका और यूरोप के बारे में कुछ खराब बातें कहनी है।'

दरअसल खामनेई ने अपने भाषण में अमेरिका को 'बुरा' और ब्रिटेन, फ्रांस तथा जर्मनी को 'अमेरिका का प्यादा' बताते हुए ट्रंप पर हमला बोला था। ट्रंप ने ट्वीट किया, 'उनकी अर्थव्यवस्था चरमरा रही है और उनकी जनता परेशान है। उन्हें बोलते वक्त सावधानी बरतनी चाहिए।'

# बारिश ने पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में जंगलों में लगी आग बुझाई

सिडनी,18 जनवरी (एफपी)।

बारिश और आंधी तूफान ने पूर्वी आस्ट्रेलिया के जंगलों में लंबे समय से लगी आग को काफी हद तक बुझा दिया है लेकिन इससे कुछ क्षेत्रों में बाढ़ आने की आशंका पैदा हो गई है।

देश के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व के क्षेत्रों के जंगलों में भीषण आग का प्रकोप जारी है क्योंकि यहां अब तक बारिश नहीं हुई है। इसमें दक्षिणी तट के कंगारू द्वीप पर स्थित वन्यजीव-बहुल वन भी शामिल हैं। संकट की मार झेलने वाले देश के सबसे अधिक आबादी वाले न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की दमकल सेवा ने कहा कि 75 जगहों पर शनिवार को भी आग जलती रही, जबकि कुछ दिन पहले तक यह संख्या 100 से अधिक थी।

राज्य की ग्रामीण दमकल सेवा ने कहा, 'आग वाली जगहों पर बारिश लगातार हो रही है। बारिश और तापमान कम होने से बनी अनुकूल स्थिति शेष स्थानों पर लगी आग को नियंत्रित करने के प्रयासों में मदद दे रही है।'

# 'मुशर्रफ के आत्मसमर्पण के बाद ही न्यायालय उनकी अर्जी सुनेगा'

इस्लामाबाद, 18 जनवरी (भाषा)।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने विशेष पंचाट द्वारा दोषी करार दिए जाने और सजा सुनाए जाने के खिलाफ, स्वनिर्वासन में रह रहे पूर्व शासक परवेज मुशर्रफ की याचिका वापस करते हुए कहा कि उन्हें कानून के समक्ष समर्पण किए बगैर अपील करने की अनुमति नहीं है। एक खबर के अनुसार, 74 साल के पूर्व राष्ट्रपति ने देशद्रोह के मामले में उन्हें सुनाई गई मौत की सजा को चुनौती दी थी। फिलहाल मुशर्रफ दुबई में हैं।

मुशर्रफ के वकील बैरिस्टर सलमान सफदर ने शीर्ष अदालत को 90 पन्ने की याचिका सौंपी। अर्जी में उन्होंने विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया है।

अखबार के अनुसार, शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार कार्यालय ने शुक्रवार को यह कहते हुए अपील ठुकरा दी कि यह मान्य कानून है कि दोषी को अपील दायर करने से पहले अदालत के समक्ष समर्पण करना चाहिए।

# बीआरआइ को गति देने के लिए चीन-म्यांमा में हुए 33 समझौते

नेपीता (म्यांमा), 18 जनवरी (भाषा)।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और म्यांमा की नेता आंग सान सू ची के बीच यहां हुई मुलाकात के बाद चीन और म्यांमा के बीच शनिवार को 33 आधारभूत परियोजनाओं के समझौतों पर हस्ताक्षर हुए।

रोहिंग्या मुसलमानों के साथ बुरे बर्ताव को लेकर कई पश्चिमी देशों की आलोचना मोल लेने वाले म्यांमा के समर्थन में चीन खड़ा हुआ है। शी की दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन उनसे मुलाकात के दौरान सू ची ने रोहिंग्या मुद्दे को लेकर म्यांमा की आलोचना करने वाले पश्चिमी देशों को आड़े हाथों लिया।

शी और सू ची ने 33 समझौतों पर हस्ताक्षर किए जिनमें राजनीति, व्यापार, निवेश, लोगों से लोगों के स्तर पर संपर्क, बेल्ट और रोड पहल (बीआरआइ) से जुड़ी परियोजनाओं से जुड़े समझौते शामिल हैं। बीआरआइ चीन के नए व्यापार मार्ग को रेखांकित करता है जिसे 21वीं सदी का रेशम मार्ग करार दिया जाता है।

# ट्रंप के बचाव दल में शामिल हुए केन स्टार और वकील देरशोविज

वाशिंगटन, 18 जनवरी (एएफपी)।

बिल क्लिंटन महाभियोग मामले को लेकर 1990 के दशक में चर्चा में रहे केन स्टार और देश के सबसे बड़े सेलिब्रेटी वकील एलन देरशोविज सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ चलने वाली महाभियोग की कार्रवाई में उनका बचाव करेंगे। प्रशासन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

हालांकि उन्होंने पूरी टीम का खुलासा नहीं किया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि इस टीम का नेतृत्व वाइट हाउस के वकील पैट सिपलोन करेंगे और इसमें ट्रंप के निजी वकील जे सेकुलोव उनका पूरा साथ देंगे। वाइट हाउस ने शुक्रवार की शाम एक बयान में कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ गलत नहीं किया है और उन्हें पूरा विश्वास है कि यह टीम उनका और इस आधारहीन और गैरकानूनी महाभियोग से हमारे लोकतंत्र का बचाव करेगी।'

# सावरकर का विरोध कर रहे लोगों को अंडमान में समय गुजारना चाहिए : राउत

मुंबई, 18 जनवरी (भाषा)।

शिवसेना सेना संजय राउत ने शनिवार को कहा कि जो लोग हिंदूवादी विचारक वी डी सावरकर को भारत रत्न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं उन्हें अंडमान की सेल्युलर जेल में दो दिन गुजारने के लिए भेजा जाना चाहिए, जहां स्वतंत्रता सेनानी को कारावास के दौरान रखा गया था। राउत के इस बयान से वैचारिक रूप से भिन्न कांग्रेस और राकांपा के साथ महाराष्ट्र में सत्ता में साझेदारी कर रही उनकी पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कांग्रेस सावरकर को देश का शीर्ष नागरिक सम्मान दिए जाने के विरूद्ध है जबकि दक्षिणपंथी दल उन्हें बड़े सम्मान की नजर से देखते हैं।

राउत ने कहा, 'सावरकर के विरोधियों को ब्रिटिश शासन के दौरान उन्हें हुई कठिनाइयों को समझने के लिए (पिछली) अंडमान सेल्युलर जेल में दो दिन गुजारना चाहिए।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिसंबर 2019 में 'भारत में बलात्कार' संबंधी अपने बयान पर यह कहते हुए माफी मांगने से इनकार कर दिया था कि उनका नाम राहुल गांधी है, राहुल सावरकर नहीं। उनके इस बयान से विवाद खड़ा हो गया था।

राउत के बयान पर महाराष्ट्र के मंत्री और युवा सेना के अध्यक्ष आदित्य ठाकरे ने कहा कि अतीत में डुबकी लगाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि किस हैसियत से राउत ने यह बयान दिया। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र विकास अघाडी लोगों की आकांक्षाओं की बात करती है। कई लोगों को इस बात से बुरा लग रहा है कि कांग्रेस और शिवसेना के बीच कोई टकराव नहीं है।'

### उनका बलिदान समझें जिन्होंने अंग्रेजों से कभी माफी नहीं मांगी : कांग्रेस

मुंबई, 18 जनवरी (भाषा)।

कांग्रेस ने पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि हिंदुत्ववादी विचारधारा के समर्थकों को तत्कालीन अंडमान जेल का दौरा करना चाहिए ताकि वे उन स्वतंत्रता सेनानियों का बलिदान समझ सकें जिन्होंने कभी अंग्रेजों से माफी नहीं मांगी। कांग्रेस का यह बयान राउत की उस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि जो लोग सावरकर को भारत रत्न दिये जाने का विरोध कर रहे हैं उन्हें कम से कम दो दिन तत्कालीन औपनिवेशिक जेल में बिताने चाहिए जिससे यह समझ सकें कि सजा के दौरान उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ा होगा।

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा केंद्र में बहुमत होने की वजह से सावरकर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दे सकती है, अगर वह सावरकर के, बी आर आंबेडकर को 'माथेफिरु' (कट्टर) और बौद्धों को 'राष्ट्रद्रोही' कहने जैसे बयानों की अनदेखी करने की इच्छुक है। सावंत ने ट्वीट कर कहा, 'सावरकर 1911 से पहले अलग थे।

# मध्य प्रदेश : दूल्हे ने अपने विवाह कार्ड पर छापा सीएए के समर्थन में नारा

नरसिंहपुर (मप्र), 18 जनवरी (भाषा)।

मध्य प्रदेश में एक दूल्हे ने अपनी शादी के निमंत्रण कार्ड पर संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के समर्थन में नारा छापा है। दूल्हे प्रभात गढ़वाल का विवाह 18 जनवरी शनिवार की शाम संपन्न हुआ।

जिले के करेली कस्बे के निवासी प्रभात ने कहा कि सीएए के विरोध के दौरान देश में हुई हिंसा को लेकर वह परेशान है, इसलिए उसने इस तरह से इसके समर्थन में आने का निर्णय लिया। दूल्हे ने कहा कि उसने शादी के कार्ड पर नारा छापा है, 'आई सर्पोट सीएए' क्योंकि, वह मानता है कि लोगों को संवैधानिक कानून के प्रति विश्वास और निष्ठा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीएए के वास्तविक तथ्यों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करनी होगी।

प्रभात ने कहा कि शादी के कार्ड में इस नारे को पढ़ने के बाद जो भी उससे इस बारे में बात करेगा, वह उसकी गलत धारणा को दूर करने के लिए सीएए के तथ्यों की व्याख्या करेंगे। उन्होंने बताया कि शादी के कार्ड पर सीएए के समर्थन में नारे को छापने का निर्णय उसका अपना था।

# मुंबई : 26 जनवरी के बाद चौबीसों घंटे खुली रह सकेंगी दुकानें

मुंबई, 18 जनवरी (भाषा)।

महाराष्ट्र के पर्यटन मंत्री आदित्य ठाकरे ने शनिवार को कहा कि मुंबई के गैर-आवासीय क्षेत्रों में दुकानें, मॉल और रेस्तरां 26 जनवरी से चौबीसों घंटे खुले रह सकते हैं। यह वैकल्पिक है, इसे अनिवार्य नहीं बनाया जाएगा। लंदन और मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में नाइटलाइफ का उदाहरण देते हुए, ठाकरे ने कहा, मुंबई को भी लोगों को रात में वैसी सुविधा देने से पीछे नहीं हटना चाहिए। महानगर में सेवाएं 24 घंटे और सातों दिन जारी रहनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि नाइटलाइफ को केवल शराब पीने के साथ जोड़ना गलत है। उन्होंने कहा, 'मुंबई हर वक्त काम करता है। यदि ऑनलाइन खरीदारी 24 घंटे खुली रह सकती है, तो रात में दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को बंद क्यों रखा जाना चाहिए। दुकानों और मॉलों को रात में खोलना अनिवार्य नहीं है। यह उनपर निर्भर है, यदि वे दुकानों को खोले रखना चाहते हैं। कोई नियम नहीं बदला गया है।'

# तेजाब से जला मिला युवती का शव

बहराइच, 18 जनवरी (भाषा/जनसत्ता)।

जिले के मुर्तिहा कोतवाली के जंगल से सटे इलाके में शनिवार सुबह एक युवती का शव मिला। युवती का चेहरा और शरीर के कई हिस्से तेजाब अथवा किसी रसायनिक द्रव्य से जले हुए हैं। पुलिस ने बताया कि कर्तिनयाघाट जंगल से सटे कोतवाली मुर्तिहा के नौबना गांव में मवेशियों को चराने गए चरवाहों को झाड़ियों में एक युवती का शव दिखाई पड़ा।

उसके शरीर पर कपड़े नहीं थे। युवती के चेहरे व शरीर पर तेजाब जैसे किसी पदार्थ से जलने के निशान थे। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर युवती के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक गौरव ग्रोवर ने बताया, मृतक युवती की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। युवती का चेहरा व शरीर के कुछ हिस्से तेजाब अथवा किसी केमिकल से जलाए गए हैं। पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

# 'नया संविधान' शीर्षक वाली फर्जी पुस्तिका पर संघ नेता ने दर्ज कराई शिकायत

अमदाबाद, 18 जनवरी (भाषा)।

संघ के एक पदाधिकारी ने 'भारत का नया संविधान' शीर्षक वाली एक पुस्तिका का कथित तौर पर प्रचार करने के लिए अज्ञात लोगों के खिलाफ यहां अहमदाबाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

संघ पदाधिकारी के अनुसार सोशल मीडिया पर प्रचारित हो रही मोहन भागवत के चित्र वाली पुस्तिका भ्रामक और फर्जी है। अहमदाबाद में आरएसएस की मणिनगर इकाई के पदाधिकारी दिनेश वाला ने शुक्रवार को यहां साइबर सेल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रही 16 पृष्ठ की पुस्तिका में दावा किया गया है कि वह नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा बनाए जा रहे भारत के नए संविधान का संक्षिप्त मसविदा है जिसमें लोगों का सशक्तिकरण जाति व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा। पुस्तिका में कहा गया है कि नए संविधान के मुताबिक ब्राह्मण समुदाय के लोग देश पर राज करेंगे और लोगों की शक्तियां जाति व्यवस्था में उनके दर्जे के अनुसार निर्धारित की जाएँगी। शिकायतकर्ता के अनुसार दस्तावेज में यह भी कहा गया है कि महिलाओं और अस्पृश्यों का मताधिकार छीन लिया जाएगा। शिकायत में वाला ने कहा कि पुस्तिका में कहा गया है कि एक विस्तृत संविधान तैयार किया जा रहा है जिसमें लोग अपने सुझाव प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज सकते हैं। शिकायत में कहा गया है कि पुस्तिका के अनुसार लोगों को अपने सुझाव की प्रति नागपुर स्थित आरएसएस कार्यालय में भेजनी होगी। पेशे से वकील वाला ने कहा, 'मुझे यह पुस्तिका पीडीएफ फॉर्मेट में वाट्सऐप पर मिली। जब मैंने इसे पढ़ा तो इसकी प्रामाणिकता पर मुझे संदेह हुआ। मैंने इसकी प्रति एक वरिष्ठ संघ पदाधिकारी को भेज दी, जिन्होंने मुझे बताया कि वह दस्तावेज फर्जी था। इसके बाद मैंने शिकायत दर्ज कराने का निर्णय किया।'

# मुंबई : दो बलात्कारियों को 20 साल की कैद

मुंबई, 18 जनवरी (भाषा)।

दक्षिण मुंबई में 2015 में एक लड़की से बलात्कार के मामले में शहर की एक अदालत ने शनिवार को दो पर्यटक गाइड को 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई।

न्यायाधीश प्रीति कुमार (घुले) ने शैबाज शेख और इरशाद शेख को आइपीसी की धारा 376डी (सामूहिक बलात्कार) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून की धाराओं के तहत दर्ज मामले में दोषी पाया। दोनों आरोपियों ने मार्च 2015 में दक्षिण मुंबई एक इलाके से लड़की को उठाया। उसे डॉकयॉर्ड रोड इलाके में ले गए और वहां एक सार्वजनिक शौचालय में उससे बलात्कार किया।

# यूनिटेक का प्रबंधन अपने हाथ में लेने पर पुनर्विचार को तैयार केंद्र

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि वह कर्ज में फंसी यूनिटेक लिमिटेड का प्रबंधन अपने हाथ में लेने और कंपनी की अटकी परियोजनाओं को पूरा करने व उसके 12 हजार परेशान घर खरीदारों को राहत देने के अपने 2017 के प्रस्ताव पर पुनर्विचार को तैयार है।

सरकार ने न्यायमूर्ति डीवाइ चंद्रचूड़ की अगुआई वाले पीठ को छह पन्नों के नोट में बताया कि वह यूनिटेक के प्रबंधन को हटाकर सरकार द्वारा नामित 10 निदेशक नियुक्त करने के दिसंबर 2017 के अपने प्रस्ताव पर फिर से विचार करने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने 18 दिसंबर, 2019 को केंद्र सरकार से पूछा था कि क्या वह 2017 के अपने प्रस्ताव पर विचार करने के लिए तैयार है, क्योंकि यूनिटेक की परियोजनाओं को किसी विशिष्ट एजंसी द्वारा अपने हाथ में लेने की तत्काल जरूरत है ताकि घर खरीदारों के हित में अटकी परियोजनाओं को तय समय में पूरा किया जा सके। सरकार ने नए नोट में यह भी कहा कि वह कंपनी की अटकी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए इसमें पैसे नहीं लगाएगी। सरकार ने न्यायालय से यह भी कहा कि निश्चिंतता की अवधि तय करते हुए उसे 12 महीने की स्थगन अवधि का निर्देश देना चाहिए।

सरकार ने यूनिटेक के लिए प्रस्तावित निदेशक मंडल के लिए हरियाणा काडर के सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी युद्धवीर सिंह मलिक को चेयरमैन व प्रबंध निदेशक बनाने का सुझाव दिया था। सदस्यों के लिए सरकार ने एनबीसीसी के पूर्व सीएमडी एके मित्तल, एचडीएफसी क्रेडिला फाइनेंस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की चेयरमैन रेणू सूद कर्णाड, एंबेसी ग्रुप के सीएमडी जीतू वीरवानी और हीरानंदानी ग्रुप के एमडी निरंजन हीरानंदानी का नाम सुझाया है। सरकार ने यह भी कहा कि प्रस्तावित निदेशक मंडल द्वारा तैयार समाधान रूपरेखा के निरीक्षण के लिए न्यायालय एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की भी नियुक्ति कर सकता है। न्यायालय प्रस्तावित निदेशक मंडल को महत्त्वपूर्ण प्रबंधकों और न्यायिक, दिवाला शोधन, वित्तीय परामर्शदाताओं, रीयल एस्टेट पेशेवरों आदि की नियुक्ति का अधिकार भी दे सकता है।

सरकार ने न्यायालय से प्रवर्तकों, कंपनी के मौजूदा प्रबंधन, फोरेंसिक ऑडिटर्स, संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों, बैंकों, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों को प्रस्तावित निदेशक मंडल के साथ सहयोग करने का निर्देश देने का आग्रह किया। सरकार ने कंपनी, कंपनी के मौजूदा प्रबंधन और प्रवर्तकों के खिलाफ देशभर में चल रहे विभिन्न मुकदमों से प्रस्तावित निदेशक मंडल को मुक्त रखने की भी मांग की। सरकार ने प्रस्तावित निदेशक मंडल को अटकी परियोजनाएं पूरा करने के लिए घर खरीदारों से बकाया राशि वसूल करने और नहीं बिक पाई संपत्तियों व जिम्मेदारियों से मुक्त संपत्तियों की बिक्री करने की मंजूरी देने का भी आग्रह किया।

यूनिटेक लिमिटेड के बारे में फोरेंसिक ऑडिटर द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि 2006 से 2014 के दौरान 29,800 घर खरीदारों से करीब 14,270 करोड़ रुपए जुटाने और छह वित्तीय संस्थानों से करीब 1,805 करोड़ रुपए जुटाने का पता चला है। कंपनी ने 74 परियोजनाओं को पूरा करने के लिए यह राशि जुटाई थी। इसमें पता चला है कि कंपनी ने घर खरीदारों से जुटाए करीब 5,063 करोड़ और वित्तीय संस्थानों से जुटाए करीब 763 करोड़ रुपए का इस्तेमाल नहीं किया। बल्कि 2007 से 2010 के दौरान कंपनी द्वारा कर चोरी के लिहाज से पनाहगाह माने जाने वाले देश में बड़ा निवेश किए जाने का पता चलता है। फोरेंसिक आडिट में यह सब पता चलने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूनिटेक लिमिटेड के प्रवर्तकों के खिलाफ मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया। यूनिटेक के प्रवर्तक संजय चंद्रा और उनके भाई अजय चंद्रा घर खरीदारों से प्राप्त धन की हेराफेरी के आरोप में फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

# बीपीसीएल के पूर्व चेयरमैन सिंघल की 204 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के पूर्व चेयरमैन व प्रबंध निदेशक संजय सिंघल की 204 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की है। इसमें उनके दिल्ली और लंदन के आवास भी शामिल हैं।

ईडी ने शनिवार को जारी एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि कुर्की मनी लांड्रिंग रोधी कानून के तहत की गई। इस कुर्की में दिल्ली और लंदन की चल-अचल परिसंपत्ति भी शामिल है। बयान के अनुसार संजय सिंघल ने बीएसपीएल को मिले बैंक ऋण में से 204.31 करोड़ रुपए की राशि में हेरफेर किया और इसका उपयोग देश व विदेश में संपत्ति खरीदने में किया गया।

ईडी ने शुक्रवार को मनी लांड्रिंग कानून से जुड़ी विशेष अदालत में यहां सिंघल व अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। आरोपपत्र में 24 लोगों और कंपनी को आरोपी बनाया गया है। अदालत ने सिंघल के खिलाफ 21 जनवरी को पेश होने का आदेश दिया है। ईडी ने पिछले साल नवंबर में सिंघल को गिरफ्तार किया था, वह तब से न्यायिक हिरासत में है।

एजंसी का आरोप है कि कंपनी ने 2007 से 2014 के दौरान 33 बैंक और वित्तीय संस्थानों से लिए ऋण के बड़े हिस्से का हेरफेर किया है। ईडी इस मामले में अब तक 4,229 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर चुका है। ईडी ने आरोपी के खिलाफ सीबीआइ की एफआइआर के आधार पर मनी लांड्रिंग कानून के तहत मामला दर्ज किया है। यह मामला बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ा है।

## सूरत हवाला मामले में 10 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि सूरत के करोड़ों के हवाला और मनी लांड्रिंग मामले में मुंबई के कारोबारी की करीब 10 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है।

ईडी ने कहा कि मनी लांड्रिंग निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत कारोबारी अब्दुल करीब जाका के 'रसूल मंजिल' नाम से आवासीय परिसर और जमीन, मुंबई में 480-480 वर्गफुट के दो फ्लैट और रायगढ़ जिले के गोडसाई गांव में स्थित भूखंड कुर्क किए गए हैं। कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 9.50 करोड़ रुपए बैठता है। यह मामला कथित रूप से फर्जी आयात बिलों के आधार पर कुल 5,395 करोड़ रुपए का धन बाहर भेजे जाने से जुड़ा है। यह राशि आइसीआइसीआइ बैंक की सूरत शाखा के जरिए भेजी गई।

ईडी ने सूरत पुलिस की 2014 की प्राथमिकी देखने के बाद पीएमएलए के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की है। केंद्रीय जांच एजंसी ने अफरोज फत्ता और मदनलाल जैन समेत सूरत के कुछ अन्य हीरा कारोबारियों के कार्यालयों की मार्च 2014 में तलाशी में करोड़ों रुपए के हवाला कारोबार का भंडाफोड़ किया था। आरोप है कि ये व्यापारियों ने हीरा आयात के फर्जी बिलों के आधार पर धन बाहर भेजते थे। फत्ता, जैन और कुछ अन्य को ईडी ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में अब तक पांच आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। मामले की जांच जारी है।

# विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर रेकार्ड 461.21 अरब डॉलर पर

मुंबई, 18 जनवरी (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 461.21 अरब डॉलर के सर्वकालिक रेकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.689 अरब डॉलर बढ़कर 461.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

आरबीआइ के आंकड़ों के मुताबिक समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में गिरावट आने के बावजूद कुल विदेशी मुद्रा भंडार में काफी बढ़ोतरी हुई। इस दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 36.7 करोड़ डॉलर घटकर 427.582 अरब डॉलर रहीं। इसके साथ ही स्वर्ण भंडार 43.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 28.492 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में विशेष आहरण अधिकार भी 50 लाख डॉलर घटकर 1.442 अरब डॉलर रह गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) में कुल आरक्षित निधि 50 लाख डॉलर घटकर 3.697 अरब डॉलर रही। इस तर देश का विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत स्थिति में है।

# देश को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य कठिन, असंभव नहीं : गडकरी

इंदौर, 18 जनवरी (भाषा)।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि देश को 2024-25 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य हालांकि कठिन है, लेकिन घरेलू उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने जैसे कदमों से इसे हासिल किया जा सकता है।

गडकरी ने यहां इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन के अंतरराष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति बेहद महत्त्वपूर्ण है। ऐसी ही इच्छाशक्ति जताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य तय किया है। यह लक्ष्य कठिन जरूर है। लेकिन असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में संसाधनों की प्रचुरता तो है ही, उत्पादन क्षमता भी बेहतर है। इसके बावजूद हम हर साल दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, कोयला, तांबा, कागज आदि वस्तुओं के आयात पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं। अगर हमें 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनना है, तो हमें चीजों का आयात करने के बजाय इनका घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा।

आर्थिक सुस्ती पर उन्होंने कहा कि हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था हैं। लेकिन कारोबार का एक चक्र होता है। कभी वैश्विक अर्थव्यवस्था के कारकों के चलते, तो कभी मांग और पूर्ति के अंतर या अन्य कारणों से अलग-अलग चुनौतियां आती हैं। लेकिन मैं युवा पीढ़ी के उन नेतृत्वकर्ताओं में हिंदुस्तान का भविष्य देखता हूं, जो मुश्किलों और चुनौतियों को अवसरों में बदल सकते हैं। गडकरी ने जोर देकर कहा कि देश में पूंजी, संसाधनों और तकनीक की कोई कमी नहीं है। लेकिन विभिन्न क्षेत्रों में सही नजरिए और नेतृत्व की कमी जरूर है।

उन्होंने देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर मोदी सरकार के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य की चर्चा करते हुए कहा कि विकास में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की भागीदारी में इजाफे पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे इस क्षेत्र में पांच करोड़ नए रोजगार पैदा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार अपने हर विभाग से पूछ रही है कि वह देश को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में क्या योगदान दे सकता है।

## पीयूष गोयल करेंगे दावोस में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल दावोस में होने जा रहे 50वें विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। सम्मेलन 20 से 24 जनवरी के बीच होना है।

वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गोयल दावोस में विश्व व्यापार संगठन के मंत्रियों की एक अनौपचारिक बैठक में शामिल होंगे। वे वहां ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, रूस, सऊदी अरब, स्विट्जरलैंड, कोरिया और सिंगापुर के मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। गोयल की इस दौरान आर्थिक सहयोग व विकास संगठन (ओईसीडी) के महासचिव और विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक के साथ भी बैठक होगी।

गोयल की इस यात्रा के दौरान कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठक होगी। साथ ही 'भारतीय रेलवे में निवेश को बढ़ाना' विषय पर गोलमेज वार्ता, ग्लोबल इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टमेंट को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करने और विश्व आर्थिक मंच के सत्रों में भी प्रतिभाग करेंगे। गोयल के साथ विश्व आर्थिक मंच सम्मेलन में केंद्रीय पोत-परिवहन और रसायन व उर्वरक राज्यमंत्री मनसुख लाल मंडाविया, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, पंजाब के वित्त मंत्री और तेलंगाना के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भी शामिल होंगे।

# सरकार ने जनवरी-फरवरी के लिए जीएसटी संग्रह का लक्ष्य 1.15 लाख करोड़ तय किया

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

कर विभाग ने शुक्रवार को अगले दो महीनों के लिए जीएसटी संग्रह लक्ष्य बढ़ाकर 1.15 लाख करोड़ और मार्च के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपए तय किया है। विभाग ने धोखाधड़ी कर इनपुट टैक्स क्रेडिट के दावों पर लगाम लगाकर यह लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है।

सूत्रों के ने कहा कि शुक्रवार को राजस्व सचिव अजय भूषण पांडे की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला किया गया। पिछले महीने विभाग ने चालू वित्त वर्ष की बची हुई अवधि के लिए जीएसटी कर संग्रह का लक्ष्य बढ़ाकर 1.1 लाख करोड़ प्रति महीने और एक महीने के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपए किया था। कंपनी कर में 1.45 लाख करोड़ रुपए की राहत को देखते हुए प्रत्यक्ष कर संग्रह 13.35 लाख करोड़ पर स्थिर रखा गया है।

सूत्रों के अनुसार बैठक में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और केंद्रीय अप्रत्यक्ष और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। कर संग्रह का लक्ष्य हासिल करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने और क्षेत्रों में काम को दुरुस्त करने को लेकर यह बैठक हुई। ऐसा समझा जाता है कि जीएसटी प्राधिकरण आपूर्ति और खरीद बिलों के बीच अंतर को देखेगा, जीएसटी-1, जीएसटीआर-2ए और जीएसटीआर-3बी में अंतर का पता लगाने के लिए आंकड़ों का विश्लेषण करेगा। साथ ही रिटर्न नहीं फाइल होने, बिल बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने जैसे मामलों पर भी गौर करेगा और फर्जी तरीके से बड़े इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों पर कार्रवाई जैसे कदम उठाएगा।

# रिजर्व बैंक अंतिम कर्जदाता की अपनी भूमिका निभाए : एसबीआइ

मुंबई, 18 जनवरी (भाषा)।

भारतीय स्टेट बैंक के अर्थशास्त्रियों ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में जारी संकट के बीच कहा कि रिजर्व बैंक को अंतिम कर्जदाता की अपनी भूमिका निभानी चाहिए। इन अर्थशास्त्रियों का मानना है कि केंद्रीय बैंक एनबीएफसी क्षेत्र में 2018 में समस्या शुरू होने के समय से ही अपनी इस भूमिका से बचता रहा है।

बजट को लेकर उम्मीदों पर अपनी रिपोर्ट में अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि आरबीआइ को एनबीएफसी को संपत्ति के एवज में नकदी उपलब्ध कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। उनका कहना है कि वित्तीय बाजार में भरोसे के संकट को देखते हुए यह जरूरी है कि केंद्रीय बैंक अंतिम कर्जदाता की अपनी भूमिका नहीं भूले। आइएल एंड एफएस के धाराशायी होने के बाद से एनबीएफसी क्षेत्र प्रभावित है।

कुछ विश्लेषकों का कहना है कि नकदी समस्या से जूझ रही एनबीएफसी द्वारा कर्ज दिए जाने में कमी से खपत कम हुई है। इसके कारण अन्य बातों के अलावा जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर घटी है। एसबीआइ की रिपोर्ट में एक फरवरी को पेश होने वाले बजट के लिए राजकोषीय नीति को लेकर दिए गए सुझाव में एनबीएफसी की मदद की बात शामिल की गई है।

अन्य बातों में एसबीआइ के अर्थशास्त्रियों ने सिफारिश की है कि सरकार को वृद्धि पर ध्यान देना चाहिए न कि राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल करने पर। रिपोर्ट के अनुसार अगर ऐसा नहीं किया गया तो वृद्धि में नरमी की समस्या और बढ़ेगी। उन्होंने 2020-21 के लिए राजकोषीय घाटा 3.8 फीसद पर रखने का सुझाव दिया है। यह 2019-20 के उसके संशोधित अनुमान 3.8 फीसद के बराबर है।

इसमें कहा गया है कि सरकार को 2021-22 के लिए नए राजकोषीय मजबूती के लिए नई रूपरेखा अपनाना चाहिए। अर्थशास्त्रियों के अनुसार कृषि क्षेत्र की बेहतरी और बेहतर स्वास्थ्य परिणाम के लिए सरकार 'पौष्टिक भारत' नाम से योजना घोषित कर सकती है।


**एपीएल अपोलो-ट्यूब्स लिमिटेड**
CIN: L74899DL1986PLC023443, वेबसाईट: www.aplapollo.com
पंजीकृत कार्यालय: 37, हरगोबिन्द एन्क्लेव, विकास मार्ग, दिल्ली-110092
कॉर्पोरेट कार्यालय: 36, कौशाम्बी, आनंद विहार टर्मिनल के निकट, दिल्ली, एनसीआर 201010
Email: investors@aplapollo.com, Tel: 91-120-4041400, Fax: 91-120-4041444

**सूचना**

सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के विनियमन 47(1)(ए) के अनुपालन में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कम्पनी के निदेशक मंडल की एक बैठक शनिवार, 25 जनवरी, 2020 को 36, कौशाम्बी, आनंद विहार टर्मिनल के निकट, दिल्ली-एनसीआर, जिला गाजियाबाद-201010 में कम्पनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में आयोजित की जायेगी जिसमें अन्य विषयों के साथ 31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही तथा छमाही के लिये कम्पनी के अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों (स्टैंडएलॉन एवं समेकित) पर विचार तथा अनुमोदन किये जाएंगे।

एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
संजय गुप्ता
निदेशक

स्थानः गाजियाबाद
तिथिः 18.1.2020



**इंडियन टोनर्स एंड डेवलपर्स लि.**
(CIN NO. L74993UP1990PLC015721)
पंजी. कार्यालयः 10.5 कि.मी. माइलस्टोन, रामपुर बरेली रोड, रामपुर-242901 (उ.प्र.)
ई-मेल आईडीः info@indiantoners.com,
वेबसाइटः www.indiantones.com
फोन नं0: 0595-2356271
फैक्स नं0: 0595-2356273

**सूचना**

सेबी (एलओडीआर) विनियमन, 2015 के विनियमन 47 के साथ पठित विनियमन 29 के अनुसार एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की एक बैठक नई दिल्ली में **मंगलवार, 4 फरवरी, 2020** को आयोजित की जाएगी जिसमें **31 दिसंबर, 2019** को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के अंकेक्षित वित्तीय परिणामों पर विचार तथा अनुमोदन किए जाएंगे।

यह सूचना कंपनी एवं स्टॉक एक्सचेंज जहां कंपनी के इक्विटी शेयर्स सूचीबद्ध हैं, की वेबसाइट अर्थात www.indiantoners.com तथा www.bseindia.com क्रमशः पर उपलब्ध हैं।

**इंडियन टोनर्स एंड डेवलपर्स लिमिटेड के लिए**
हस्ता/-
स्थानः नई दिल्ली — एस.सी.सिंघल
तिथिः 18.01.2020 — कंपनी सचिव



**SMART CAPITAL SERVICES LIMITED**
Regd. Off., 325, IIIrd Floor, Aggarwal Plaza, Sector-14, Rohini, New Delhi-110085
Phone.: 9810260127
Email ID: smartcap.delhi@gmail.com,
Website: www.smartcapitalservices.in,
CIN:L74899DL1994PLC059877

**NOTICE**

Notice is hereby given that pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, a meeting of the Board of Directors of the Company is to be held on Thursday, January 30, 2020 at the registered office of the Company, inter-alia, to consider and approve the unaudited Standalone Financial Results of the Company for the quarter ended December 31, 2019 and any other business if any.

The information contained in this notice is also available on the website of the Company i.e www.smartcapitalservices.in and website of the stock Exchange i.e. www.msei.in.

For and on behalf of the Board
Smart Capital Services Limited
Sd/-
Kiran Mittal
Director
DIN: 00749457
Place: New Delhi
Date: 18.01.2020



**ऋण वसूली अधिकरण-I, दिल्ली,**
4था तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

आ.ए.नं. 87/2018
एचडीएफसी बैंक लि. .....आवेदक
बनाम
मै. जेसिका ज्वेल्स एंड फैशन प्रा. लि. .....प्रतिवादीगण
1. श्री अमित गुप्ता (प्रति. नं. 03) निवासी 31-मंदिर वाली गली, आजादपुर, नई दिल्ली
साथ ही: क्यू नं. 8, एससीसी, ओटीआर, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110007
2. श्री प्रकाश अरोड़ा (प्रति नं. 05)
निवासीः जे-3, 79बी, भू तल एवं प्रथम तल, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली
3. श्रीमती नीलम अरोड़ा (प्रति नं. 06) जे-3, 79बी, भू तल एवं प्रथम तल, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली

जैसा कि ऊपर नामित आवेदक ने आपके विरुद्ध रु. 234724168.51/- (रुपये तैईस करोड़ सैंतालिस लाख चौबीस हजार एक सौ अड़सठ एवं पैसे इक्यावन मात्र) की वसूली के लिये एक मामला शुरू किया है तथा जैसा कि इस अधिकरण की संतुष्टि के लिये यह साबित हो चुका है कि आपको सामान्य तरीके से सर्व करना संभव नहीं है। अतएव, विज्ञापन के माध्यम से इस सूचना के द्वारा आपको निर्देश दिया जाता है कि 6.2.2020 को 10.30 पूर्वा. में विद्वान रजिस्ट्रार के समक्ष उपस्थित हों। ध्यान रहे कि उपरोक्त तिथि को इस अधिकरण के समक्ष उपस्थित नहीं होने पर मामले की सुनवाई तथा निर्णय आपकी अनुपस्थिति में ही की जायेगी।

मेरे हाथ से तथा अधिकरण की मुहर लगाकर आज, 15 जनवरी, 2020 को दी गई।

अधिकरण के आदेश से
रजिस्ट्रार



**SOUTH WESTERN RAILWAY**
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 34
यूबीएल 2019-20, तिथिः 16.1.2020
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों के लिये ई-निविदा (आईआरईपीएस) आमंत्रित हैः

| क्रम सं. | कार्य का नाम | अनुमानित मूल्य |
|---|---|---|
| 1 | हुबली मंडल | रु. 9,77,94,989/- |

**उप कार्य 1:** लोण्डा- मिराज खंड- उगर- खुर्द शेडवाल स्टेशनों (1x24.00 M C/C कम्पोजिट गर्डर 9.90 एम एम चौड़ा सं. DRG N6, RDSO/B11757/ IR टू 10 R) के बीच कि.मी. 725/ 2-3 में एलसी नं. 451 की जगह आरओबी का प्रस्तावित निर्माण। **उप कार्य 2:** लोण्डा- मिराज खंडः कट एवं कवर/ आरएच गर्डर पद्धति द्वारा शेडवाल- विजयनगर के बीच कि.मी. 734/ 4-5 में एलसी नं. 458 की जगह साइज 5.00x4.5x15.3 मीटर के साथ सब वे का प्रस्तावित निर्माण। **उप कार्य 3:** लोण्डा- मिराज खंडः कट एवं कवर/ आरएच गर्डर पद्धति द्वारा एलसी नं. 441 की जगह साइज 5.00x4.5x15.3 मीटर के सब वे का प्रस्तावित निर्माण। **उप कार्य 4:** कट एवं कवर/ आरएच गर्डर पद्धति द्वारा सुलाधल- पच्छनपुर के बीच कि.मी. 639/8-9 में एलसी नं. 411 की जगह साइज 5.00x4.5x15.3 मीटर की सब वे का प्रस्तावित निर्माण। **उप कार्य 5:** लोण्डा- मिराज तथा लोण्डा- वास्को- ड-गामा खण्ड- खंड- लोण्डा मिराज ब्रिज नं. 420/115ए, 134 ए, 104 ए, 83, 26 ए, 29 ए, 32 ए, 43 ए, 44 ए (09 नग) लोण्डा- मिराज ब्रिज नं. 6 ए, 40 ए, 193, 211 (04 नग) में वर्तमान आरयूबी/ सब वेज का सुधार।

| | | |
|---|---|---|
| 2 | हुबली मंडल | रु. 2,23,89,455.47 |

**उप कार्य-1.** कैशल रॉकः कैशल रॉक में 75 x 13.6 x 7.5 मीटर के सिक लाइन शेड के निर्माण का प्रस्ताव

**उप कार्य-2.** लोण्डा-वास्को-5-गामाः कैशल रॉक तथा बास्को-5-गामा में वर्तमान कॉलोनी रोड तथा सम्पर्क सड़क से स्टेशन तक रोड का मरम्मत

| | | |
|---|---|---|
| 3 | हुबली मंडल | रु. 1,82,52,415/- |

स्टेशन के नाम पर पट तथा अन्य साइनेज बोर्ड्स (सहायक मंडल अभियंता/ कैशल रॉक एवं सहायक मंडल अभियंता/ बेलागावी खंड) का मरम्मत, वाटर टैंक्स की सफाई, कॉलोनी तथा सेवा भवन में जीएलआर का ओवर हेड टंकी को सफाई, आफिस तथा कार्यालय क्वार्टरों में विद्यमान सीवर लाइनों की सफाई तथा रखरखाव तथा सहायक मंडल अभियंता/ बेलागावी तथा सहायक मंडल अभियंता/ कैशल रॉक के क्षेत्राधिकार में दो वर्षों के लिए बाल्व मेन/प्लम्बर का प्रावधान।

बोली जमा करने की अंतिम तिथि
17.2.2020 के 11.00 बजे तक

विवरणों के लिए www.iraps.gov.in पर लॉग ऑन करें।

मंडल रेलवे प्रबंधक/ कार्य
दक्षिण पश्चिम रेलवे, हुबली
PUB/393/AAAL/PRB/SWR/2019-20



**DELTA INDUSTRIAL RESOURCES LIMITED**
Regd. Off: Shop No.325, Third Floor, Aggarwal Plaza, Sector-14, Rohini, New Delhi - 110085
Website: www.det.in Email Id: delbaindld@gmail.com, Ph. No. 011-27860681
CIN:- L52110DL1984PLC019625

**NOTICE**

Notice is hereby given that pursuant to Regulation 29 read with Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, a meeting of the Board of Directors of the Company is to be held on Thursday, January 30, 2020 at the registered office of the Company, inter-alia, to consider and approve the unaudited Standalone Financial Results of the Company for the quarter ended December 31, 2019 and any other business if any.

The information contained in this notice is also available on the website of the Company i.e www.dirLin and website of the stock Exchange i.e www.msei.in, and www.bseindia.com

For and on behalf of the Board
Delta Industrial Resources Limited
Sd/-
Kiran Mittal
(Director)
DIN: 00749457
Date: 18.01.2020
Place: New Delhi



**ऋण वसूली अधिकरण-III, दिल्ली के समक्ष**
चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001

ऋण वसूली अधिकरण (प्रक्रिया) नियमों 1993 के नियम 12 व 13 के साथ, पठित बैंक एवम् वित्तीय संस्थान अधिनियम 1993 के अनुसार देय ऋण की वसूली की धारा 19(4) के तहत सूचना।
**ओ.ए. नं.655/2019**
**सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया** .....आवेदक
बनाम
**मैसर्स फॉर्ट्रेस पैकेजिंग प्रा. लि. एवं अन्य** .....प्रतिवादी

**(डी-1) मैसर्स फॉर्ट्रेस पैकेजिंग प्रा. लि.**, इसके निदेशक के माध्यम से, **श्री दीपक कुमार मेहता, पंजीकृत कार्यालयः** टी-3, तीसरा तल, सेंट सोल्जर टॉवर, पीबीआर कॉम्पलैक्स, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018, इसके अलावाः खसरा नं.873/2 पर कारखाना, भूतल, निकट देवी मन्दिर, रिठाला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली-110085

**(डी-2) श्री दीपक कुमार मेहता, पुत्र श्री राम चन्द्र मेहता, मैसर्स फॉर्ट्रेस पैकेजिंग प्रा. लि. के प्रबंध संचालक**, निवासी मकान नं.346, सेक्टर-14, वार्ड नं.5, गुड़गांव (अब गुरूग्राम), हरियाणा-124002.

**(डी-3) श्री अजय शर्मा, पुत्र श्री जगत सिंह, मैसर्स फॉर्ट्रेस पैकेजिंग प्रा. लि.**, डब्ल्यूजेड-255/1, मादीपुर गाँव, दिल्ली.

**(डी-4) श्री हर्ष कुमार मनचन्दा, पुत्र श्री धर्मवीर, मैसर्स फॉर्ट्रेस पैकेजिंग प्रा. लि. के निदेशक/गारंटर**, निवासी मकान नं.144/5, निकट शीरी क्लॉथ मार्केट, रामा कालोनी, रोहतक, हरियाणा।

**(डी-5) श्री मनोज कुमार मण्डल, पुत्र श्री कैलाश पति मण्डल, मैसर्स फॉर्ट्रेस पैकेजिंग प्रा. लि. के निदेशक/गारंटर**, निवासी मकान नं.451, पहला तल, पॉकेट-1, सेक्टर-6, अवन्तिका, रोहिणी, नई दिल्ली-110085

**(डी-6) श्री बिपिन कुमार गुप्ता, पुत्र श्री जय किशन गुप्ता, मैसर्स फॉर्ट्रेस पैकेजिंग प्रा. लि. के गारंटर**, निवासी बी-51ए, शंकर गार्डन, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018.

**(डी-7) मैसर्स लोटस फ्लोरीकल्चर एलएलपी, अपने पार्टनर श्री मनोज कुमार मंडल के माध्यम से**, 19, रोड नं.33, पंजाबी बाग एक्सटेंशन, दिल्ली-110026. **गारंटर**

चूंकि ऊपर नामित आवेदक ने आपके खिलाफ एक मामला शुरू किया है और चूंकि, इस न्यायाधिकरण की संतुष्टि हेतु यह दर्शाया गया है कि आपको सामान्य ढंग से सूचना देना संभव नहीं है। अतः इस विज्ञापन के जरिये आपको निर्देश देते हुए यह सूचना दी जाती है कि आप **06.03.2020 को पूर्वा. 10:30 बजे** इस न्यायाधिकरण में उपस्थित हों।

इस बात पर ध्यान दें कि ऊपर निर्धारित दिन पर इस न्यायाधिकरण के समक्ष आपके उपस्थित न होने की स्थिति में, इस मामले की सुनवाई व निर्णय आपकी अनुपस्थिति में कर दिया जाएगा।

**11 दिसम्बर, 2019 को मेरे हस्ताक्षर और इस अधिकरण की मोहर के तहत दिया गया।**

न्यायालय की मुहर

**अधिकरण के आदेशानुसार,**
**सहायक रजिस्ट्रार, डीआरटी-III, नई दिल्ली**



**PATBACK BUSINESS LIMITED**
(Formerly known as Crazypricing Online Services Limited)
Regd. off: Shop No.325, Plot No. 3, Aggarwal Plaza, DDA Community Center, Sector-14, Rohini, New Delhi-110085
Email id:crazypricingde@gmail.com,
website:www.crazypricingonline.com
Ph No. 011-27860680
CIN: L74999DL1

# असम मंत्रिमंडल का विस्तार दो नए मंत्रियों ने ली शपथ

गुवाहाटी, 18 जनवरी (भाषा)।

असम सरकार ने शनिवार को मंत्रिमंडल में दो नए चेहरों को शामिल किया। संजय किशन और जोगन मोहन को राज्यपाल जगदीश मुखी ने राजभवन के दरबार हॉल में एक सादे समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

मोहन और किशन दोनों ने स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। इसके साथ ही मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल में 18 मंत्री हो गए हैं। इनमें भाजपा से 12 और गठबंधन की सहयोगी पार्टियों- असम गण परिषद (अगप) और बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से तीन-तीन मंत्री हैं। नए मंत्रियों के विभागों की घोषणा की जानी अभी बाकी है। किशन और मोहन दोनों पहली बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। वे तिनसुकिया और महमोरा विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

किशन ने शपथ ग्रहण के बाद कहा कि वह उन्हें जिम्मेदारी सौंपने के लिए मुख्यमंत्री के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि मैं राज्य के सभी समुदायों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा और असम को मजबूत बनाने और इसे वैश्विक मंच पर ले जाने में मुख्यमंत्री की मदद करूंगा। मोहन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें मंत्री के रूप में नियुक्त करके उन पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए वह उनके आभारी हैं। मोहन ने कहा कि जो मंत्रालय मुझे आबंटित किया जाएगा, मैं उसके कर्तव्यों को पूरा करने की कोशिश करूंगा और यह सुनिश्चित करेंगे कि शुरू की गई योजनाओं से राज्य के सभी समुदाय लाभान्वित हों।

किशन चाय की खेती करने वाले जनजाति समुदाय से आते हैं, जबकि मोहन अहोम समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन्होंने चाय की खेती करने वाले समुदाय के पल्लब लोचन दास और अहोम समुदाय के तपन गोगोई की जगह ली है, जो तेजपुर और जोरहाट संसदीय क्षेत्रों से लोकसभा के लिए चुने गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन राज्य के मुख्य सचिव कुमार संजय कृष्ण ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, वित्त और स्वास्थ्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, संस्कृति मंत्री नब कुमार डॉली, भाजपा अध्यक्ष रंजीत दास और सांसद क्वीन ओजा और कामख्या प्रसाद तासा समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

# नृपेंद्र मिश्रा एनएमएमएल के कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष बने

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा को नेहरू मेमोरियल संग्रहालय एवं पुस्तकालय (एनएमएमएल) की कार्यकारी परिषद का अध्यक्ष बनाया गया है। पिछले छह महीने से लगातार हो रही विभिन्न नियुक्तियों के दौर में यह ताजा नियुक्ति है।

सरकार ने कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे, जयराम रमेश और कर्ण सिंह को परिषद के सदस्य पद से हटाते हुए पिछले साल नवंबर में एनएमएमएल सोसायटी का पुनर्गठन किया था। उसमें टीवी पत्रकार रजत शर्मा और प्रसून जोशी सहित अन्य को शामिल किया गया था।

**प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव रह चुके हैं नृपेंद्र मिश्र**

संस्कृति मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की कि 74 वर्षीय मिश्रा को 14 जनवरी को एक आदेश जारी कर नियुक्त किया गया। उन्होंने अगस्त, 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रधान सचिव का पद छोड़ा था। आदेश में कहा गया है कि प्रसार भारती बोर्ड के अध्यक्ष ए. सूर्य प्रकाश परिषद उपाध्यक्ष होंगे। मिश्रा की नियुक्ति के साथ ही भारत के पहले प्रधानमंत्री से जुड़े इस संग्रहालय से जुड़े सभी फैसले लेने वाली एनएमएमएल सोसायटी और एनएमएमएल कार्यकारी परिषद का पुनर्गठन पूरा हो गया। पिछले साल नवंबर में जारी आदेश के अनुसार, एनएमएमएल सोसायटी के अध्यक्ष स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपाध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, रमेश पोखरियाल निशंक, प्रकाश जावडेकर, वी मुरलीधरन और प्रहलाद सिंह पटेल, आइसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्रबुद्धे, प्रसार भारतीय के अध्यक्ष ए सूर्य प्रकाश, व्यय, संस्कृति और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालयों के सचिवों को बतौर सदस्य इसमें शामिल किया गया है। इनके अलावा यूजीसी के अध्यक्ष, जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड के प्रतिनिधि राघवेंद्र सिंह, एनएमएमएल के निदेशक और पत्रकार रजत शर्मा भी इसके नए सदस्य हैं। इसके अन्य सदस्य हैं.. अर्निबन गांगुली, सच्चिदानंद जोशी, कपिल कपूर, लोकेश चंद्रा, मकरंद परांजपे, किशोर मकवाना, कमलेश जोशीपुरा, रिजवान कादरी, राज्यसभा सदस्य विनय सहस्रबुद्धे और राम बहादुर राय।

# बेहमई जनसंहार : बहुप्रतीक्षित फैसला अब 24 को

कानपुर (उप्र), 18 जनवरी (भाषा)।

डकैत से नेता बनीं दिवंगत पूर्व सांसद फूलन देवी की कथित संलिप्तता वाले चार दशक पुराने बेहमई कांड मामले में कानपुर की एक विशेष अदालत अब 24 जनवरी को अपना फैसला सुना सकती है।

विशेष जज सुधीर कुमार शनिवार को अपना फैसला सुनाने वाले थे। उन्होंने इस मामले की केस डायरी उपलब्ध न होने पर अदालत के कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जाहिर की और केस डायरी को 24 जनवरी से पहले अदालत में पेश करने को कहा।

फूलन देवी और उनके साथियों पर कानपुर देहात जिले के बेहमई गांव में 14 फरवरी 1981 को 20 लोगों की सामूहिक हत्या करने का आरोप है। माना जाता है कि फूलन ने लाला राम व श्रीराम नामक दो लोगों से अपने बलात्कार का बदला लेने के लिए उस वारदात को अंजाम दिया था।

फूलन ने 1983 में मध्य प्रदेश पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। बेहमई कांड में फूलन समेत 35 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उनमें से आठ आरोपी पुलिस से हुई अलग-अलग मुठभेड़ों में मारे गए थे। मुख्य अभियुक्त फूलन की 25 जुलाई, 2001 को नई दिल्ली में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। इस वक्त मामले के कुल सात अभियुक्त जिंदा हैं। उनमें से तीन फरार हैं। फूलन 11 साल तक मध्य प्रदेश की ग्वालियर और जबलपुर जेल में रहीं।

# आदिवासी छात्र की हत्या के आरोप में चौकीदार गिरफ्तार

भोपाल, 18 जनवरी (भाषा)।

प्रांतीय राजधानी के एक सरकारी आदिवासी बालक आश्रम शाला के सात वर्षीय छात्र सूरज खरते की हत्या के आरोप में पुलिस ने छात्रावास के चौकीदार को गिरफ्तार किया है। भोपाल के पटेल नगर इलाके में स्थित इस छात्रावास के शौचालय में बुधवार रात सूरज का शव मिला था।

पिपलानी थाने के प्रभारी निरीक्षक राकेश श्रीवास्तव ने शनिवार को बताया कि सूरज की हत्या के आरोप में छात्रावास के चौकीदार जगदीश कलावत (38) को शुक्रवार रात भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत गिरफ्तार किया गया। उन्होंने आरोपी के हवाले से बताया कि सूरज बुधवार रात शौचालय के बाहर खड़े होकर पेशाब कर रहा था। मना करने पर जब उसने चौकीदार की बात नहीं सुनी तो उसने गुस्से में आकर लोहे की सरिया से छात्र के सिर पर मारा। चोट लगने से सूरज बेहोश होकर वहीं गिर गया। चौकीदार ने बताया कि उसने राज खुलने के डर से बाद में बच्चे का गला घोंटकर हत्या कर दी।

श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार रात छात्रावास में ही रहने वाले सूरज के बड़े भाई नौ वर्षीय दीपक ने अपने भाई को तलघर के बाथरूम में पड़े देखा। सूचना मिलने पर छात्रावास अधीक्षक रेचल राम उसे पहले पास के निजी अस्पताल ले गई। बाद में सूरज को सरकारी जेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में शुक्रवार को प्रदेश सरकार द्वारा घटना की मजिस्ट्रीयल जांच और पीड़ित परिवार को दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई।

# रंजीत कुमार दास फिर असम भाजपा अध्यक्ष निर्वाचित

गुवाहाटी, 18 जनवरी (भाषा)।

भाजपा की असम इकाई के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास शनिवार को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इस पद पर पुनः निर्वाचित हुए। यह घोषणा मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पूर्वोत्तर लोकतांत्रिक गठबंधन (एनईडीए) के समन्वयक व राज्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में हुई पार्टी की बैठक में की गई। दास को अगले तीन साल के लिए पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है।

मुख्यमंत्री ने दास को बधाई देने के साथ ही जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए उनका शुक्रिया भी किया। उन्होंने कहा कि दास ने पार्टी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। एनईडीए के समन्वयक ने भी दास के पुनः निर्वाचन पर उन्हें बधाई दी। शर्मा ने कहा कि दास ने पार्टी में नई ऊर्जा का संचार किया है और मुझे विश्वास है कि साथ मिलकर हम भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाना जारी रखेंगे। दास ने कहा कि वह पार्टी कार्यकर्ताओं के शुक्रगुजार हैं, जिन्होंने उन्हें सेवा करने का एक और मौका दिया है।

# उधमपुर में 10 बच्चों की रहस्यमय बीमारी से मौत

जम्मू, 18 जनवरी (भाषा)।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में एक रहस्यमय बीमारी से कम से कम 10 बच्चों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से बीमार हैं।

शनिवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में इस खतरनाक बीमारी की वजह जानने के लिए डॉक्टरों के कई दल जांच कर रहे हैं। जिले के रामनगर ब्लॉक के कई गांवों में पिछले 15 दिन में बच्चों की मौत हुई हैं। बच्चे बुखार, उल्टी और पेशाब में दिक्कतों की शिकायत कर रहे हैं। उधमपुर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सी डोगरा ने बताया, 'प्रभावित क्षेत्र में हमारे सर्वेक्षण से पता चला है कि 10 बच्चों की मौत रामनगर ब्लॉक के 40 किलोमीटर के दायरे में रहस्यमय बीमारी की वजह से हुई है।'

डोगरा ने बताया कि चार साल से कम उम्र के तीन बच्चों का इलाज पीजीआई चंडीगढ़, दो का इलाज जम्मू के एसएमजीएस अस्पताल और एक का इलाज लुधियाना के अस्पताल में हो रहा है।


**इलाहाबाद बैंक** (भारत सरकार का उपक्रम) विश्वास की एक परंपरा | **इलाहाबाद बैंक** तिलक नगर, नई दिल्ली-110018

**कब्जा सूचना**
**(सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (1) के तहत)**

जैसे कि **इलाहाबाद बैंक, शाखा तिलक नगर नई दिल्ली** के अधोहस्ताक्षरी प्राधिकृत अधिकारी ने वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम सं.54) के तहत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर दिनांक **29.07.2019** को एक मांग सूचना जारी की थी जिसमें **कर्जदारों**- श्री सचिन कुमार पुत्र श्री शिव कुमार, श्रीमती कमलेश यादव पत्नी श्री शिव कुमार और श्रीमती रेखा यादव पत्नी श्री सचिन कुमार, सभी का निवास आरजेड-28, फेस-2, प्रेम नगर, नजफगढ़-110043 को नोटिस में उल्लेखित धनराशि **रूपये 8,68,690/- (रूपये आठ लाख अडसठ हजार छः सौ नब्बे मात्र) 28.07.2019 तक** से उक्त खाते में प्रभारित ब्याज, अन्य खर्चे व भुगतान सहित उक्त सूचना प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर पुनर्भुगतान करने के लिए कहा गया।

कर्जदारों/गारंटरों के राशि अदा कर पाने में असफल रहने पर कर्जदार/गारंटर और जन सामान्य को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 और 9 के साथ पढ़ी जाने के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर नीचे वर्णित संपत्ति का दिनांक **18.01.2020** को कब्जा ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों/गारंटरों तथा आम तौर पर जनता को इस संपत्ति के संबंध में कोई भी लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है। इस संपत्ति के साथ कोई भी लेन-देन **इलाहाबाद बैंक, शाखा-तिलक नगर, नई दिल्ली** को देय धनराशि **रूपये रूपये 8,68,690/- (रूपये आठ लाख अडसठ हजार छः सौ नब्बे मात्र)** के साथ-साथ आगे के प्रभारित ब्याज, अन्य खर्चे व भुगतान सहित अन्य खर्चे के अधीन होगा।

सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाए जाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 के उपधारा 8 के प्रावधान के लिए उधारकर्ताओं के ध्यान को आमंत्रितकिया जाता है।

**अचल संपत्ति का विवरण**

**फ्री होल्ड डीडीए बैल्ट यूपी एलआईजी फ्लैट नम्बर-19ए, ग्राउण्ड फ्लोर, जो बेर सराय, नई दिल्ली-110016 में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 49 वर्ग मीटर है।**

**दिनांकः 18.01.2020** **प्राधिकृत अधिकारी,**
**स्थानः नई दिल्ली** **इलाहाबाद बैंक**



**फुलरटन इण्डिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड**
Fullerton India
कॉर्पोरेट कार्यालय : फ्लोर 6, बी विंग, सुप्रीम आईटी पार्क, सुप्रीम सिटी, लेक कैसल के पीछे, पोवाई, मुम्बई 400 076
शाखा कार्यालय : बी-45/47, तीसरी मंजिल, निकट पीवीआर प्लाजा, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001

**कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)**
**(प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(1) के तहत)**

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 (2002 का 54) की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में फुलरटन इण्डिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय मेघ टॉवर्स, तीसरी मंजिल, पुराना नं. 307, नया नं. 165, पूनमएली हाई रोड मदुरावोयल, चेन्नई, तमिलनाडु-600095 तथा कॉर्पोरेट कार्यालय फ्लोर 5 एवं 6, बी विंग, सुप्रीम आईटी पार्क, सुप्रीम सुप्रीम सिटी, लेक कैसल के पीछे, पोवाई, मुम्बई 400 076 के अधिकृत प्राधिकारी होने के नाते निम्नलिखित कर्जदारों से कथित सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का पुनर्भुगतान करने को कहते हुए निम्नलिखित तिथि को माँग सूचना निर्गत की थी।

कर्जदारों के पुनर्भुगतान में असफल रहने के कारण एतद्वारा निम्नलिखित कर्जदारों तथा जनसामान्य को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों के उपभोग में नीचे वर्णित सम्पत्तियों पर निम्नलिखित तिथि को कब्जा कर लिया है :

| कर्जदार(रों)/जमानती (यों) का नाम | प्रतिभूत आस्ति (अचल सम्पत्ति) का विवरण | माँग सूचना की तिथि तथा राशि | कब्जा करने की तिथि |
|---|---|---|---|
| (लैन 166503110057806) 1. अपर इण्डिया ट्रेडिंग कं. डेल्ही (प्रा.) लि. निदेशक के माध्यम से 2. श्री सुनील सेठी, 3. श्रीमती सिम्मी सेठी 4. श्री राघव सेठी | लोथियान रोड कश्मीरी गेट दिल्ली 110006 पर स्थित बिल्ट सम्पत्ति सं. 1/1661-1662 के भूतल तथा बिल्ट अप मेजाइन एवं लोथियान रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110006 पर स्थित भवन निगम सं. 1663 वार्ड सं. 1 में भूतल तथा मेजाइन फ्लोर कवर्ड एरिया माप 89.7 वर्ग मीटर से निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग (स्वामित्व मैसर्स अपर इण्डिया ट्रेडिंग कं. प्रा.लि., दिल्ली) | 16.10.2019 11.10.19 तक रु. 10,28,64,185 (रुपये दस करोड़ अट्ठाईस लाख चौंसठ हजार एक सौ पिचासी मात्र) | 14.01.2020 सांकेतिक |
| (लैन 173001310244650) 1. राम राज मेडिकोज इसके प्रोपराइटर के माध्यम से 2. श्री अजय कुमार गुप्ता, 3. सुश्री अलका गुप्ता, 4. श्री सुधीर गुप्ता, 5. सुश्री सन्ध्या गुप्ता, 6. सुश्री राजकुमारी | सम्पत्ति सं. डब्ल्यूए-75, खसरा सं. 177 का भाग, ब्लॉक डब्ल्यूए, शकरपुर, दिल्ली 110092 में निर्मित सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग (माप 212 वर्ग गज) स्वामित्व : श्री अजय कुमार गुप्ता एवं श्रीमती राजकुमारी | 11.11.2019 07.11.19 तक रु. 2,30,05,434 (रुपये दो करोड़ तीस लाख पाँच हजार चार सौ चौंतीस मात्र) | 17.01.2020 सांकेतिक |

विशेष रूप से कर्जदारों तथा जनसामान्य को एतद्वारा सम्पत्ति से किसी प्रकार का संव्यवहार न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ किसी प्रकार का संव्यवहार ऊपर उल्लिखित राशि तथा उस पर ब्याज के लिए फुलरटन इण्डिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड के प्रभार का विषय होगा। प्रतिभूत आस्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय-सीमा के परिप्रेक्ष्य में कर्जदारों/जमानतियों/बंधककर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आमन्त्रित किया जाता है।

**स्थान : दिल्ली** **ह./- अधिकृत प्राधिकारी**
**तिथि : 17.01.2020** **फुलरटन इण्डिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड**



**पंजाब नैशनल बैंक** punjab national bank
...भरोसे का प्रतीक! ...the name you can BANK upon!
शाखा कार्यालय : डिप्टी गंज, बुलन्दशहर

**सांकेतिक कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)**

जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के साथ पठित धारा 13 के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में पंजाब नैशनल बैंक, शाखा कार्यालय : आरएपीसी भूर बुलन्दशहर का अधिकृत प्राधिकारी होने के नाते कर्जदार शम्भू सिंह लोधी पुत्र जय सिंह जनता कोल्ड स्टोरेज चार यार रोड निकट आवास विकास पुलिस चौक बुलन्दशहर 203001 से 31.07.2019 तक सूचना में उल्लिखित राशि रु. 2727771/- (रुपये सत्ताई लाख सत्ताईस हजार सात सौ इकहत्तर मात्र) तथा 01.04.2019 से प्रभावी अनुबन्ध दर पर भावी ब्याज एवं 04.08.2019 के पश्चात वसूली को घटाकर, यदि कोई हो, का सूचना की तिथि/ कथित सूचना(ओं) की तिथि की प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर पुनर्भुगतान करने को कहते हुए 04.08.2019 को एक माँग सूचना निर्गत की थी।

कर्जदार के पुनर्भुगतान में असफल रहने के कारण एतद्वारा कर्जदार तथा जनसामान्य को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने कथित नियमों के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों के उपभोग में नीचे वर्णित सम्पत्तियों पर 17 जनवरी, 2020 को सांकेतिक कब्जा कर लिया है।

प्रतिभूत आस्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय-सीमा के परिप्रेक्ष्य में कर्जदारों/जमानतियों/बंधककर्ताओं का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) की ओर आमन्त्रित किया जाता है।

विशेष रूप से कर्जदार तथा जनसामान्य को एतद्वारा सम्पत्ति से किसी प्रकार का संव्यवहार न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ किसी प्रकार का संव्यवहार रु. 2727771/- (रुपये सत्ताई लाख सत्ताईस हजार सात सौ इकहत्तर मात्र) तथा 01.04.2019 से प्रभावी अनुबन्ध दर पर भावी ब्याज एवं 04.08.2019 के पश्चात वसूली को घटाकर, यदि कोई हो, के लिए पंजाब नैशनल बैंक, शाखा कार्यालय : डिप्टी गंज, बुलन्दशहर के प्रभार का विषय होगा।

**अचल सम्पत्ति का विवरण**

आवासीय सह वाणिज्यिक का सम्पूर्ण भाग-जनता कोल्ड स्टोर, डबल स्टोरी माप 4430.00 वर्ग मीटर, खेत सं. 38.39 में से, चार यार रोड, निकट आवास विकास पुलिस चौकी, बुलन्दशहर-203001, एस.आर. कार्यालय बुलन्दशहर के साथ प्रथम वॉल्यूम 6393, पृष्ठ 67-86 में क्रम सं. 6265 पर 24.09.2016 को पंजीकृत। स्वामी : श्री प्रदीप कुमार एवं श्री मनोज कुमार पुत्र स्व. श्री. सुन्दर सिंह, श्री हरचरन सिंह, श्री शम्भू दयाल सिंह, श्री मदन लाल, श्री आनन्द स्वरूप पुत्र स्व. श्री जय सिंह।

सीमाएँ : पूर्व : श्री हरचरन सिंह एवं अन्य का प्लॉट, पश्चिम : पुलिस चौकी, उत्तर : कम चौड़ा रास्ता वाटर टैंक आवास विकास कॉलोनी, दक्षिण : सड़क एवं भवन का प्रवेश

**दिनांक : 17.01.2020** **अधिकृत प्राधिकारी**
**स्थान : बुलन्दशहर** **पंजाब नैशनल बैंक**



**कार्पोरेशन बैंक**
सार्वजनिक क्षेत्र का अग्रणी बैंक
बक्करवाला शाखा, द्वार नं. 59, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110041
ईमेल : cb1480@corpbank.co.in, वेबसाईट : www.corpbank.com

जबकि नीचे दिए गए पार्टियों ने बैंक से गहने को गिरवी रख कर ऋण लिया है और बार-बार मांगों के बावजूद इसके समान जारी करने या ब्याज का भुगतान करने में असफल रहे हैं और जबकि उन्हें जारी किए गए पंजीकृत नोटिस वापस कर दिए गए हैं इनकार कर दिया गया है या उनको लेने से मना कर वापस कर दिया है। नोटिस इसके अनुसार दी जाती है कि वे दिनांक 22.01.2020 तक इसे छुड़ाने की व्यवस्था करें अन्यथा परिसर शाखा कार्पोरेशन बैंक, बक्करवाला शाखा, द्वार नं. 59, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110041 ईमेल : cb1480@corpbank.co.in, वेबसाईट : www.corpbank.com में दिनांक 28.01.2020 को अपरांह 3.00 बजे के बाद या किसी अन्य सुविधाजनक तिथि को बिना किसी संदर्भ या नोटिस के बैंक को निश्चित कर देगा।

| शाखा का नाम, पता, फोन नं. और ई-मेल आईडी | कर्जदार का नाम | गोल्ड लोन नं | बकाया राशि (सुरक्षित ऋण) |
|---|---|---|---|
| बक्करवाला शाखा, द्वार नं. 59, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110041 ईमेल : cb1480@corpbank.co.in, वेबसाईट : www.corpbank.com, सम्पर्क हेतु : रोली जोहरी(9897732773); रविन्द्र सिंह (9991110650) | अजेश पुनिया पुत्र धर्मवीर | 560991171594517 | रु 4,67,873.00 |
| बक्करवाला शाखा, द्वार नं. 59, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110041 ईमेल : cb1480@corpbank.co.in, वेबसाईट : www.corpbank.com, सम्पर्क हेतु : रोली जोहरी(9897732773); रविन्द्र सिंह (9991110650) | निशा पत्नी अजेश कुमार | 560991171600377 | रु 2,42,344.00 |
| बक्करवाला शाखा, द्वार नं. 59, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली 110041 ईमेल : cb1480@corpbank.co.in, वेबसाईट : www.corpbank.com, सम्पर्क हेतु : रोली जोहरी(9897732773); रविन्द्र सिंह (9991110650) | संतोष वर्मा पत्नी विनय कुमार वर्मा | 560991001998313 | रु 94,009.00 |

दिनांक: 16.01.2020 स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, कार्पोरेशन बैंक



**अनुसूची-II**
**प्रपत्र बी**
**सार्वजनिक उद्घोषणा**
[भारत दिवाला तथा दिवालिया मंडल (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12 के अंतर्गत]
**न्यू जेन स्पेशिअलिटी प्लास्टिक्स लिमिटेड के स्टेकधारकों के ध्यानार्थ**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम | न्यू जेन स्पेशिअलिटी प्लास्टिक्स लिमिटेड |
| 2. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि | 11.10.2006 |
| 3. | वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है | कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली |
| 4. | कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या | U25209DL2006PLC154715 |
| 5. | कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता | ए-47, अरुणा पार्क, शकरपुर, न्यू संजय पार्क, ईस्ट दिल्ली-110092 |
| 6. | इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया समापन की तिथि | 16.8.2019 |
| 7. | कॉर्पोरेट ऋणधारक का परिसमापन शुरू होने की तिथि | 6.1.2020 (परिसमापन शुरू होने की जानकारी परिसमापक को 16.1.2020 को प्राप्त हुई) |
| 8. | परिसमापक का नाम, पता, ईमेल का पता, टेलीफोन नम्बर तथा पंजीकरण संख्या | सीए अनिल कुमार<br>पताः 303, चन्द्रा जीएचएस लिमिटेड, प्लॉट नं. 64, सेक्टर-55, गुरुग्राम-122011<br>ईमेल आईडीः anil2566@gmail.com<br>newgen.cirp@gmail.com<br>टेलीफोनः +91-9999458899, +91-9873121883<br>पंजी. सं.: IBBI/IPA-001/IP-P00144/2017-2018/10308 |
| 9. | दावे जमा करने की अंतिम तिथि | 15.2.2020 |

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, मंडल पीठ, दिल्ली III ने 6.1.202 को न्यू जेन स्पेसिअलिटी प्लास्टिक्स लिमिटेड का परिसमापन शुरू करने का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा न्यू जेन स्पेसिअलिटी प्लास्टिक्स लिमिटेड के स्टेकधारकों को निर्देश दिया जाता है कि आइटम नं. 8 में वर्णित पते पर परिसमापक के पास 15.2.2020 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स प्रमाण के साथ व्यक्तिगत या डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

हस्ता./-
तिथिः 19.1.2020 **सीए अनिल कुमार, परिसमापक**
स्थानः गुरुग्राम **पंजी. सं. IBBI/IPA-001/IP-P00144/2017-2018/10308**



**टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनांस लिमिटेड**
TATA
पंजीकृत कार्यालयः 11वां तल, टावर ए, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, गणपत राव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुम्बई-400013, CIN No. U67190MH2008PLC187552

**कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिये)**
**(प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 (1) के अनुसार)**

जैसा कि वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनांस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना नीचे वर्णित रूप में जारी कर ऋणधारकों को सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतदद्वारा ऋणधारक, तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय नीचे वर्णित तिथि से उस पर बयाज तथा दंड ब्याज, चार्जेज, लागत आदि के साथ नीचे वर्णित राशि के लिये टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनांस लिमिटेड के चार्ज के अधीन होगा।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिये उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

| ऋण खाता सं. | देनदार/सांविधिक उत्तराधिकारी/ सांविधिक प्रतिनिधि (यों) का नाम | मांग सूचना के अनुसार राशि | कब्जा की तिथि |
|---|---|---|---|
| 9209312 | श्री आदित्य श्रीवास्तव (ऋणधारक) एवं श्रीमती सोभा श्रीवास्तव (सह-ऋणधारक) | 31 जनवरी, 2019 को रु. 21,09,120/- | 14 जन. 2020 |

**प्रतिभूत परिसम्पत्तियों/अचल सम्पत्तियों का विवरणः** सेक्टर 77, फरीदाबाद, हरियाणा-121001, क्षेत्रफल माप 1025.00 वर्ग फीट में वीपीटीपी पार्क के नाम से विदित प्रॉजेक्ट, एलिट फ्लोर, पार्कलैंड में भू तल पर स्थित आवासीय फ्लैट/ यूनिट नं. पीसी-73 का सभी भाग तथा हिस्सा।

**टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनांस लिमिटेड के लिए**
तिथिः 19.1.2020 हस्ता./-
स्थानः फरीदाबाद **प्राधिकृत अधिकारी**



**प्रपत्र सं. यूआरसी-2**

**अधिनियम के शीर्षक XXI के भाग 1 के अंतर्गत पंजीकरण के विषय में सूचना देने के लिए विज्ञापन [कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 374 (बी) तथा कम्पनीज (पंजीकर

# आस्ट्रेलियाई ओपन पर धुएं का कहर

## फेडरर ने संवादहीनता पर आयोजकों को कोसा

मेलबर्न, 18 जनवरी (एएफपी)।

जंगलों में लगी आग के कारण फैले धुंए से आस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारियों पर असर पड़ा है। आयोजकों को प्रदूषण को लेकर नए दिशानिर्देश जारी करने पड़े। रोजर फेडरर ने वायु गुणवत्ता को लेकर शनिवार को बेहतर संवाद की मांग की। बीस बार के ग्रैंडस्लैम विजेता फेडरर ने कहा कि संवादहीनता के कारण खिलाड़ियों के लिए स्थिति और बुरी बन गई है। उन्हें शनिवार और बुधवार को मजबूर होकर कोर्ट पर उतरना पड़ा जबकि इन दिनों मेलबर्न की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब में से एक आंकी गई थी।

स्लोवेनिया की डालिला जाकुपोविच को लगातार खांसी के कारण मैच से हटना पड़ा जबकि ब्रिटेन के लियाम ब्राडी ने दावा किया कि कई खिलाड़ियों को अस्थमा का उपचार करवाना पड़ा। फेडरर ने कहा कि मेरा मानना है कि टूर्नामेंट के आयोजकों का लोगों, मीडिया, प्रशंसकों, खिलाड़ियों से संवाद बेहद जरूरी है।

विश्व में नंबर छह स्टीफेनोस सिटसिपास अन्य खिलाड़ी हैं जो धुंध से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि मेलबर्न में इंडोर कोर्ट पर अभ्यास करने के बावजूद उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। उन्होंने कहा कि मैं लगातार खांस रहा था। मुझे दो घंटे तक सांस लेने में परेशानी हुई। कनाडा के युवा डेनिस शापोवालोव ने कहा कि अगर टूर्नामेंट के दौरान स्थिति बिगड़ती है तो वह नहीं खेलेंगे।

मुकाबले के लिए तैयार स्टेडियम के बाहर से गुजरती महिला।

इस बीच आस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों ने क्वालीफाईंग के दौरान जहरीले धुएं को लेकर कड़ी आलोचना के बाद शनिवार को वायु गुणवत्ता रेटिंग के मानक तय किए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कब खेल रोकना है।

आयोजकों ने मेलबर्न पार्क के निगरानी केंद्रों द्वारा मापे गए प्रदूषकों के आधार पर शनिवार को पांच स्तरीय वायु गुणवत्ता रेटिंग जारी की। अगर 'पार्टिकुलेट मैटर रेटिंग' (पीएम 2.5) 200 तक पहुंचती है तो खेल रोक दिया जाएगा। यदि यह 97 से 200 के बीच रहती है तो चिकित्सक और आयोजक इस पर विचार करेंगे कि क्या मैच जारी रखना चाहिए। मैच रेफरी को अगर लगता है कि खेल रोक देना चाहिए तो वह ऐसा कर सकता है। नियम सभी बाहरी कोर्ट पर लागू होगा जबकि ग्रैंडस्लैम के तीन एरेना में तभी तक खेल रोका जाएगा जब तक कि उन्हें छत से ढक नहीं दिया जाता।

**निर्देश जारी**

पीएम 2.5 : 200 – खेल रोका जाएगा

पीएम 2.5 : 97–200 – समीक्षा होगी खेल रोका जाए या नहीं

"टूर्नामेंट के आयोजकों का लोगों, मीडिया, प्रशंसकों, खिलाड़ियों से संवाद बेहद जरूरी है क्योंकि आप सुन रहे हैं कि बाहर निकलना सुरक्षित नहीं है।
**–रोजर फेडरर**

"मैं 20 साल का हूं। मैं अपनी जिंदगी को खतरे में नहीं डाल सकता। मैं ऐसी परिस्थितियों में खेलकर अपने स्वास्थ्य को जोखिम में नहीं डाल सकता।
**–डेनिस शापोवालोव**

# भारत ने एफआइएच प्रो लीग पदार्पण में नीदरलैंड को हराया

भुवनेश्वर, 18 जनवरी (भाषा)।

हॉकी

भारतीय पुरूष हाकी टीम ने शनिवार को यहां दो मैच के मुकाबले में शुरूआती भिड़ंत में दुनिया की तीसरे नंबर की टीम नीदरलैंड को 5–2 से हराकर एफआइएच प्रो लीग में स्वप्निल पदार्पण किया। रूपिंदर पाल सिंह ने 12वें और 46वें मिनट में दो पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जबकि गुरजांत सिंह ने पहले ही मिनट में और मंदीप सिंह ने 34वें और ललित उपाध्याय ने 36वें मिनट में शानदार मैदानी गोल दागे।

नीदरलैंड के लिए जिप जानसेन ने 14वें और जेरोएन हर्टबर्गर ने 28वें मिनट में गोल किए। प्रो लीग के पहले चरण में नहीं खेलने वाली भारतीय टीम ने तोक्यो ओलंपिक की तैयारियों की आदर्श शुरूआत की। भारतीय टीम अब रविवार को दूसरा मुकाबला खेलेगी।

भारतीयों ने गुरजांत की मदद से 30 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बनाकर शानदार शुरूआत की। गुरजांत ने स्ट्राइकर मंदीप की मदद से नीदरलैंड के गोलकीपर पिरमिन ब्लाक को पछाड़ते हुए गोल किया। भारत ने 12वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी जब रूपिदर ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला।

दो मिनट बाद नीदरलैंड ने जानसेन के पेनल्टी कार्नर को शानदार तरीके से गोल में बदलने से अंतर कम किया। 20वें मिनट में नीदरलैंड को लगातार तीसरा पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन भारतीय रक्षात्मक पंक्ति ने उन्हें सफलता हासिल नहीं करने दी। अमित रोहिदास ने दो बार जानसेन को रोका और भारतीय गोलकीपर पी आर श्रीजेश ने तीसरे प्रयास में मिंक वान डर वीरडेन की ड्रैगफ्लिक को गोलपोस्ट में नहीं जाने दिया।

श्रीजेश ने शानदार बचाव से ब्योर्न केलरमैन को भी कामयाबी नहीं हासिल करने दी। दूसरे क्वार्टर के अंत में दो मिनट पहले नीदरलैंड ने हर्टबर्गर के मैदानी गोल से स्कोर 2–2 से बराबर कर दिया जो हाफ टाइम तक बरकरार रहा।

ब्रेक के बाद भारतीय टीम जोश से भर गई और तीसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में मंदीप ने कप्तान मनप्रीत के पास से गोल कर बढ़त दिलाई। एक मिनट बाद भारत को एक और पेनल्टी कार्नर मिला लेकिन रूपिंदर का ड्रैग फ्लिक शाट दूर चला गया। ललित ने घरेलू टीम की बढ़त बढ़ाई, उन्होंने हरमनप्रीत की मदद से करीब से गोल किया।

भारतीय रक्षात्मक पंक्ति भी चुस्त थी और उन्होंने प्रतिद्वंद्वी टीम के तीन पेनल्टी कार्नर को रोका।

# बांग्लादेश के बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण कोच पाक दौरे से हटे

ढाका, 18 जनवरी (भाषा)।

बांग्लादेश के बल्लेबाजी कोच नील मैकेंजी और क्षेत्ररक्षण कोच रेयान कुक पाकिस्तान के आगामी दौरे के पहले चरण से हट गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने कहा कि टीम कोचिंग स्टाफ के पांच सदस्यों के बिना पाकिस्तान दौरे पर जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर मैकेंजी और कुक जहां खुद ही दौरे से हटे हैं वहीं बीसीबी ने इस कम अवधि की श्रृंखला के लिए स्पिन सलाहकार डेनियल विटोरी को नहीं बुलाने का फैसला किया। टीम विश्लेषक श्रीनिवास चंद्रशेखरन के नाम पर भी विचार नहीं किया गया क्योंकि वह भारतीय नागरिक हैं जबकि अनुकूलन कोच मारिया विल्लावारायन के हाथ में चोट लग गई है। अकरम ने कहा कि हाल में मारियो का हाथ टूट गया था जबकि टीम विश्लेषक स्काइपी के जरिए टीम के साथ काम करेंगे।

मैकेंजी और क्षेत्ररक्षण कोच भी नहीं जाएंगे जबकि हमने अभी तक अपने नए गेंदबाजी कोच की पुष्टि नहीं की है। इससे पहले विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया था।

# स्वर्ण पदक दिखाता है कि हम सही दिशा में : विनेश

नई दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा)।

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने सत्र के शुरुआती रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस जीत के बाद उन्होंने कहा कि इससे दिखता है कि ओलंपिक वर्ष में उनकी तैयारियां सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं। विनेश ने 53 किग्रा वजन वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान चीन की दो कड़ी प्रतिद्वंद्वियों को मात दी। फाइनल में इक्वाडोर की लुईसा एलिजाबेथ वालवरडे को पराजित किया।

तोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए पदक की प्रबल दावेदार विनेश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से हमारी ट्रेनिंग की परीक्षा होती है। इससे हमें पता चलता है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं? इसलिए यह नतीजा दिखाता है कि हम सही राह पर हैं क्योंकि यह बड़ा वर्ष है, यह ओलंपिक वर्ष है।

**विनेश ने यूक्रेन की क्रिस्टिना बेरेजा (10-0) और चीन की लैनुआन लुओ (15-5) को तकनीकी श्रेष्ठता से हराने के बाद सेमी फाइनल में कियानयु पांग (4-2) को पराजित किया। फाइनल में इक्वाडोर की लुईसा एलिजाबेथ वालवरडे को पराजित किया।**

विनेश ने यूक्रेन की क्रिस्टिना बेरेजा (10–0) और चीन की लैनुआन लुओ (15–5) को तकनीकी श्रेष्ठता से हराने के बाद सेमी फाइनल में कियानयु पांग (4–2) को पराजित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता में, मैंने उन लड़कियों के साथ हिस्सा लिया जिनके साथ मैंने पहले कभी कुश्ती नहीं की और पांग के खिलाफ मैं तीसरी बार भिड़ रही थी। यह जानना अहम था कि उनकी शैली में कुछ बदलाव हुआ है या नहीं। इन टूर्नामेंट से आपको खुद का और प्रतिद्वंद्वी का भी आकलन करने में मदद मिलती है।

कोच वोलर एकोस के साथ वह अपनी शैली में जरूरी बदलाव लाने की कोशिश में जुटी हैं और इससे अच्छे नतीजे भी मिले हैं। लेकिन वह जो हासिल करना चाहती हैं, उससे अब भी थोड़ी दूर हैं। विनेश ने कहा कि जब कोई टूर्नामेंट नहीं था, उस दौरान तीन महीनों में अपनी मजबूती और स्टैमिना पर काम किया। मैट पर ट्रेनिंग जनवरी में ही शुरू हुई। मैं ज्यादातर अंक खड़े होकर कुश्ती करने से ही हासिल करती हूं, मैट पर कुश्ती से इतने अंक नहीं जुटा पाती। बदलाव करना आसान नहीं है लेकिन पिछले साल जनवरी की तुलना में अब मैं थोड़ी बेहतर हुई हूं इसलिए कोच खुश हैं।

# भारत-आस्ट्रेलिया में निर्णायक मुकाबला आज

बंगलुरु, 18 जनवरी (भाषा)।

विश्व की दो दिग्गज टीमों भारत और आस्ट्रेलिया के बीच रविवार को होने वाले तीसरे और निर्णायक मैच में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। इसमें दोनों टीमें श्रृंखला पर कब्जा जमाकर एक दूसरे पर बादशाहत कायम करने की कोशिश करेंगी। इस श्रृंखला के शुरू से ही रोमांचक होने की उम्मीद थी लेकिन जिस तरह से आस्ट्रेलिया ने पहले मैच में एकतरफा जीत दर्ज की उससे एकबारगी लगने लगा था कि वह भारत में लगातार दूसरी श्रृंखला जीतने में कामयाब रहेगा।

भारत ने हालांकि राजकोट में हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करके शानदार वापसी की। उसने साबित कर दिया कि मुंबई में दस विकेट से हार के बाद हायतौबा मचाना जल्दबाजी थी। सबसे अहम बात रही कि भारत दूसरे वनडे में अपने बल्लेबाजी संयोजन को ढर्रे पर ले आया। रोहित शर्मा और शिखर धवन ने पारी का आगाज किया। वहीं कप्तान विराट कोहली अपने पसंदीदा तीसरे नंबर पर उतरे और श्रेयस अय्यर चौथे नंबर पर आए। रविवार को भी यही बल्लेबाजी क्रम बरकरार रहने की संभावना है। रोहित शुक्रवार को क्षेत्ररक्षण करते समय चोटिल हो गए थे लेकिन कोहली को विश्वास है कि यह स्टार सलामी बल्लेबाज चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले निर्णायक मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेगा।

आस्ट्रेलिया भी हार के बाद बहुत ज्यादा बदलाव करेगा ऐसी संभावना नहीं है। कुलदीप के ओवर में दो विकेट गंवाने से पहले वह लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में बना हुआ था। बेहतरीन फॉर्म में चल रहे मार्नस लाबुशेन ने अपनी पहली वनडे पारी में प्रभाव छोड़ा। मिशेल स्टार्क ने पिछले मैच में दस ओवर में 78 रन लुटाए लेकिन वह वापसी के लिए प्रतिबद्ध होंगे। उनके साथ नई गेंद संभालने वाले पैट कमिंस की गेंदों पर रन बनाना फिर से आसान नहीं रहा।

**आस्ट्रेलिया** ने पहले मैच में भारत पर एकतरफा जीत दर्ज की

**भारत** ने राजकोट में हर विभाग में बेहतरीन प्रदर्शन करके शानदार वापसी की

**आस्ट्रेलिया** हार के बाद बहुत ज्यादा बदलाव करेगा ऐसी संभावना नहीं है

# मुख्य ड्रॉ में पहुंचे प्रजनेश, दूसरे दौर में नोवाक से हो सकती है भिड़ंत

मेलबर्न, 18 जनवरी (भाषा)।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन ने शनिवार को 'लकी लूजर' के तौर पर आस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। अगर वह पहली बाधा पार करने में सफल रहते हैं तो दूसरे दौर में उनका मुकाबला विश्व के नंबर दो नोवाक जोकोविच से हो सकता है।

प्रजनेश क्वालीफाईंग दौर के अपने अंतिम मैच में लातविया के अर्नेस्ट गुलबिस से सीधे सेटों में हार गए थे लेकिन भाग्य के सहारे वह मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में सफल रहे। बाएं हाथ से खेलने वाले प्रजनेश लगातार पांचवीं बार किसी ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रॉ में खेलेंगे। चेन्नई के इस खिलाड़ी ने पिछले साल क्वालीफायर के जरिए आस्ट्रेलियाई ओपन में जगह बनाई थी लेकिन विंबलडन, फ्रेंच ओपन और यूएस ओपन में बेहतर रैंकिंग के आधार पर उन्होंने मुख्य ड्रॉ में स्थान पाया था। प्रजनेश को शुरू में अच्छा ड्रॉ मिला है। उनका पहला मुकाबला जापान के तात्सुमो इटो से होगा जो भारतीय खिलाड़ी से 22 पायदान नीचे 144वीं रैंकिंग पर काबिज हैं। यह इन दोनों के बीच पहला मुकाबला होगा।

# लाहिड़ी संयुक्त 84वें स्थान पर खिसके

ला क्विंटा (अमेरिका), 18 जनवरी (भाषा)।

भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी यहां द अमेरिकन एक्सप्रेस गोल्फ चैंपियनशिप के दूसरे दौर में दो डबल बोगी कर बैठे जिससे उन्होंने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। लाहिड़ी शुक्रवार तक संयुक्त 74वें स्थान पर थे लेकिन स्टेडियम कोर्स पर डबल बोगी से संयुक्त 84वें स्थान पर खिसक गए। वह अभी चार अंडर पर हैं। इस भारतीय ने पांचवें होल में पार–5 पर बर्डी की। इसके बाद सातवें, 12वें, 13वें, 16वें और 17वें होल में बर्डी की जबकि वह छठे और 18वें होल में डबल बोगी कर बैठे।

# सानिया ने जीता होबार्ट में खिताब

होबार्ट, 18 जनवरी (भाषा)।

सानिया मिर्जा ने वापसी पर स्वप्निल शुरुआत करते हुए शनिवार को नादिया किचनोक के साथ मिलकर होबार्ट इंटरनेशनल का युगल खिताब जीता। भारत और यूक्रेन की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी ने शुहाई पेंग और शुहाई झांग की दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी को एक घंटे 21 मिनट तक चले मैच में 6–4, 6–4 से हराया।

सानिया बेटे इजहान के जन्म के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रही थी। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने इस तरह से ओलंपिक वर्ष में शानदार शुरुआत की और आस्ट्रेलियाई ओपन के लिए भी पुख्ता तैयारियों का सबूत पेश किया। सानिया बेटे के जन्म के कारण 2018 और 2019 के सत्र में डब्लूटीए सर्किट में नहीं खेली थीं।

सानिया और नादिया ने पहले गेम में ही चीनी खिलाड़ियों की सर्विस तोड़ी लेकिन अगले गेम में उन्होंने सर्विस गंवा दी। दोनों जोड़ियों के बीच इसके बाद 4–4 तक करीबी मुकाबला देखने को मिला। सानिया और नादिया को नौवें गेम में ब्रेक प्वाइंट मिला जिसके बाद उन्होंने आसानी से पहला सेट अपने नाम किया।

खिताब के साथ नादिया किचनोक और सानिया मिर्जा।

चीनी जोड़ी का खेल दूसरे सेट के शुरू में भी अच्छा नहीं रहा और उन्होंने तीसरे गेम में सर्विस गंवा दी। उन्होंने हालांकि ब्रेक प्वाइंट लेकर फिर से वापसी की। सानिया और नादिया छठे गेम में 0–30 से पीछे थी लेकिन पेंग और झांग ने उन्हें सर्विस बचाए रखने का मौका दिया। इससे भारत और यूक्रेन की जोड़ी ने 4–2 से बढ़त बनाई। चीनी टीम ने हालांकि संघर्ष जारी रखा और आठवें गेम में ब्रेक प्वाइंट से स्कोर 4–4 से बराबर कर दिया।

सानिया और नादिया ने हालांकि नौवें गेम में चीनी जोड़ी की सर्विस तोड़ दी और अगले गेम में अपनी सर्विस बचाकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत से सानिया और नादिया को 13580 डॉलर की इनामी राशि मिली। दोनों को अलग अलग 280 रैंकिंग अंक भी मिले।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 63, *हवाई शुल्क:* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता
रविवारी
• 19 जनवरी, 2020 •

**प्रेम में विफल युवाओं के लड़कियों के चेहरे पर तेजाब फेंकने की घटनाएं हमारे समाज के लिए बड़ी चिंता का विषय हैं। इस पर काबू पाने के लिए कड़े कानून हैं। पीड़िता के पुनर्वास की योजनाएं भी हैं। मगर ऐसी लड़कियों के प्रति अब भी न तो समाज का नजरिया सकारात्मक देखा जाता है और न पुलिस प्रशासन का अपेक्षित सहयोग मिल पाता है। इस समस्या पर काबू पाने के मकसद से काम कर रहे अनेक समाजसेवियों का मानना है कि इस मामले में अब भी समाज में जागरूकता की कमी है। अभी एक फिल्म आई है 'छपाक', जिसमें तेजाब हमले की पीड़िता के दर्द के माध्यम से लोगों में जागरूकता लाने का प्रयास किया गया है। मगर यह समस्या अब भी कम होती नहीं दिख रही, बता रही हैं मीना।**

# कुंठा का तेजाब

जब उसने मेरे ऊपर तेजाब डाला था तो मुझे लगा कि मेरे ऊपर गर्म पानी डाल दिया है। थोड़ी देर में चेहरे से गंदी बदबू और धुंआ निकलने लगा। मैं सड़क पर तड़पती रही। कोई मुझे इसलिए नहीं बचा रहा था, क्योंकि जो भी मुझे पकड़ रहा था उसका हाथ जल रहा था। मुझे बोरे में डाल कर अस्पताल लेकर गए। 2009 में तेजाब हमले की शिकार हुईं ओडिशा की प्रमोदिनी राऊल अपनी आपबीती बताते हुए भावुक हो जाती हैं। वे कहती हैं कि मैं तो बचपन से ही पुरुष के विलास का भोग रही थी। जब छोटी थी तब मेरे ही बुआ के बेटे ने मेरा यौन शोषण कई साल तक किया। और जब सोलह साल की हुई तब सेना के जवान ने 2009 में मुझ पर तेजाब फेंक दिया था। वह कश्मीर से एक समूह के साथ कुछ समय के लिए ओडिशा आया था।

प्रमोदिनी पर तेजाब की यह पहली घटना नहीं थी, बल्कि भारत में आज भी हर साल तीन से पांच सौ मामले तेजाब के दर्ज किए जाते हैं। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नाल्सा) की रिपोर्ट बताती है कि तेजाब की घटनाएं जेंडर आधारित हैं। ये घटनाएं लड़की द्वारा लड़के के प्रस्ताव को ना कहने पर, यौन संबंध को ना कहने पर, संपत्ति विवाद, घरेलू हिंसा इत्यादि कारणों होती हैं।

तेजाब हमले में अस्सी फीसद जल चुकीं ओडिशा की प्रमोदिनी राऊल बताती हैं कि उस सैनिक से मेरी ना नहीं झेली गई। वह शादी के लिए जबर्दस्ती कर रहा था। और एक दिन जब मैं कॉलेज जा रही थी तब उसने मुझ पर हमला किया। उसके हाथ में एक बोतल थी। मुझे नहीं पता था कि उसके हाथ में तेजाब था। उस घटना के बाद मेरी रोशनी चली गई थी। नौ महीने तक आइसीयू में थी। उस समय तेजाब को लेकर कोई कानून नहीं था। तो अस्पताल का खर्च भी हमें खुद ही देना पड़ रहा था। प्रमोदिनी राऊल बताती हैं कि घटना के बाद जब अस्पताल गए, तो वहां मेरे ऊपर पंद्रह दिन तक पानी तक नहीं डाला गया था। किसी को फिक्र ही नहीं थी कि एक लड़की दर्द से तड़प रही है। जिला अस्पताल ने केवल बैंडेज लगा दिया था। जब बड़े अस्पताल में भेजा था तब रास्ते में वैन खराब हो गई और मैं पूरी रात सड़क पर रही। फिर जब कटक अस्पताल में पहुंचे तो तीन दिन तक अस्पताल में जमीन पर सुलाया गया२। फिर कैबिन में लेकर गए। तब तक मेरा मांस अंदर ही अंदर गलने लगा था। मेरी दोनों आंखें बाहर आ गईं थीं। इलाज का खर्च इतना महंगा था कि मुझे घर ले आए।

2009 से 2014 तक मैं बिस्तर पर थी। न मैं बैठ पा रही थी न खड़ी हो पा रही थी। 2014 में मेरे दोस्तों ने मेरी मदद की। 2012 में पुलिस ने मेरे केस को बंद कर दिया था। मैं 2016 में 'छांव' से जुड़ी और वहां काम करना शुरू किया। फिर 2017 में मेरी एक आंख का प्रत्यारोपण हुआ। फिर मैंने केस दुबारा खुलवाया। लेकिन पुलिस कह रही थी इतने पुराने केस को दुबारा मत खुलवाओ। लेकिन प्रमोदिनी राऊल ने जिद ठान ली थी इंसाफ की। वे कहती हैं कि उस आरोपी को गिरफ्तार कराना आसान नहीं था, क्योंकि वह एक सैनिक था। उसे गिरफ्तार कराने के लिए सबूत जमा करने में मुझे दो साल लग गए। ओडिशा के मुख्यमंत्री ने मेरी मदद की और फिर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। संघर्ष करने में मुझे दस साल लग गए और अब भी जारी है।

प्रमोदिनी राऊल के साथ यह हादसा तब हुआ था जब तेजाब को लेकर देश में कानून नहीं था। लेकिन 2013 में लक्ष्मी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों को निर्देश दिया कि तेजाब की बिक्री को नियमों के अंतर्गत लाया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया कि अब तेजाब बिना लाइसेंस के नहीं बेचा जाएगा। पहचान पत्र दिखा कर ही तेजाब खरीदा जा सकता है। और अठारह साल से कम उम्र के क्रेता को यह नहीं बेचा जाएगा। यही नहीं, तेजाब पीड़िता लक्ष्मी अग्रवाल ने स्टॉप सेल एडिस नाम से अभियान भी चलाया। 2013 में क्रीमिनल लॉ में संशोधन कर अनुच्छेद 326ए और 326बी जोड़ा गया, जिसके तहत तेजाब फेंकने के लिए सजा का प्रावधान है।

पर सवाल है कि क्या वाकई इन सभी कानूनों का असर जमीनी स्तर पर हो रहा है। क्योंकि तेजाब सर्वाइवर्स फाउंडेशन इंडिया के आंकड़े कुछ और ही सच्चाई बयान करते हैं। आंकड़े बताते हैं कि तेजाब के 2012 में 106, 2013 में 122 और 2014 में 309 मामले रिपोर्ट किए गए। कानून होने के बावजूद आज भी तेजाब की घटनाएं बढ़ रही हैं।

आज तेजाब पर जागरूकता के लिए 'छपाक' जैसी फिल्में बन रही हैं। मगर पीड़ितों के मन में आज भी यही शंका है कि क्या फिल्में बनने से तेजाब की घटनाएं रुक जाएंगीं। जाहिर है नहीं। घटनाएं रुकेंगी तो नहीं, पर समाज में ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशीलता जरूर आएगी। साल 2014 में अपने जीजा की नफरत का शिकार हुई और सजने-संवरने का शौक रखने वाली मुंबई की रेशमा कुरैशी बताती हैं कि जब मेरे ऊपर तेजाब फेंका गया था, तब मदद के लिए कोई सामने नहीं आया था। मैं और मेरी बहन भरे बाजार में जलन से चीखते रहे। दवा खाने गए, तो उन्होंने कहा कि पहले पुलिस को बताओ फिर इलाज करेंगे। रेशमा कहती हैं कि 'छपाक' के ट्रेलर के बाद भी हमले हुए। यह अच्छी बात है कि मामले को इतने बड़े पर्दे पर दिखाया जा रहा है। लेकिन इससे भी कुछ होने वाला नहीं है।

सरकार भी तेजाब बेचना बंद नहीं करवा रही है। सरकार इलाज के लिए तीन लाख रुपए देती है, उससे क्या होगा। पूरा चेहरा आंख सब खत्म हो गई थी। चेहरा बहुत मायने रखता है और वही खराब हो गया। आत्मविश्वास खो चुका था। खुद को खत्म करना चाहती थी, लेकिन बाद में समझ आया कि मेरी जैसी और भी लड़कियां हैं, जो ऐसी परेशानी से जूझ रही हैं। फिर मैंने ठाना कि अब जीना है। आरोपी को सजा दिलानी है।

रेशमा बताती हैं कि मेरी बहन को उसके ससुराल वालों ने जलाने की कोशिश की। उसको मेरे घर वाले इलाहबाद से मुंबई ले आए। बहन के लड़के को स्कूल से जीजा उठा कर ले गया। फिर हमने मुकदमा कर दिया। जिस दिन कोर्ट से बच्चा हमें मिलने वाला था, उस दिन मैं और मेरी बहन वहां जा रहे थे। तभी रास्ते में उसने हम पर तेजाब डाल दिया। मैं घर में सबसे छोटी थी। सब मुझसे ज्यादा प्यार करते थे। इसलिए उसने मेरे ऊपर तेजाब डाला। ताकि बाकी सबको सबक सिखा सके। मैं उस समय सत्रह की थी। और आज वही आदमी आज कोर्ट में मुझसे शादी करने की बात कहता है। रेशमा गुस्से में तमतमा कर कहती है कि मेरा बस चले तो उसे जिंदा ही न छोड़ूं। लेकिन रेशमा अपने साथ हुए हादसे को याद करते ही कांप जाती और कहती है कि मैं उस भयानक समय को भूल नहीं पाती। आज भी उसे देख कर मेरे हाथ-पैर कांपने लगते हैं। ■

## प्रशासन का लचर रवैया

तेजाब पीड़िता लक्ष्मी की कहानी पर आधारित फिल्म 'छपाक' सिनेमाघरों में आने के बाद एडवोकेट अनुजा कपूर का मानना है कि 'छपाक' से पहले भी कई सेमिनार, अंतरराष्ट्रीय बैठकें और मीडिया में मामला आता रहा है, लेकिन कुछ खास फर्क नहीं पड़ा। छपाक जैसी फिल्में 'विक्टिमाइजेशन' को 'ग्लोरीफाई' करती हैं। ये एक विफलता है।

एडवोटकेट और सामाजिक कार्यकर्ता अनुजा ने 2018 में एक याचिका डाली, जिसमें उन्होंने मांग की कि दुकानों पर अवैध रूप से तेजाब बिक्री पर रोक लगनी चाहिए। वे कहती हैं कि तेजाब 'हेट क्राइम' है। यह पितृसत्तात्मक नजरिया है। अनुजा सवाल करती हैं कि प्रशासन द्वारा दुकानदारों के तेजाब बेचने पर कोई पहचान या लाइसेंस की पुष्टि नहीं की जाती। कोई ऑडिट नहीं होता। इस वजह से खुले तौर पर तेजाब बिक रहा है। केंद्र सरकार ने डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग (डीओपीटी) के तहत तय किया है कि तेजाब अटैक पीड़िता को सरकारी नौकरी दी जाए। मगर किसी को नौकरी नहीं मिली। सरकार के पास इसका कोई आंकड़ा नहीं है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में राइट आफ परसन विथ डिसएबिलिटी एक्ट 2016 है, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय में भी तेजाब से पीड़ित बच्चों के लिए सीट आरक्षित रहेंगी, लेकिन यहां पर भी कुछ नहीं हुआ।

प्रशासन के लचर रवैए की ही शिकार हुईं असम की रुपमा बताती हैं कि 6 नवंबर, 2013 को मेरे ऊपर तेजाब फेंका गया। उस समय मैं अठारह साल की थी और कॉलेज में दाखिला लिया था। रुपमा पर हमला करने वाला और कोई नहीं, बल्कि होम ट्यूटर था, जिसने उसे दसवीं तक पढ़ाया था। रुपमा बताती हैं कि वो मुझे पसंद करता था और मुझसे शादी करना चाहता था। वह पहले से शादीशुदा था और उसका एक बच्चा भी था। फिर मेरे परिवार ने उसको हटा दिया था। उसने दो साल तक मेरा पीछा किया। और जब उसे पता चला कि कॉलेज में मेरा बॉयफ्रेंड है तो उससे यह सहन नहीं हुआ कि मैं उसे छोड़ कर किसी और से प्यार करती हूं। और एक दिन असम में रात की पूजा से पूरे परिवार के साथ घर वापस आ रही थी तब उसने मेरे दरवाजे के सामने मेरे चेहरे पर तेजाब फेंक दिया।

कुछ देर बाद स्थानीय सरकारी अस्पताल में पहुंची तो डॉक्टरों ने बोला कि हमें नहीं पता कि इसका क्या इलाज होगा। फिर सिविल अस्पताल में लेकर पहुंचे, लेकिन वहां भी कोई नहीं सुन रहा था। जितनी देर होती जा रही थी उतना मेरा चेहरा काला पड़ता जा रहा था। फिर मेरे घर वाले मुझे उसी रात गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए थे। वहां 13 जनवरी तक मैं आइसीयू में थी। वहां से फिर मैं मामा के घर गई। अपने घर नहीं गई, क्योंकि घर वापस जाकर मुझे ही समाज के सभी सवालों के जवाब देने पड़ते। कोई उस आरोपी से सवाल नहीं करता, जिसने मेरे साथ यह सब किया। मेरी नाक से उस तेजाब की बदबू नहीं जा रही थी। मेरा चेहरा पूरा काला हो गया था। मैं बस बिस्तर पर पड़ी हुई थी। उसी हालत में पुलिस मेरा बयान लेने आई थी। उस हालत में मामा ने बताया था कि मेरे ऊपर नाइट्रिक तेजाब डाला गया था। क्योंकि मेरे मामा ने मेरे जिस स्वेटर पर तेजाब डाला गया था उसकी जांच कराई तो पता चला कि नाइट्रिक तेजाब है। तो मुझे पता चला कि नाइट्रिक तेजाब है। जब पुलिस आई तो मैंने बताया कि नाइट्रिक तेजाब डाला गया है। तो पुलिस बोलती है कि आपको ये पक्का मालूम है कि ये तेजाब है। ये गर्म पानी भी तो हो सकता है। मैं खुद परेशान थी। ऊपर से पुलिस के सवाल और परेशान कर रहे थे। अभी तक मेरा मामला अदालत में ही है। जिसने हमला किया था उसको बस तीन महीने की सजा हुई। उसे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। वह बाहर आ गया। और बाहर आने के बाद 2017 में उसने फिर से दूसरे जिले में जाकर पढ़ाना शुरू किया और वहां पर उसने फिर से दूसरी शादी की। वहां भी उसने अपने साले की हत्या की। केस की तारीख पर वह आता नहीं है।

रुपमा के साथ इतना सब कुछ होने के बाद भी उन्होंने जीवन जीने की चाह नहीं छोड़ी। और 2017 में स्नातक किया। फिर शॉर्टहैंड में डिप्लोमा। कंप्यूटर कोर्स, अभी ग्राफिटी डिजाइनिंग का कोर्स कर रही हैं। रुपमा बताती हैं कि हम लड़कियां तो पहले ही सताई होती हैं। ऊपर से सरकारी तंत्र और परेशान करता है। मुआवजा लेने के लिए कई एड़ियां घिसनी पड़ती हैं। वे कहती हैं कि सरकारी वकील भी कहता है कि इंसाफ मिलने में दस साल लग जाते हैं। आप इतना जल्दी मत करो। मतलब, न तो पुलिस हमारी सुनती है और न ही वकील। रुपमा कहती हैं कि ऐसा नहीं है कि मैं असम में पहली लड़की थी जिस पर ये तेजाब डाला गया हो। मुझसे पहले भी कई लड़कियों पर तेजाब डाला गया लेकिन किसी की खबर अखबार में नहीं आई। हमारा समाज ऐसा है कि जिसके साथ गलत हुआ है उसी को दबा कर रखता है। तेजाब के लिए जो कानून है वह सिर्फ कागज तक ही है, जमीनी स्तर पर कुछ नहीं दिखता। आरोपियों को बहुत आराम से रिहाई मिल जाती है। लोगों की मानसिकता है कि लड़कियों का चेहरा ही उसकी पहचान है। अगर चेहरा ही खराब कर देंगे, तो लड़की कहां जाएगी। उसका आत्मविश्वास टूट जाएगा। तो ऐसी मानसिकता जब तक लोगों के मन में रहेगी तब तक कुछ नहीं बदल सकता। बच्चों को बचपन से यह सिखाना चाहिए की चेहरे की सुंदरता ही सुंदरता नहीं है। मन की सुंदरता होनी चाहिए। ■

## दुश्वारियों का अंत नहीं

### विकलांगता प्रमाण-पत्र का सच

एडवोकेट अनुजा बताती हैं कि नाल्सा ने 2018 में तेजाब पीड़ितों के लिए योजना बनाई कि अगर चेहरे की क्षति होती है, तो सात से आठ लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। पचास फीसद क्षति पर पांच से आठ लाख रुपए मुआवजा। पचास फीसद से नीचे तीन से पांच लाख, बीस फीसद पर तीन से चार लाख के बीच में मुआवजा देने का प्रावधान है। यह मुआवजा तब मिलता है जब विकलांगता प्रमाण-पत्र बना हो।

अनुजा कहती हैं कि समस्या यही है कि जब विकलांगता प्रमाण-पत्र बनाने की बात आती है, तब पीड़ित लगभग तैंतालीस से सैंतालीस फीसद तक जली होनी चाहिए। अब अगर कोई व्यक्ति चौदह फीसद जल गया हो तो उसे प्रमाण-पत्र नहीं मिलेगा। अनुजा कहती हैं कि हर स्तर पर लड़कियां सताई जाती हैं। पीड़ितों के लिए कोई पुनर्वास की सुविधा नहीं है। और न ही पेंशन की योजना नहीं है। अगर है भी तो मिलती नहीं है। अनुजा की मांग है कि पीड़ितों को बेरोजगारी भत्ता और पेंशन मिलनी चाहिए। यही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता शिविर लगाने चाहिए।

### प्राथमिक उपाय

सरकार की ओर से कोई ऐसी प्रभावी कोशिश नहीं की जा रही है, जिससे लोग तेजाब को लेकर जागरूक हों। एक तरफ लोग संवेदनशील नहीं होते, दूसरी तरफ अब भी लोगों को नहीं मालूम है कि अगर किसी पर तेजाब फेंक दिया गया है तो शुरुआती उपचार क्या करना चाहिए। सिविल मेडिकल हॉस्पिटल कटक में प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ अरुण कुमार चौधरी बताते हैं कि अभी तक हमने देखा है कि तेजाब की जो ज्यादातर घटनाएं आती हैं वे चेहरे पर डालने की आती हैं। जब किसी पर कोई तेजाब फेंकता है, तो तेजाब आंख में नहीं जाना चाहिए। पानी डालें और पूरे तेजाब को साफ करें। कम से कम आधे घंटे से एक घंटे तक।

तेजाब साफ करने पर सिल्वर क्रीम लगाना चाहिए। ये क्रीम मेडिकल स्टोर पर मिल जाती है। फिर तुरंत अस्पताल में ले जाना चाहिए। डॉक्टर बताते हैं कि साल में लगभग दस मरीज तेजाब के आ जाते हैं। साथ ही वे कहते हैं कि देश में सेंटर फॉर एक्सीलेंस हर राज्य में होना चाहिए। अच्छे ऑपरेशन थियेटर, आइसीयू, एनेस्थिसिया सुविधाएं, अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर होने चाहिए। तब जाकर पीड़ितों का बेहतर इलाज हो पाएगा। आज कानून, न्यायपालिका, सरकार सब हैं, लेकिन फिर भी लड़कियां इंसाफ के लिए अधजली हालत में गुहार लगा रही हैं। ■

www.readwhere.com

# भात

चित्र: नंदपाल सिंह

कहानी

सोनी पांडेय

उसे याद आ रहा था रह-रह कर मां का चलते रहना, सुबह से देर रात तक पूरे घर में। साढ़े चार फीट ऊंची, सुडौल देह-धज वाली मां का गोरा-चिट्ठा चेहरा देख आजी मुंह बिचका कर कहतीं- 'एगो रंगवे भर त है ना त खेद देले रहतीं नइहर।'

आजी और मां में पूरे जीवन कभी पटरी नहीं बैठी। लंबी-चौड़ी आजी में मां जैसी दो स्त्रियां समा जाएं, ऐसी थी आजी और अपार धैर्य सीने में सहेजे खटती-पिटती मां। उसे याद आ रहा है...

आंगन में लल्लू ने दाना छींट दिया है... पूरे आंगन में चने का दाना डगर-मगर लुढ़क रहा है...

अरे राम हो राम! इ अन्न क दुरगति देखा। कहां हो बाबा जी बो!....

धबड़-धबड़ लल्लू की पिटाई और हुआं हुआं के तीव्र स्वर के साथ उसका रुदन। पिताजी का दुवार से आंगन में प्रवेश और भंडारे में कुछ फटकती-पछोरती मां। आजी का एक मन उलाहना और तमतमाते हुए पिता का मां पर हाथ-लात चलाना, पूरे घर में सिसकती मां की हिचकियां। मां के साथ-साथ उसका भी रोना और अंत में मां की छाती से सट कर हचक-हचक रोना, फिर बैल की तरह काम में जुट जाना। पिता को शिकायत रही जीवन भर कि बौनी लड़की से शादी हो गई। दादी का दुख कि जो लड़कियां जनी तो बौनी न हो जाएं। इन तमाम दुखों के बीच मां ने चार संतानों में एक भी बौनी औलाद नहीं जना। सब हट्टे-कट्टे छह फुटे। उसका श्रेय भी आजी को ही जाता कि उसने बड़े देवता-पित्तर पूजे थे।

बस हिचकोले खाते किसी गढ्ढे से निकलती है, तो उसकी तंद्रा टूटती है। आंखों से अविरल धार बह रही है। आंचल से पोंछ कर खिड़की से बाहर देखती है। मौसम आज कुछ ठंडा है... आसमान में बादल घिर रहे हैं। स्मृतियों के कपाट रह-रह कर खुल रहे हैं।

हे गोपालगंज वाली! देखो त छत पर रहर भीग रहा है। ई डुमरांव नरेश की बेटी तान कर सोई हैं का? आजी दुवार से चिल्लाते घर में घुसती हैं। छोटी बहन को चारपाई पर रोता छोड़ मां छत पर भागती है। उठाते-उठाते पानी की धार और रहर का भीगना। पिता का छत पर आना और फिर वही लात-हाथ। अभी तीन महीने ही तो हुए थे उसे बेटी जने। आजी छाती कूट-कूट कर चौखट पर बैठ रोई थीं। बेचारी छोटी को जीते जी आजी ने कभी गोद में नहीं लिया। कितना तो भरा है हलाहल, आकंठ हलाहल। वह जार-जार रोती है चलती बस में। बगल में बैठी बूढ़ी औरत सांत्वना देती है। यही दुनिया की रीत है बेटी!... जो आया है सबको एक दिन नौ मन चइली पर ही राख होना है, पर माया जो न कराये। वह थोड़ी संयत होती है। सोचती है, कैसे जान लिया इस औरत ने बिना कहे कि मैं मृत्यु के शोक में हूं। कितना अजीब है न औरतों का एक-दूसरे का दुख समझ लेने की अनुभूति। पिता की नफरत और आजी के उलाहनों के दो पाटों में मां आजीवन पिसती चली गई, पीछे छूट गया भरा-पूरा परिवार। वह सोचती है। क्या मां के बाद भी उन्हें वैसे ही तीज-खिचड़ी, सावन, आद्रा में याद किया जाएगा? मन में एक हूक उठती है... हूं! जिस पिता ने कभी सिर पर स्नेह से हाथ नहीं रखा, उससे क्या उम्मीदें। भाई पहले ही साड़ी-कपड़े के नाम पर बहनों को लालची और अचार-चटनी देते देख चटोरी घोषित कर अपमानित करते रहे, अब तो यह स्नेह भी खत्म। उस आंगन से जहां पली-बढ़ी। उसका दिल तरह-तरह की कल्पनाओं में उफन रहा था।

बारिश छूट गई है, बस के यात्री खिड़की का शीशा बंद कर रहे हैं। बीच-बीच में कंडेक्टर यात्रियों को उनके स्टापेज पर उतार रहा है। दर्द का रास्ता और विरह की रात कटती ही नहीं है। रास्ता जैसे पहाड़-सा होता जा रहा है। मन में खीझ उठती है... ई बस है कि बैलगाड़ी, हर पांच मिनट में रोकता, चढ़ाता-उतारता चल रहा है।

दृदय दर्द से फटा जा रहा है... इस सावन को भी आज ही इतना बरसना था? इस साल आधा सावन सूखा रहा और आज न जाने कहां से इतने बादल उमड़ आए थे आकाश के सीने पर और हहर-भहर बरस रहे थे। सोचती है- सावन से मां को बहुत प्रेम था,चूड़िहारिन से भर-भर हाथ हरी चूड़ियां पहनती थी मां। कूटते-पीसते, मांजते-धोते सावन के गीत गुनगुनाती, गाती- कजरी केही संग खेलूं मोरी सखियां... पिया मोरे गए विदेसवा ना...

कितना प्रेम था इस सावन से मां को! अरुई के पत्ते का रीकवच, महुवे का लाटा, पुआ और अदउरी कोहड़े की सब्जी खूब मन से बना गरम-गरम पूड़ियों संग भर-भर पेट खिलाती। जांत में चने का बेसन पीसती, ओखल में दाल छांटती, मधुर कंठ से कजरी गाती। हरी सूती साड़ी पर पीले सरसों के फूल की छाप-सी, तो कभी कोहबर में हल्दी,गेरू, चंदन की गंध-सी मोहक मां। वह फिर से फूट-फूट कर रोती है। यात्री सांत्वना देते हैं... कंडेक्टर अब यात्रियों से जल्दी उतरने-चढ़ने को कहने लगा है। समझ रहा है कि अब मुझसे यात्रा असहनीय हो चली है। बस की रफ्तार भी कुछ पहले से तेज हुई है। कुछ पहचाने हाट-बाजार दिखने लगे हैं।

गांव भी दीखने लगा है... कलेजा धौंकनी की तरह धड़क रहा है। दर्द के ताप से झुलसती वह तड़प उठती है। वह कैसे देखेगी मां का मृत चेहरा। आज पहली बार मां उसकी नजर उतारते हुए धार नहीं देगी। उसके चेहरे को देख कर दुबले होने का उलाहना नहीं होगा... आह! कैसे वह सहेगी यह वेदना। सोचती है और छाती को कस कर मींजती है। कंडक्टर आवाज देता है- महुवारी आ गया, चलो उतरो... चलो उतरो...।

वह साहस बटोर कर अपना छोटा-सा बैग पकड़ बस की भीड़ को धक्का देते जैसे-तैसे उतरती है। गांव अभी भी एक कोस दूर है। वह पगडंडियों का शॉर्टकट रास्ता पकड़ तेजी से आगे बढ़ती है। कुछ दूर आगे बढ़ते ही बस्तियां दीखने लगती हैं।... लाठी टेके बूढ़ी मंगइ बो धीरे-धीरे चली जा रही हैं। उसे देख कर ठिठकती हैं... आंचल मुंह में ठूस लेती हैं... वह उन्हें पकड़ कर खूब रोती है। गांव की पहली स्त्री की छाती से सटी वह ऐसे बिलख उठती है जैसे पहली विदाई में मां से। मंगइ बो समझा-बुझा कर ले चलती हैं टोले की ओर। उसे याद आता है- मंगइ बो की दावेदारी पूरे टोले के बच्चों पर है। सबका नार इन्होंने ही काटा है। इन दिनों नई बहुएं शहर जा रही हैं। हर किसी का पेट काट बच्चा पैदा होते देख वह बहुत दुखी रहने लगीं हैं। हम चार भाई-बहनों के सात बच्चे और भरी-पूरी मां की कोख की अक्सर बलाएं उतारने वाली गांव की जाय मां मंगइ बो मेरा हाथ थामें चली आ रही हैं दुवार पर, पीछे औरतों का हुजूम। सामने दरवाजे पर चद्दर से ढ़की मां की मृत देह। पास में विलाप करती छोटी बहन। मुझे देखते ही भाइयों की आवाज आती है- अब जल्दी से नहलाओ-धुलाओ सब! देर हो रही है।

सब मेरे इंतजार में थे! मैंने कांपते हाथों से मुंह से चद्दर हटाया। भर मांग पीला सिंदूर, लाल बिंदी... हरी साड़ी और कलाइयों में आज भी हरी-भरी चूड़ियां। चेहरे पर हल्की मुस्कान संग चीर निद्रा में सोई मां के गालों को छोटी थपथपा कर जगाना चाहती है। छोटी सबसे छोटी मां की संतान... चालीस की उम्र में एक और बेटे की चाहत में पैदा हुई अनचाही संतान। अभी पिछले साल ही इसकी शादी की थी मां ने। कितनी खुश थी कि अब बेटियां ब्याह गईं, सावन में गंगा नहाएगी। पता नहीं यह भी उसका सपना पूरा हुआ या नहीं। रोतीं-बिलखतीं बेटियों के कान में पिता की रोबदार आवाज पड़ी- अच्छा अब बस करो तुम लोग, जो होना था हो चुका... अम्मा की विदाई की तैयारी कराओ मिल कर। विदा-शब्दकोश का सबसे क्रूर शब्द तीर-सा चुभता है कलेजे में। मां की यह अंतिम विदाई पिता के लिए कितनी सहज प्रक्रिया है, देख रही हूं। वह सबसे बोल-बतिया रहे हैं, बिना किसी शोक के। जैसे मां का जाना उनके जीवन से कोई कमी नहीं होगा। वह सिर पकड़ लेती है...उफ्फ! अगर मां की जगह आज यहां पिता की लाश होती तो क्या मां भी इतनी ही सहज होती? नहीं! उसकी तो दुनिया ही उजड़ जाती।...

बुआ लोग समझा-बुझा हमें वहां ले गईं जहां मां को भावजें नहला रहीं थीं। बड़ी भाभी कैंची से देह के कपड़े काट, गहने उतार रही थी। भावजों ने मां को नहला-धुला कर तैयार कर दिया। हमें इस काम से बड़की अम्मा ने दूर रखा यह कहते हुए कि यह बहुओं का काम है, बेटियों के छुए मुक्ति बिगड़ जाएगी। लाल चुनरी में मां को खूब अच्छे से उन बहुओं ने आज सजाया था, जो जीते जी पानी देने के लिए भी एक-दूसरे का मुंह देखती थीं। पिता ने पंडित के कहने पर मांग में पीला सिंदूर भरा और पिंडा पार अरथी उठी। छोटी दौड़ कर अरथी से लिपट गई, बड़े भाई ने उसे बड़ी मुश्किल से अलग किया। सभी रो पड़े... मां की पेटपोछनी औलाद।

हम बेटियों के हिस्से चाह कर भी मन की शिक्षा नहीं रही। इंटर में ही मेरी शादी कर आजी ने गंगा नहाया। आजी तो पिता की जंघा पवित्र करना चाहती थीं मेरा बाल विवाह करा कर, पर शुक्र है कि पिता के लाख अत्याचार को सह कर मां अड़ गई कि बिना जवान हुए लड़की नहीं ब्याही जाएगी। साल भर आजी मां से मुंह फुलाए बैठी रहीं। बात-बात पर अपमान सहती मां ने पढ़ना-लिखना भाइयों से चिट्ठी-पतरी भर ही सीख पाया था, पर घर के काम निबटा कर चुपके से अखबार लेकर बैठ जातीं पढ़ने और हमें भी पढ़ने को कहतीं। सोचती हूं कि मां को बागी बनाने वाला अखबार ही था। यह अखबार ही था जिसने हमारे जीवन में उजास भरा, वरना मां का मौन हमें वहीं पटकता जहां मां का जीवन था और इस तरह जाना कि शिक्षा की लौ स्त्री मुक्ति के लिए सबसे जरूरी तत्व है।

मां की अरथी उठने के साथ ही दरवाजे से भीड़ छंट गई। टोले के पुरुष दाह-संस्कार के लिए गंगा जी चले गए, औरतें नहाने-धोने चली गईं। दोनों भावजें बेटियों की मदद से घर-आंगन धोने-पोतने में लग गईं।... छोटी नहा चुकी थी। अपने बच्चों को रसोई का बचा खाना जल्दी-जल्दी खिलाने लगी, तो बड़ी भड़क उठी- अरे! घर में अउर लइका छेहर हैं, तनी उनका भी खयाल रहे, अब चूल्हा में आग कल सांझ से पहले नहीं जलेगा।

छोटी झनकते हुए अपनी कोठरी में चली गई। बड़ी दो मिनट सुन्न रही, नल चलाती तेरह साल की बड़ी भतीजी अचानक जोर-जोर से रोने लगी। मैं हिम्मत कर आंगन में पहुंची। मुझे देख भाभी भी विलाप करने लगी। एक अज्ञात भय ने हम सब को घेर लिया। मैं अंदर ही अंदर डर से कांपने लगी... तो क्या मां की अरथी के साथ ही घर की एकता भी चली गई?

बड़ी भाभी को बड़ी मुश्किल से मैं संभाल पाई आज... बड़की बीबी! अम्मा को दिया वचन कैसे पूरा करूं? अब आप ही लोग बताइए। इ महरानी तो हमेशा बात बिगाड़ने में लगी रहती हैं। किसी की जायज-नाजायज एक भी बात बर्दाश्त नहीं। आखिर हम भी कितना सहें? बड़ी भाभी ने सिसकते हुए हम दोनों बहनों से कहा।

आप बड़ी हैं भाभी, छोटी तेज तो है ही। इसमें किसी को शक नहीं, लेकिन संभालना तो अब आपको ही घर पड़ेगा। दुनिया क्या कहेगी कि रामायन बाबा के लड़के साल भर भी मां का मृत्यु शोक न मना सके।

बड़ी भाभी का हाथ अपने हाथ में ले खुद से बारह साल बड़ी भाभी को मैंने सजल आंखों से देखा... वह लिपट गईं। मैं कहे जा रही थी- अब तो आप ही मां भी हैं हमारी... हम कहां जाएंगे?

मेरी बात सुनते छोटी बहन और दोनों भतीजियां भी भाभी से लिपट गईं। हम सब पर उस चालीस साल की स्त्री ने उस दिन आंचल डाल सांत्वना दिया कि कुछ भी हो, वह घर नहीं टूटने देगी।

छोटी बहन निढाल निखहरी खटिया पर पड़ी थी। रोते-रोते थकी अपने तीन माह के शिशु को छाती से चिपकाए। बड़ी भाभी ने छोटी से कहा- एक गिलास दूध छोटकी बबुनी को पिला दो, लड़का पिलाना है। बीमार पड़ गई, तो बच्चे को दिक्कत होगी और हां, बचा दूध लड़कियों को पिला दो। दूध घंट से पहले मरद-मानुस और हम लोग नहीं पी सकते। छोटी उठ कर चली गई। बड़ी मुश्किल से छोटी बहन आधा गिलास दूध पी पाई थी। धीरे-धीरे रात घिरने लगी। चारों तरफ सन्नाटा। बादल आसमान में जमे थे,गनीमत थी कि बरखा नहीं हो रही थी। दोनों बुआ लोग दुवार पर बैठी टकटकी लगाए आसमान को देख ईश्वर से गुहार लगा रही थीं कि जब तक लाश न जल जाए बरखा न हो। घर में क्या, पूरे टोले में निरवता इस कदर आज बसी थी कि कुत्ते-बिल्ली की आवाज पर सिहरन उठ जाती। रात के नौ बजे अचानक बिजली की कड़क के साथ बारिश छूटी तो सबके कलेजे जोरों से धड़कने लगे। हम सब अब ईश्वर से प्रार्थना करने लगे कि सभी मर्द सकुशल घर लौट आएं। इधर बरखा पूरे वेग में थी और बड़की फुआ का अलाप भी... मउअत में बरखा का करा दे केहू ना जाने धिया। दउवो के आजे बरखे के रहल है।

हम सब चिंता से घिरे अब दुवार के बरामदे में आ बैठे। आज बिजली भी नहीं आई। इन दिनों रात को बिजली आती थी। गांवों में बिजली एक हफ्ते रात को तो एक हफ्ते दिन में आती थी।

रात बारह बजे दाह से लोग लौटे। बड़की भाभी ने तगाड़ में गोंइठी सुलगा पत्थर और लोहा रखा। कटोरी में काली मिर्च। सबने हाथ-पैर धोकर आग, पत्थर, लोहा छुआ और काली मिर्च मुंह में डाल घर में घुसे। पिता की चारपाई बरामदे में अलग बिछी। वह एक कंबल और मारकीन की चादर संग अब बारह दिन अलग रहने वाले थे। घर में दिन भर के उपासे, थके-मादे लोग जहां-तहां निढाल पड़ गए। रात बीती और अगली सुबह बिना मां के चेहरे के घर में हुई... पिता संग भाई दयाद नहाने और घंट बांधने चले गए। इधर बड़ी भाभी संग कुटुंब की स्त्रियां इनार पर नहाने चली गईं। हम बेटियां मां के शोक की इन क्रियाओं से वंचित चुपचाप सब देखती रहीं। बड़की माई ने हमारे उदास चेहरे को देख कर कहा- काहें मुंह गिराए बैठी हो बड़की बबुनी! अरे! बेटियों का खाना और पतोहों का नहाना मिरतक को मिलता है। जाकर तनी नमकीन, बिस्कुट मुंह में लगा लेती लोग। अब हम सबको तो संझा तक भात मिलेगा।

बड़ी भतीजी को भेज उन्होंने नमकीन, बिस्कुट मंगाया, हम बड़ी मुश्किल से एक चम्मच खा पाए। पेट मरोड़ रहा था। शरीर अन्न मांग रहा था, लेकिन आत्मा थी कि कुछ स्वीकार ही नहीं करती थी। मुंह में कुछ डालते उबकाई आने लगती थी। अजीब स्थिति थी शरीर और मन की। दिन भर हीत-नातों का तांता लगा रहा। दोपहर तीन बजे दुवार पर चूल्हा जुड़ा और आम की चइली (लकड़ी) जला बड़े से पतीले में पानी चूल्हे पर चढ़ा दिया गया, अदहन खौलने लगा। हम दोनों बहनें मां की कोठरी में उसके पलंग पर निखहरे पड़े हुए थे। बाहर से खौलते पानी में चावल के डालते भात की मीठी सुगंध नथुनों में भरने लगी। याद आने लगा कि नयका भात माड़ संग मां हम सबकी थाली में गरम-गरम परोसती और आजी की नजर बचा भाइयों संग हमें भी देसी घी एक-एक चम्मच देती। देसी घी संग माड़-भात की गंध मां की स्मृति संग आंखें के रास्ते बह निकली। हम दोनों ने बिना आवाज मुंह से निकाले मन भर रोया और थक कर चुप भी खुद ही हो गईं। आंगन में पिता संग पुरुषों की पंगत बैठी और दूध-भात गिरा रस्म पूरी की। पुरुषों के बाद स्त्रियां बैठीं और लड़कियों से कहा गया कि वे खुद ही लेकर खा लें। भतीजियां थाली में बिना हल्दी की दाल, भात और उबले आलू का चोखा लाकर हमें भी दे गईं। भात ठंडा हो गया था। मां होती तो ठंडा भात कभी हमारे हिस्से नहीं आता। ❑

हम बेटियों के हिस्से चाह कर भी मन की शिक्षा नहीं रही। इंटर में ही मेरी शादी कर आजी ने गंगा नहाया। आजी तो पिता की जंघा पवित्र करना चाहती थीं मेरा बाल विवाह करा कर, पर शुक्र है कि पिता के लाख अत्याचार को सह कर मां अड़ गई कि बिना जवान हुए लड़की नहीं ब्याही जाएगी। साल भर आजी मां से मुंह फुलाए बैठी रहीं। बात-बात पर अपमान सहती मां ने पढ़ना-लिखना भाइयों से चिट्ठी-पतरी भर ही सीख पाया था, पर घर के काम निबटा कर चुपके से अखबार लेकर बैठ जातीं पढ़ने और हमें भी पढ़ने को कहतीं।

# आलोचनात्मक विवेक और मोहब्बत का शायर

अवदान

जितेंद्र श्रीवास्तव

उर्दू काव्य संसार में पंडित हरिचंद अख्तर को वह शोहरत नहीं मिली, जिसके वे हकदार थे। अदब की दुनिया में यह कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं है। हर कालखंड में कुछ लोग अलक्षित रह जाते हैं। हरिचंद अख्तर गहरे आलोचनात्मक विवेक के कवि हैं। उनकी समूची शायरी में एक 'क्रिटिकल एप्रोच' दिखाई देता है। कह सकते हैं कि वे निरी भावुकता के कवि नहीं हैं। उनके यहां व्यंग्य से भरी बौद्धिकता है। यही कारण है कि उनकी शायरी को महज हास्य की शायरी नहीं कह सकते। उनका एक शेर देखें-

*मिलेगी शैख को जन्नत, हमें दोजख अता होगा*
*बस इतनी बात है जिसके लिए महशर बपा होगा।*

और-

*तिरी दुनिया में सब्र ओ शुक्र से हमने बसर कर ली*
*तिरी दुनिया से बढ़कर भी तिरे दोजख में क्या होगा।*

बेहद हल्के-फुल्के अंदाज में कही गई इन पंक्तियों में इंकलाबी चेतना है। नहीं भूलना चाहिए कि इंकलाब का मतलब सिर्फ लाल झंडा उठाना नहीं होता। दिमागी जहालत का सांस्कृतिक इलाज भी इंकलाब है।

पंडित हरिचंद अख्तर की शायरी की एक विशेषता यह भी है कि वे प्रेम को परंपरागत नजरिए से नहीं देखते हैं। उनकी कविता में प्रेम में ईश्वर हो जाने की स्थिति का जिक्र है। इसे ही वे मुहब्बत का मेयार मानते हैं। और सबसे सुंदर बात तो यह है कि अगर प्रेम में ईश्वर हो जाने की स्थिति आ ही जाए तो ईश्वर इससे नाराज नहीं होता।

*शबाब आया किसी बुत पर फिदा होने का वक्त आया*
*मिरी दुनिया में बंदे के खुदा होने का वक्त आया।*

सामान्यतया सुनिए तो लगेगा कि हंसने-हंसाने की बात है, लेकिन इसकी दार्शनिक गहराई में उतरें तो पता लगेगा कि कोई भी प्रेम ईश्वर की सृष्टि के समानांतर अपनी सृष्टि का सृजन करता है। अपना विश्व बनाता है और इस विश्व के विधाता प्रेम में विन्यस्त दोनों ही होते हैं, कोई एक नहीं। स्वतंत्र प्रेम पितृसत्ता का विलोम रचता है, जबकि सामाजिक ढांचे में आरोपित प्रेम पितृसत्ता का पोषण करता है। कवि मानस की स्वतंत्रता के सर्जक होते हैं, इसलिए वे प्रेम की स्वतंत्रता के पक्षधर होते हैं। हरिचंद अख्तर की शायरी भी यही करती है। यह शायर खुदा को अस्वीकार नहीं करता, लेकिन प्रेम के स्वतंत्र विश्व की हिमायत करता है। यहीं यह याद रखना भी उचित होगा कि पंडित हरिचंद अख्तर नास्तिक नहीं हैं, लेकिन आस्तिकता को लेकर आलोचनात्मक हैं। वे स्वर्ग-नरक की पूरी परिकल्पना को प्रश्नांकित करते हैं।

उनका एक शेर ऐसा है, जो सहचर बन गया है-

*हमें भी आ पड़ा है दोस्तों से कुछ काम यानी*
*हमारे दोस्तों के बे-वफा होने का वक्त आया।*

इस नश्वर संसार की सच्चाई को इससे अधिक सुंदर ढंग से नहीं कहा जा सकता है। यह शेर कलेजे में धक से लगता है। उनकी एक गजल ऐसी है, जो किसी के भी कंठ में बस जाएगी।

*कलियों का तबस्सुम हो, कि तुम हो कि सबा हो*
*इस रात के सन्नाटे में, कोई तो सदा हो।*
*ये रंग, ये अंदाज-ए-नवाजिश तो वही है*
*शायद कि कहीं पहले भी तू मुझसे मिला है।*
*यूं तेरी निगाहों में असर ढूंढ़ रहा हूं*
*जैसे कि तुझे दिल के धड़कने का पता हो।*

इस गजल में आगे एक पंक्ति आती है-

*तुम बामे फलक से कभी उतरो तो पता हो।*

अब इस मिसरे को चाहें तो सनम से किए गए निवेदन की तरह देखिए और चाहें तो शोषक और शोषित के बीच अंतर को समझने और समझाने के लिए आह्वान की तरह देखिए। अच्छी कविता सदा अर्थ के लिए अवकाश का सृजन करती है।

अगर पंडित हरिचंद अख्तर को कोई ठीक से समझ ले तो उसके लिए इश्क की राह थोड़ी आसान हो जाएगी। उनके इस शेर को सुनते हुए मिर्जा गालिब याद आते हैं-

*बज्म-ए-दुश्मन है खुदा के लिए आराम से बैठ*
*बार-बार ऐ दिल-ए-नादां तुझे क्या होता है।*
*मिरी सूरत मिरी हालत मिरी रंगत देखी*
*आपने देख लिया इश्क में क्या होता है।*

पंडित जी अपने एक शेर में अपनी महबूबा से मुखातिब हैं, लेकिन क्या गजब कि यह शेर हमारे दौर के हुक्मरानों पर लागू होता है-

हम जो कहते हैं हमेशा ही गलत कहते हैं
आपका हुक्म दुरुस्त और बजा होता है।

उनकी शायरी की एक विशेषता यह भी है कि कई बार जब वे कोई नई बात नहीं भी कहते हैं तब भी उनके कहने का अंदाज बिल्कुल नया होता है और अंदाज का यही नयापन ऐसे अशआर को महत्त्वपूर्ण बना देता है। एक शेर-

*दूर तो हट जाऊं लेकिन फिक्र-ए-मोहब्बत ने मारा*
*बेहद नाजुक रिश्ता है टूट न जाए डरता हूं।*

किसी भी श्रेष्ठ कवि की तरह हरिचंद अख्तर भी उम्मीद के कवि हैं। उनकी शायरी में उम्मीदों के चिराग रौशन हैं। वे सिर्फ विध्वंस की बात नहीं करते, उनकी शायरी में निर्माण की गहरी आकांक्षा है। मसलन-

*उम्मीदों से दिल-ए-बर्बाद को आबाद करता हूं*
*मिटाने के लिए दुनिया नई ईजाद करता हूं।*

उनकी शायरी में युवाओं के लिए बहुत कुछ है। बानगी के लिए चंद अशआर-

*सैर-ए-दुनिया से गरज थी महव-ए-दुनिया कर दिया*
*मैंने क्या चाहा मिरे अल्लाह ने क्या कर दिया।*
*हां इसी कम-बख्त दिल ने कर दिया इफशा-ए-राज*
*हां इसी कम-बख्त दिल ने मुझको रुसवा किया।*
*हुस्न ने पहले तो सब मुझ पर हकीकत खोल दी*
*और फिर खामोश रहने का इशारा कर दिया।*

कोई चाहे तो इन अशआर को निर्गुण की तरह पढ़ सकता है। प्रेम और अध्यात्म में बहुत बारीक-सा फर्क है। सूफियों ने तो प्रेम को ही अध्यात्म का मार्ग माना था। वैसे भी, प्रेम की पराकाष्ठा अध्यात्म के एकांत का सृजन करती है। पंडित जी का यह शेर भी युवाओं के दिल के बेहद करीब जाने लायक है-

*मिली थी आंख और आहा-ओ-फुगां तक बात आ पहुंची*
*जरा सी बात थी लेकिन यहां तक आ पहुंची।*

पंडित हरिचंद अख्तर की शायरी सचेत करने वाली है। वे आलोचनात्मक विवेक के कवि हैं। कोई चेतस शायर ही कह सकता है कि-

*भरोसा किस कदर है तुझको अख्तर उसकी रहमत पर*
*अगर वो शैख साहिब का खुदा निकला तो क्या होगा।*
*उन्होंने धर्म के ठेकेदारों की खूब खबर ली है।*
*शैख और पंडित धर्म और इस्लाम की बातें करें*
*कुछ खुदा के कहर कुछ इस्लाम की बातें करें।*
*हम खड़े सुनते रहें और दिल में ये कहते रहें*
*अब ये रुखसत हों तो हम कुछ काम की बातें करें।*

वैसे अपनी मूल चेतना में पंडित हरिचंद अख्तर प्रेम के शायर हैं। उनका कहने का ढंग नया है। उनकी शायरी में संवाद का गुण है। वह अपने पढ़ने और सुनने वालों से बोलती-बतियाती है। आप उसे पढ़ेंगे तो महसूस होगा जैसे कोई आपसे गुफ्तगू कर रहा है। कोई दोस्त जो आहिस्ता से अभी आपके कंधे पर हाथ रख देगा। किसी शायर की कविताएं अपने पढ़ने और सुनने वालों की दोस्त बन जाएं, इससे बड़ी उपलब्धि किसी शायर के लिए कुछ भी नहीं। तुम जब पास होते हो गोया दूसरा नहीं होता- यह एकात्म ही किसी शायर की दिली ख्वाहिश होती है। उनकी ओर से उनके उस्ताद हफीज जालंधरी का शेर याद आता है-

*मोहब्बत करने वाले कम न होंगे*
*तिरी महफिल में लेकिन हम न होंगे।* ❑

# बच्चों के प्रति संवेदनशीलता

मुद्दा

अतुल कनक

राजस्थान के कोटा शहर को उसके कोचिंग संस्थानों की चमकदार सफलता के लिए देश भर में पहचाना जाता है। हर साल लाखों बच्चे अपनी आंखों में सुनहरे भविष्य का सपना लिए इस शहर में आते हैं। कोटा पिछले दिनों एक बार फिर चर्चा का विषय बना। लेकिन अपने कोचिंग संस्थानों की नहीं, बल्कि यहां के एक सरकारी अस्पताल में एक महीने में सौ से अधिक नवजात बच्चों के मरने वजह से। यह आंकड़ा संवेदनशील नागरिकों को परेशान करता है। लेकिन जब यह पता चलता है कि देश में हर घंटे औसतन पांच नवजात मर जाते हैं, तो यही परेशानी चिंता में बदल जाती है। जो समाज अपने नौनिहालों को स्वस्थ जीवन का अधिकार तक नहीं दे सकता, वह आखिर सुनहरे भविष्य के सपने कैसे देख सकता है। महत्त्वपूर्ण यह भी है कि अगर जन्म के बाद बच्चे बचते भी हैं, तो उनमें से कई कुपोषण का शिकार हो जाते हैं।

मगर बच्चों के लिए जीवन का संघर्ष जन्म के बाद बचे रहने या कुपोषण की चुनौतियों का सामना करने तक ही सीमित नहीं रहता। हम जितने सभ्य होने का दावा करते हैं, बच्चों के लिए दुविधाएं उतनी ही बढ़ती जा रही हैं। दो बरस पुरानी बात है। राजस्थान के ही बूंदी जिले के हरिपुरा गांव में एक छह वर्षीय बालिका जीवन में पहली बार स्कूल गई थी। प्रार्थना सभा में उसका पांव अनजाने में पास ही पड़े टिटहरी के अंडे पर चला गया। लोकमान्यता टिटहरी के अंडों के फूटने को अच्छा नहीं मानती। गांव वालों ने जब सुना कि उस बच्ची का पांव पड़ने से टिटहरी के अंडे फूट गए हैं, तो पंचायत जुड़ी और दस दिनों तक बच्ची को घर से बाहर एक बाड़े में रहने का फरमान सुना दिया गया।

मामला जब सामने आया तो हंगामा हुआ। तमाम एजेंसियां भी हरकत में आईं। लेकिन बच्चों के साथ जिम्मेदार लोगों की ज्यादतियों का यह पहला उदाहरण नहीं है और इसीलिए अगर समाज बच्चों को सुरक्षा का माहौल देना चाहता है, तो उसे अपनी संवेदनाओं के प्रति ईमानदार होना होगा। इस घटना के कुछ दिनों पूर्व राजस्थान के ही उदयपुर जिले के एक गांव में एक स्कूल का पोषाहार सिर्फ इसलिए फेंक दिया गया, क्योंकि उसे एक दलित वर्ग की बालिका ने छू लिया था। यह असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी अगर समाज के दलित और उपेक्षित वर्ग के बच्चों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ता है, तो लोकतंत्र स्वयं पर शर्मिंदा होता है। भारतीय चेतना बच्चों के प्रति अतिरिक्त रूप से संवेदनशील होने का दावा करती है, लेकिन जो घटनाएं खबरों के माध्यम से बार-बार हमारे सामने आती हैं, उन्हें जान कर सचमुच कलेजा कांप उठता है। कुछ समय पहले यह खबर भी सामने आइ थी कि दिल्ली के एक महंगे स्कूल में छह छात्राओं को सिर्फ इसलिए स्कूल के तहखाने में बंद कर दिया गया, क्योंकि उनके अभिभावकों ने फीस चुकाने में कुछ विलंब कर दिया था।

कथित धर्मगुरुओं द्वारा अपनी मासूम शिष्याओं के साथ अवांछित बर्ताव की तो कई शिकायतें पिछले दिनों सामने आई हैं, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक आदमी का अपनी पत्नी से झगड़ा हो गया, तो उसने अपने मासूम बेटे का कत्ल कर दिया। मानो घर, परिवार, स्कूल, आश्रम, देवालय से लेकर पंचायतों तक मासूम बच्चे किसी वहशियाना बर्ताव झेलने को अभिशप्त हैं।

कुछ दिनों पहले यह सनसनीखेज बात भी सामने आई थी कि नर्मदा किनारे बसे कुछ गांवों में बेटियों को जन्म के तुरंत बाद जीवित जलसमाधि दे दी जाती है। बेटों की इच्छा में भ्रूण में पल रही बेटियों को चोरी-छिपे मारे जाने की घटनाएं तो आम हैं, लेकिन जन्म ले चुकी बेटी को जीवित जलसमाधि दे देना क्रूरता के नए किस्से कहता है।

मगर मासूम बच्चे केवल अंधविश्वासों के शिकार नहीं होते। सयानों के लालच, परस्पर प्रपंच और संपत्ति के लिए किए जाने वाले षड्यंत्र भी उन्हें अपना शिकार बनाते हैं। पिछले साल आई एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन देश में नौ सौ से अधिक बच्चे यौन अपराधों के शिकार होते हैं। हालांकि इन बच्चों में समाज के उपेक्षित वर्ग के बच्चों की संख्या अधिक होती है, लेकिन मध्यवर्ग और उच्च वर्ग के बच्चों को भी कम खतरों का सामना नहीं करना पड़ता। कोई पारिवारिक दुश्मनी निकालने के लिए उनकी हत्या कर देता है, तो कोई फिरौती की लालसा में उनका अपहरण कर लेता है। असुरक्षा के इस माहौल ने मासूम बच्चों के व्यवहार को भी प्रभावित किया है। उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन शामिल हो गया है। अमेरिका सहित पश्चिम के कई देशों में तो यह भी हुआ है कि किसी बात पर परस्पर झगड़ा होने पर बच्चा हथियार लेकर स्कूल पहुंच गया। कुछ घटनाएं दुर्योग या तात्कालिक परिस्थितियों का परिणाम हो सकती हैं, लेकिन दुनिया भर के बच्चों के स्वभाव में बढ़ता चिड़चिड़ापन और उग्रता निश्चित रूप से हर संवेदनशील व्यक्ति के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

बच्चों में उग्रता को समझने के लिए उनके मन को समझना आवश्यक है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में एकल परिवारों की संख्या बढ़ी है। ऊपर से माता-पिता दोनों कामकाजी होते हैं। पुराने जमाने में भारत जैसे परंपरागत देशों में तो बच्चों को दादा-दादी या नाना-नानी का और बच्चों को उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक साहचर्य मिल जाया करता था, लेकिन अब परिवार की बढ़ती हुई जरूरतों ने अधिकांश बच्चों को एकाकीपन की अंधेरी गुफा में धकेल दिया है। यह एकाकीपन भी उन्हें अपराध का शिकार होने की परिस्थितियों की तरफ धकेल देता है। शातिर दिमाग लोग इस या उस बहाने बच्चों से निकटता स्थापित करके उनका अपहरण कर लेते हैं, उन्हें यौन कुंठाओं का शिकार बना देते हैं, उन्हें कुकृत्यों की ओर प्रवृत्त कर देते हैं या फिर अवैध तरीके से उन्हें बेच कर उन्हें भीख मांगने पर विवश कर देते हैं। हालांकि बच्चों से रोजगारपरक श्रम लेना अपराध है, लेकिन ऐसे बच्चों की संख्या कम नहीं है, जो हाड़ तोड़ मेहनत करके अपने परिवारों का पेट पाल रहे हैं।

एक लोकप्रिय फिल्मी गीत बच्चों के स्वभाव को रेखांकित करते हुए कहता है- 'तन कोमल मन सुंदर है/ बच्चे बड़ों से बेहतर हैं/ झगड़ा जिसके साथ करें/ अगले पल ही बात करें/ इनका भोलापन मिलता है, सबसे बांह पसारे/ ये वो नन्हे फूल हैं जो भगवान को लगते प्यारे।' लेकिन बांह पसार कर अपने आत्मीयों से मिलने को आतुर बचपन अपने घर के आसपास ही अनेकानेक संकटों का सामना कर रहा है। महानगरों में तो कामकाजी माता-पिताओं के बच्चे क्रेच या घरेलू बाइयों के भरोसे होते हैं और इनके बुरे बर्ताव की खबरें आए दिन टेलीविजन के माध्यम से सामने आती रहती हैं। कुछ समय पहले एक चैनल पर खबर थी, जहां परिवार द्वारा बच्ची की देखरेख के लिए रखी गई स्त्री ने दिन में बच्ची के रोने से अपनी नींद में खलल पड़ने पर उस मासूम को इतनी बुरी तरह से उठा कर सोफे पर फेंका कि खबर देखने वालों की आत्मा सिहर गई। जरूरत इस बात की है कि हम बच्चों के संवेदनशीनल मन की जरूरतों को समझें और इससे पहले कि उनका अकेलापन किसी उग्रता या उद्दंडता से ग्रसित हो, प्रेम की एक जादू भरी झप्पी के साथ उन्हें संस्कारित करें, क्योंकि बच्चों के प्रति निभाया गया यह दायित्व ही हमारे भविष्य को सुनहरा करेगा। ■

# रांगेय राघव

जन्म : 17 जनवरी, 1923
निधन : 12 सितंबर, 1962

शख्सियत

रांगेय राघव हिंदी साहित्य के विलक्षण उपन्यासकार, कहानीकार, निबंधकार, आलोचक, नाटककार, कवि और इतिहासवेत्ता थे। उन्हें हिंदी साहित्य का शेक्सपियर कहा जाता है, जबकि वे मूलतः तमिलभाषी थे। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के आगरा में हुआ था। राघव का मूल नाम तिरुमल्लै नंबाकम वीर राघव आचार्य था, जिन्हें बाद में रांगेय राघव के नाम से जाना गया।

## पढ़ाई-लिखाई

उनकी पढ़ाई-लिखाई आगरा में ही हुई। 1944 में सेंट जोन्स कॉलेज से स्नातकोत्तर और 1948 में आगरा विश्वविद्यालय से गुरु गोरखनाथ पर पीएचडी की। महज तेरह साल की अल्पायु से रांगेय राघव ने लिखना शुरू कर दिया था। शुरुआत कविता लिखने से हुई थी। रांगेय राघव की प्रथम रचना 1946 में 'घरौंदा' शीर्षक से प्रकाशित हुई। यह विश्वविद्यालय जीवन पर लिखा गया हिंदी का प्रथम उपन्यास था। 'घरौंदा' उपन्यास से वे प्रगतिशील कथाकार के रूप में चर्चित हुए। 1942 में अकालग्रस्त बंगाल की यात्रा के बाद उन्होंने रिपोर्ताज 'तूफानों के बीच' लिखा, जिसे खूब प्रसिद्ध मिली। साहित्य के अलावा उनकी चित्रकला, संगीत और पुरातत्त्व में भी विशेष रुचि थी।

## रचनाओं में स्त्री का स्थान

रांगेय राघव के अधिकतर ऐतिहासिक उपन्यास उन चरित्रों से जुड़ी महिलाओं के नाम पर लिखे गए हैं, जैसे 'भारती का सपूत', जो भारतेंदु हरिश्चंद्र की जीवनी पर आधारित है, 'लखिमा की आंखें' विद्यापति के जीवन पर, 'रत्ना की बात' तुलसी के जीवन पर और 'देवकी का बेटा' कृष्ण के जीवन पर आधारित है। इसके अलावा रांगेय राघव ने ऐतिहासिक या पौराणिक पात्रों को एक स्त्री के नजरिए से देखने की कोशिश की, जबकि उस समय हिंदी साहित्य में आधुनिक स्त्री विमर्श का पदार्पण भी ठीक से नहीं हुआ था। उनकी कहानी 'गदल' आधुनिक स्त्री विमर्श की कसौटी पर खरी उतरती है। यह कहानी बहुत लोकप्रिय हुई, जिसका अनेक विदेशी भाषाओं में अनुवाद भी हुआ।

रांगेय राघव के प्रसिद्ध उपन्यास 'कब तक पुकारूं' पर एक टेलीविजन धारावाहिक भी बना था। 1948 में उनका दूसरा उपन्यास 'मुर्दों का टीला' प्रकाशित हुआ, इसकी कहानी सिंधु घाटी सभ्यता पर आधारित थी।

## हिंदी के शेक्सपियर

रांगेय राघव ने जर्मन और फ्रांसीसी के कई साहित्यकारों की रचनाओं का हिंदी में अनुवाद किया। उन्होंने शेक्सपियर के दस नाटकों का भी हिंदी में अनुवाद किया, वे अनुवाद मूल रचना सरीखे थे, इसलिए रांगेय राघव को 'हिंदी के शेक्सपियर' की संज्ञा दी गई। संस्कृत रचनाओं के अलावा विदेशी साहित्य का भी हिंदी में अनुवाद किया। रांगेय राघव के बारे में कहा जाता था कि 'जितने समय में कोई व्यक्ति पुस्तक पढ़ेगा, उतने समय में वे किताब लिख सकते थे।'

## कई भाषाओं के ज्ञाता

रांगेय राघव तमिल, तेलगु के अलावा हिंदी, अंग्रेजी, ब्रज और संस्कृत भाषा के विद्वान थे। उन्हें साहित्य की सभी विधाओं में महारत हासिल थी। उन्होंने मात्र अड़तीस वर्ष की अल्पायु में उपन्यास, कहानी, कविता, आलोचना, नाटक, यात्रा वृत्तांत, रिपोर्ताज के अतिरिक्त सभ्यता, संस्कृति, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, अनुवाद, चित्रकारी, शोध और व्याख्या के क्षेत्रों में डेढ़ सौ से भी अधिक पुस्तकें लिखी। अपनी अद्भुत प्रतिभा, असाधारण ज्ञान और लेखन क्षमता के कारण वे अद्वितीय लेखक माने जाते हैं।

## सम्मान

रांगेय राघव को 1951 में हिंदुस्तानी अकादमी पुरस्कार, 1954 में डालमिया पुरस्कार, 1957 और 1959 में उत्तर प्रदेश सरकार पुरस्कार और 1961 में राजस्थान साहित्य अकादमी से सम्मानित किया गया। 1966 में मरणोपरांत उन्हें महात्मा गांधी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

**निधन :** लंबी बीमारी के कारण 12 सितंबर, 1962 को मुंबई में उनका निधन हो गया। ■

# सर्दी में गरम पेय

सर्दी के मौसम में अक्सर गले और छाती में बलगम जमा होने लगता है। कई लोगों को खांसी-जुकाम की समस्या रहती है। कुछ लोगों को हर समय हाथ-पौरों में ठंड लगती रहती है। ऐसे में कुछ पेय बहुत फायदेमंद होते हैं। पूरी सर्दी अगर रोज नहीं तो हफ्ते में दो-तीन बार भी पी लिया जाए तो छाती और गले का बलगम साफ हो जाता है। खांसी-जुकाम की समस्या से निजात मिलती है। यों चाय-कॉफी पीने से भी तत्काल राहत मिलती है, पर कहवा और रसम जैसे पेय ऐसे हैं, जो सर्दी में कफ संबंधी समस्याओं में दवा का काम करते हैं। इस बार यही दो पेय बनाने के बारे में बात करते हैं।

दाना-पानी

मानस मनोहर

## कहवा

कहवा कश्मीर का लोकप्रिय पेय है। वहां लोग समोअर में कहवा भर कर रख लेते हैं और बीच-बीच में पीते रहते हैं। इस तरह बर्फबारी के इस मौसम में वहां लोगों को बहुत आराम मिलता है। कश्मीर में बर्फबारी के दिनों में घर से निकलना मुश्किल होता है। ज्यादातर समय लोग घरों में ही बंद रहते हैं। ऐसे में बहुत सारे लोग घरों में बैठे दस्तकारी के काम करते रहते हैं। मगर हाथों में गरमी न बनी रहे, तो दस्तकारी के काम भी कठिन हो जाते हैं। ऐसे में कहवा बहुत मदद करता है। कहवा एक प्रकार का चाय-कॉफी जैसा ही पेय है, पर यह चाय-कॉफी जैसा कोई उत्पाद नहीं होता। बहुत सारे लोगों को लगता है कि कहवा भी किसी वनस्पति से तैयार होता होगा, पर हकीकत यह है कि इस नाम की कोई वनस्पति नहीं होती। बहुत सारे लोग कश्मीर घूमने जाते हैं, तो वहां कहवा का पाउडर डिब्बाबंद मिलता है। वह सैलानियों को बेचने के मकसद से तैयार किया गया होता है। जबकि कश्मीरी लोग जो कहवा पीते हैं, वह कई गरम तासीर वाली चीजों के मेल से बनता है।

कहवा दरअसर केसर और दालचीनी से बनता है। इसमें कुछ दाने अखरोट और बादाम के भी कुतर कर डाल दिए जाते हैं। इन सबकी तासीर गरम होती है, जो शरीर को तो गरम रखते ही हैं, कफ संबंधी समस्या से भी दूर रखते हैं। पानी में उबल कर इनका स्वाद निराला हो जाता है। केसर न सिर्फ शरीर में गरमी बनाए रखता है, रक्त संचार को सुचारु रखता है, बल्कि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता, स्फूर्ति बढ़ाता और बल प्रदान करता है। इसी तरह दालचीनी रक्त संचार को बढ़ाती है, पेट में वायु संबंधी विकार का नाश करती और कफ संबंधी समस्याओं से राहत प्रदान करती है।

कहवा एक ऐसा पेय है, जिसे हर उम्र का व्यक्ति पी सकता है। बच्चों को चाय-कॉफी नहीं पीने दिया जाता, मगर उन्हें कहवा पिलाया जा सकता है। बल्कि अगर बच्चों को केसर बचपन से ही देना शुरू करें, तो उनके शरीर में अनेक समस्याएं पैदा ही नहीं होंगी। इसलिए बच्चों को भी कहवा पीने को दिया जा सकता है। यह एक प्रकार का औषधीय पेय है।

कहवा बनाना किसी भी पेय की अपेक्षा सबसे आसान होता है। इसके लिए अगर एक कप कहवा बनाना है, तो चार-पांच केसर की कलियां, आधा इंच दालचीनी और एक बादाम या फिर आधा अखरोट पर्याप्त होता है। इसमें चीनी या शहद आप अपने स्वाद के मुताबिक मिला सकते हैं। जो लोग मीठे से परहेज करते हैं, वे इसे छोड़ सकते हैं। इसी अनुपात में जितनी मात्रा में कहवा बनाना चाहें, बना सकते हैं। चाहें, तो कहवा बना कर थरमस में भर कर रख सकते हैं और जब चाहें, पी सकते हैं।

कहवा बनाने के लिए जितने कप बनाना चाहते हैं, उतना पानी उबालें। पानी उबल जाए तो उसमें पहले दालचीनी का टुकड़ा डालें फिर केसर की कलियां डालें और अंत में कुतरे हुए बादाम-अखरोट और जरूरत भर शक्कर या शहद डाल कर मिला लें। आंच बंद कर दें। कहवा परोसने से पहले दालचीनी का टुकड़ा बाहर निकाल दें। बाकी चीजें पानी में ही रहने दें और गरमागरम परोसें। कहवा पीते समय मुंह में बादाम और अखरोट का टुकड़ा आता है, तो बड़ा आनंद आता है।

## रसम

रसम दक्षिण भारत का लोकप्रिय पेय है। यह आमतौर पर भोजन से पहले स्टार्टर के तौर पर या फिर बाद में पापड़ के साथ परोसा जाता है। रसम भी सर्दी में कफ संबंधी समस्याओं से पार पाने में बहुत मददगार पेय है। इसे घर में बनाना बहुत आसान है। आजकल तो बाजार में रसम पाउडर भी सहज उपलब्ध होता है। दक्षिण भारतीय दुकानों पर भी इसका बना-बनाया पाउडर उपलब्ध होता है। बस कुछ सब्जियां उबालिए और पैकेट वाला रसम का पाउडर डालिए, रसम तैयार हो जाता है। यों घर में भी रसम का पाउडर बना कर रखा जा सकता है। इसका मसाला बना कर रख लें और पूरी सर्दी या सर्दी के बाद भी जब मन हो, रसम बनाएं और पीएं, फायदा करेगा। इससे पाचन भी दुरुस्त रहता है।

रसम बनाना बहुत ही आसान है। पहले रसम पाउडर बनाते हैं। इसके लिए छह साबुत लाल मिर्च, पांच चम्मच साबुत धनिया, एक चम्मच जीरा, एक चम्मच काली मिर्च, आधा चम्मच राई, आधा चम्मच मेथी दाना, दस-बारह कढ़ी पत्ता, चौथाई चम्मच कुटी हुई हल्दी लेकर अलग-अलग गरम तवे पर गंध आने तक सेंकें और ठंडा होने के बाद ग्राइंडर में पीस लें। रसम पाउडर तैयार है।

अब रसम बनाने के लिए एक पैन में एक लीटर पानी लें। उसमें एक टमाटर बारीक काट कर डालें, उसी में पांच से छह चम्मच इमली का गूदा डालें, जरूरत भर का नमक और एक चम्मच चीनी भी डाल दें। इसके बाद कुछ कढ़ी पत्ते और थोड़ा हरे धनिया के पत्ते डालें और इन्हें उबलने दें। बीच-बीच में चलाते रहें।

अब जो रसम पाउडर बनाया था उसमें से एक से डेढ़ चम्मच डालें और मिला लें। ढक्कन लगा कर थोड़ी देर उबलने दें। जब रसम पक कर उसमें से अच्छी खुशबू आने लगे तो तड़के की तैयारी करें। तड़के के लिए एक पैन में एक चम्मच तेल गरम करें। उसमें दो साबुत लाल मिर्चें, आधा चम्मच राई, एक चुटकी हींग और चार-पांच कढ़ी पत्ता डाल कर तड़का तैयार करें और रसम में डाल दें। इसके साथ ही दो-तीन कलियां लहसुन की कूट कर डालें। रसम तैयार है। गरमागरम पीएं। ■

# त्वचा को बनाएं कोमल

सेहत

ठंड के मौसम में हाथ-पैरों की त्वचा का फटना आम बात है। समझ नहीं आता कि इससे कैसे पार पाया जाए। ऐसी कौन सी क्रीम या फिर तेल का इस्तेमाल किया जाए जिससे एड़ियों और हाथों की कोमलता और खूबसूरती बनी रहे। फटे होंठ, फटी एड़ियां, फटी अंगुलियां और फटे हाथ लेकर घर से बाहर जाने में भी शर्म आती है। फिर ऐसा तो हो नहीं सकता कि ठंड में घर-बाहर के सारे काम छोड़ कर चुपचाप रजाई में बैठा जाए। फिर ऐसे कौन से उपाय हो सकते हैं, जिससे ठंड में त्वचा कोमल और खिली-खिली नजर आए।

## त्वचा के फटने या रूखेपन का कारण

ठंड में त्वचा फटने की समस्या आम है। हवा में मौजूद रूखापन त्वचा से नमी चुरा लेता है, जिससे त्वचा फटने लगती है। पानी कम पीना, नहाने में तेज गर्म पानी का इस्तेमाल और भोजन में पोषक तत्वों की कमी की वजह से भी ऐसा होता है। तनाव, प्रदूषण, बीमारी या शारीरिक कमजोरी की वजह से भी त्वचा रूखी और बेरंग हो जाती है।

## घरेलू और प्राकृतिक चिकनाई

सर्दियों में त्वचा के फटने की समस्या मुख्यतः होंठ, एड़ियों और उंगुलियों में नजर आती है। इसके उपचार के लिए घरेलू और प्राकृतिक मॉइस्चराइजर से बेहतर कुछ भी नहीं। त्वचा की नमी बनाए रखने के लिए घर में रखे ग्लिसरीन, शहद, दूध और घी का भी इस्तेमाल करें, विटामिन ए और विटामिन ई युक्त आहार लें और खूब पानी पिएं।

## होंठों की देखभाल

होंठों की त्वचा, शरीर के किसी भी दूसरे भाग की तुलना में कहीं अधिक पतली और संवेदनशील होती है, इसलिए इन पर ठंड का असर सबसे पहले पड़ता है। होंठ चबाने, होंठों पर जीभ फेरने और सस्ते उत्पाद का इस्तेमाल करने से भी होंठ फटते हैं।

- होंठ को नर्म बनाए रखने के लिए रोज आठ गिलास से ज्यादा पानी पिएं।
- दूध की मलाई या घी लेकर होंठों पर हल्के हाथों से मालिश करें। मलाई और घी से त्वचा पर एक परत बन जाती है, जिससे त्वचा फटने से बच जाती है।
- रात में सोने से पहले नाभि में सरसों तेल या फिर घी लगा कर सोएं, इससे भी होंठ नर्म रहते हैं।
- सोने से पहले होंठों पर पेट्रोलियम जैली लगाएं।

## हाथों और अंगुलियों की देखभाल

सर्दियों में साग-सब्जियों की बहार रहती है। आलू और हरे साग इसी मौसम में निकलते हैं। इस मौसम में सब्जियों के काटने से उसका रस हाथ खासकर अंगुलियां की त्वचा रूखी, बेजान और फटी नजर आती है। इससे बचने के लिए सब्जियों को काटने के तुरंत बाद हाथों को गुनगुने पानी से धोएं। हाथों से सब्जियों के रस को निकालने के लिए हैंडवॉश या मॉइस्चराइजर युक्त साबुन का प्रयोग करें। इसके बाद बादाम और एलोवेरा युक्त मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगा कर हाथों की मालिश करें, इसे हाथ नर्म हो जाएंगे।

- खाना बनाने से लेकर घर की सफाई तक में पानी का इस्तेमाल होता है। बार-बार ठंडे पानी में हाथ डालने और हाथों की उचित देखभाल न करने पर अंगुलियां रूखी हो जातीं और फटने लगती हैं, जिससे दर्द तो होता ही है उंगुलियों पर दाग नजर आने लगते है। हाथ और उंगुलियों को कोमल बनाने के लिए जब भी घर के काम से विराम लें, मॉइस्चराइजिंग क्रीम से मालिश करें।
- ठंडे पानी के प्रयोग से बचें और जितना हो सके घर के छोटे-बड़े कामों के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। हाथों को कुछ देर हल्के गुनगुने पानी में डाल कर रखें और मैनीक्योर कैंची से फटी त्वचा को सावधानीपूर्वक हटाएं। इससे फटी त्वचा में आराम मिलता है।
- सोने से पहले हाथों को नारियल तेल, जैतून का तेल, मॉइस्चराइजिंग क्रीम या फिर पेट्रोलियम जैली से मालिश करें।
- हाथों की रूखी त्वचा को निकालने और त्वचा की रंगत बढ़ाने के लिए पंद्रह दिन पर मैनीक्योर करवाएं।

## एड़ियों की देखभाल

ठंडी हवाएं न सिर्फ चेहरे की, बल्कि पैरों की भी रंगत चुरा लेती हैं। अक्सर ऐसा होता है कि हम अपने चेहरे को निखारने पर तो पूरा ध्यान देते हैं, लेकिन पैरों खासकर एड़ियों की अनदेखी कर देते हैं, जिससे एड़ियां फटने लगती हैं। समय के साथ यह समस्या बढ़ती है और तब फटी एड़ियों और अंगुलियों में खून तक आना शुरू हो जाता है।

- एड़ियों को ठंड से बचाएं और जुराबें पहनें। जुराबों की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें।
- घर के कामकाज के दौरान भी जुराबें या चप्पल पहन कर रखें।
- नहाते समय पैरों को पेडीक्योर वाले ब्रश से रगड़ कर साफ करें, इससे रूखी त्वचा निकल जाएगी। फिर पेट्रोलियम जैली लगाएं।
- एड़ियां ज्यादा फट गई हैं तो तीन-चौथाई मात्रा में गुलाब जल और एक-चौथाई मात्रा में ग्लिसरीन लेकर मिश्रण बनाएं और कुछ देर तक एड़ियों पर लगा रहने दें और उसके बाद गुनगुने पानी से उसे साफ कर लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने पर फर्क दिखेगा।
- सोने से पहले एड़ियों पर नारियल तेल, जैतून का तेल, क्रीम या फिर पेट्रोलियम जैली लगा कर मालिश करें, फिर जुराबें पहन कर सो जाएं। सुबह उठ कर या नहाते समय पैर गुनगुन पानी से धो लें। करीब दस दिन तक इस उपाय को लगातार करने से एड़ियां मुलायम हो जाएंगी। ■

# सर्दी के सदाबहार पहनावे

**यह सर्दी का मौसम है और इसमें फैशन की एक तरह से बहार रहती है। इस मौसम में पहनने के लिए तरह-तरह के स्वेटर, जैकेट, पुलओवर, जूते, बूट आदि का बाजार गरम रहता है। बाकी मौसम में तो गरमी के मारे बुरा हाल रहता है, इसलिए कम से कम कपड़े पहनने का मन करता है। मगर इस मौसम में खूब सारे कपड़े पहनने का अवसर मिलता है। सर्दी के पहनावों में हर साल नए-नए प्रयोग भी होते रहते हैं। इस साल इस मौसम में किस तरह के पहनावे चलन में हैं और रहने वाले हैं, बता रही हैं अनीता सहरावत।**

फैशन और स्टाइल के मायने हर किसी के लिए अलग होते हैं। कोई अपने आराम के हिसाब से ट्रेंड चुनता है, तो कोई सेलिब्रिटीज के स्टाइल को अपनाता है। पहले जो ट्रेंड सेट होते थे, वे ज्यादा लंबे समय तक वार्डरोब में टिकते थे, लेकिन चलन से बाहर होने के बाद अलमारी से सीधे बाहर भी हो जाते थे। स्टाइल को दोहराने की गुंजाइश बड़ी कम ही होती थी। मगर आज फैशन के मायने काफी अलग हैं। मिक्स-मैच की थ्योरी यानी मिला-जुला कर पहनने के सिद्धांत ने वार्डरोब में भी अपनी जगह बना ली है। ऐसे में भला हो इंटरनेट और ऑनलाइन शापिंग साइटों का, जिन्होंने खरीदारी और सज-धज के मायने बिल्कुल पलट दिए हैं और इसे आसान और मजेदार बना दिया है। आप अलग-अलग साइटों पर जाकर ताजातरीन डिजाइन और स्टाइल की तुलना कर अपना पंसदीदा स्टाइल चुन सकते हैं।

अब कोई ट्रेंड पुराना नहीं पड़ता, बशर्ते नए स्टाइल के साथ आपका जायका प्रयोगवादी यानी एक्सपेरीमेंटल हो। आइए, बात करते हैं कि इस सर्द मौसम में कौन से फैशन ट्रेंड लुभाएंगे। स्टाइल में नया क्या है और कौन से पुराने ट्रेंड खुद को रिइनवेंट कर रहे हैं।

## हुडेड जैकेट

बेशक ठंड ज्यादा हो या कम, घर पर हो या आउटिंग पर, हुड जैकेट हरेक की अलमारी की जरूरत है। इन जैकेट्स की सबसे खास बात यह है कि ये पूरी तरह आरामदायक होती हैं, न पूरी तरह फिटेड, न ही ढीला लटकता लुक। ट्विस्टेड फ्रंट पुलओवर जैकेट कैजुअल नाइट वाक में भी आपको स्टाइलिश लुक देगी। शेरपा जैकेट स्वेटर की जरूरत नहीं पड़ने देगी। आजकल रिवर्स वीव क्राप्ड हुडेड भी काफी पसंद की जा रही है, वजह है इनका स्टाइलिश और अलग अंदाज। इनके अलावा टाई-डाई यानी फेडेड रंगी हुई जैकेट को जींस और बूट का कांबिनेशन आपको ही नहीं, देखने वालों को भी जरूर लुभाएगा। हाफ जिप हुडेड जैकेट को मिडी स्कर्ट में टक-इन करके आप सबको इसके अलहदा अंदाज से चैंकाएंगें।

## लेदर जैकेट

जैकेट की बात हो और लेदर जैकेट्स का जिक्र न हो, तो वार्डरोब सूना ही होगा। बॉम्बर लेदर जैकेट, जींस और कॉम्बैट बूट की संगत रहेगी। वहीं लेदर ब्लेजर प्रोफेशनल्स की पर्सनल पसंद मे आगे रहेगें। क्राप्ड मोटो जैकेट, मोटो जैकेट, लेदर शर्ट जैकेट भी कामकाजी महिलाओं को लुभाएंगी। वहीं बाइकर और फिटेड ऐंड रग्ड जैकेट क्लासिक दिखेंगी। ट्रेंच कोट और स्कॉरपियन जैकेट भीड़ से अलग पहनने की चाहत रखने वालों की पसंद में आगे रहेगी।

## स्वेटर

स्वेटर के बिना सर्दियों में गुजारा कहां? टर्टलनेक यानी कछुआ गर्दन स्वेटर और टॉप्स बेशक सर्दियों की सबसे पहली पसंद हैं। इन्हें आप अकेले भी पहन सकते हैं, जैकेट और कोट के साथ भी ये बड़ी आसानी से मिक्स हो जाते हैं। इनमें रिब्ड टॉप्स भी चलन में हैं। क्रिस-क्रास स्वेटर, बेगी स्टाइल ऑफ शोल्डर स्वेटर्स का ढीला-ढाला अंदाज या यों कहें, लापरवाह-सा अंदाज भी इस सर्द मौसम को गरमाएगा। लंबे और छोटे क्रू नेक कैजुअल और निटेड स्वेटर इस मौसम में छाए रहेंगे, बशर्ते आप इनका लटकता अंदाज कायम रखने के लिए इन्हें जल्दबाजी में न सुखाएं, नहीं तो इनके सिकुड़ने का खतरा है। ठंड में रंग चुनने के मामले में कोई बंदिशें नहीं, ऐसे में गहरे या हल्के रंगों की पसंद आपकी अपनी है।

## कोट और पफ्ड जैकेट

स्वेटर और खूब सारे गरम कपड़े पहनने के बाद भी सर्दियों मे ठिठुरन कम नहीं होती। ज्यादा कपड़ों से लद कर काम करने में जितनी दिक्कतें होती हैं, उतना ही मुश्किल होता है उनमें सहज महसूस करना। कोट और फूली जैकेट इस परेशानी का हल है। लंबे, छोटे, मध्यम आकार के कोट हरेक के व्यक्तित्व और पसंद के बारे में बहुत कुछ कहते हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने प्रोफेशनल और कैजुअल लुक को अलग रखें। इन्हें वेस्टर्न और इंडियन दोनों ही आउटफिट के साथ आसानी से मिलाया जा सकता है। कड़ाके की ठंड मे पफ्ड या फूली जैकेट के अनेक डिजाइन अकेले ही काफी हैं।

## बूट

ठंड की सबसे खास बात यह है कि सर्दियों मे कपड़ों से लेकर एक्सेसरीज तक आप खूब प्रयोग कर सकते हैं। मिक्स-मैच की गलतियां भी आसानी से छिप जाती हैं, लेकिन बूट्स और जूते जरा संभल कर ही पहनें। एंकल बूट्स के बजाय थाई-हाई बूटस का लुक और चार्म इन सर्दियों में छाया रहेगा। टखने तक के जूते पहनने के लिए हमें ड्रेस और जगह का ध्यान रखना पड़ता है, वहीं थाई हाई बूट्स को टाईट्स, जींस, स्कर्ट और ड्रेसेज किसी के भी साथ आसानी से पहना जा सकता है। इनके क्लासिक लुक ने इन्हें ऑल टाइम फेवरिट रखा है।

चेल्सिया बूट्स, हील हाइटस और टो-शेप के इन जूतों की खासियत है इनका इलास्टिक साइड पैनल, जो इन स्टाइलिश जूतों को पहनने और उतारने में सहूलियत देता है। तकरीबन पचास-साठ के दशक के ये ट्रेंडी बूट स्टाइल लड़के-लड़कियों को बराबर पसंद हैं। वहीं कॉम्बैट बूट कभी डिजाइन, तो सैनिकों के लिहाज से हुए थे, लेकिन इनका गोलाकार पंजा, मोटी सोल और उंची कॉलर ने इन्हें युवाओं का चहेता डिजाइन बना दिया है। इनमें रंगों और डिजाइन की भरमार है। इस सर्द मौसम में ए भी सड़कों पर खूब दिखेंगे। स्टिलिटो हील बूट सदाबहार बूट है, लेकिन पिछले कुछ समय से कामकाजी महिलाओं के प्रोफेशनल आउटफिट के साथी बने हुए हैं। ये कैजुअल बिल्कुल नहीं हैं, टेलर्ड फिट आउटफिट के साथ ही इनका जोड़ जमेगा। इनके अलावा काउ-बॉय बूट्स भी इस सीजन में छाए रहेंगे। ❑

# नन्ही दुनिया

## मतभेद

कहानी

सीमा श्रोत्रिय

एक बार कालू बंदर और हरिया हाथी में बहुत झगड़ा हो गया। दोनों एक-दूसरे के साथ मरने-मारने को तैयार हो गए। बीच-बचाव करने वाले जानवरों ने उस समय तो उनको लड़ने से रोक दिया। कुछ देर बाद वे अपने-अपने घर के लिए रवाना भी हो गए। पर दोनों के मन में उपजा हुआ रोष तो कोई बाहर नहीं निकाल सका। इसका नतीजा यह हुआ कि कालू बंदर और हरिया हाथी दोनों एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए।

समय बीतता गया। दोनों इस मौके की तलाश में लगे रहते कि कैसे एक-दूसरे को नीचा दिखाया जाए।

कालू बंदर ने गुंडों को अपने पास बुलाया और बहुत सारे रुपए देकर हाथी को मारने के लिए सुपारी दे दी।

इधर हाथी ने भी गुंडों को बुला कर बंदर को मारने के लिए पैसे दे दिए। उनकी घिनौनी साजिश का पता लगा तो बात जंगल में आग की तरह फैल गई थी।

सारे जानवर आपस में खुसर-पुसर करने लगे। बात फैलते-फैलते जंगल के राजा शेर के पास पहुंच गई। राजा बहुत न्यायप्रिय था। राजा को किसी की लड़ाई अच्छी नहीं लगती थी। वह बहुत शांत स्वभाव का राजा था। उसकी इसी आदत के कारण सारी जनता महाराज को पसंद करती थी। महाराज खुद भी अमन पसंद थे और दूसरों को भी आपसे में लड़ने नहीं देते थे। जब उन्हें पता चला कि हाथी और बंदर में इतना बड़ा झगड़ा हो गया है तो उन्हें बहुत बुरा लगा। उन्होंने अपने मंत्री भालू को बुलाया और कहा, 'कैसे भी करो, पर इन दोनों का आपसी झगड़ा खत्म करो।'

भालू मंत्री बहुत समझदार था। उसे एक उपाय सूझा। उसने सोचा, सभी जानवरों की एक सभा बुलाई जाए। उन्हें कुछ ऐसी नैतिक बातें और नसीहतें समझाई जाएं, जिनसे उनके अंदर रमा हुआ रोष खत्म हो सके। इस तरह के विचार को अमल में लाने ने लिए जल्दी ही भालू मंत्री ने जंगल में सभा करने का एलान करवा दिया।

अगले दिन सभा में लगभग सभी जानवर एकत्र हो गए। हरिया हाथी और कालू बंदर भी उपस्थित हुए।

सभा का शुभारंभ हुआ। भालू मंत्री ने मंच का संचालन किया और शेर को अध्यक्षता करने के लिए मंच पर आमंत्रित किया।

महाराज ने सभी जानवरों को संबोधित करते हुए कहा, 'मेरे प्यारे प्रजाजन, अगर हम सभी अमन, प्यार, सद्भावना, धीरज और शांति को अपने जीवन में धारण कर लें तो हम सब के लिए बहुत सुख की बात होगी। हम सभी क्यों ऐसी छोटी-छोटी बातों में इतने उलझ जाते हैं कि अपने जीवन की शांति को अशांति में खुद बदल डालते हैं? क्या हम आपस में भाईचारे की भावना के साथ जिंदगी नहीं जी सकते? हम अगर थोड़ी-सी सहनशीलता अपना लें तो आपसी मनमुटाव को बड़ी आसानी से मिटा सकते हैं। लड़ कर एक-दूसरे को पीड़ा देकर आखिर हम क्या हासिल करना चाहते हैं? क्या किसी के प्राण लेकर हम अपने को विजयी कहलाना ज्यादा पसंद करते हैं? क्या ऐसा करके हम महान बन सकते हैं?'

महाराज की बातें सुन कर सबको संतोष हुआ। महाराज के बाद अब मंत्री भालू ने कहा, 'हम सब एक मालिक के बंदे हैं और अगर हम नेकी के रास्ते पर चलेंगे तो हम हंसते-हंसते इस दुनिया से जाएंगे तो भगवान भी हमारे जीवन से खुश होंगे। हमें एक-दूसरे के साथ मिल कर रहना चाहिए और अगर कहीं नाराजगी भी है, तो उसका समाधान करना चाहिए न कि एक-दूसरे के प्रति दुश्मनी पालनी चाहिए।'

महाराज और मंत्री के ऐसे दिल छूने वाले प्रवचनों से सभी जानवर बड़े खुश थे। भालू मंत्री ने बातों ही बातों में हरिया हाथी और कालू बंदर को मंच पर बुलाया और उनके बीच संबंधों के बारे में असलियत सबको बताई। दोनों अपनी पोल खुलने पर लज्जित होकर पछता रहे थे कि कहां वे जानी दुश्मन बन बैठे थे, पर महाराज ने उनको अपने मतभेद भुला कर सुख-चैन से जंगल में जीने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महाराज और सभी जानवरों से अपने गलत आचरण के लिए माफी मांगी और कहा कि आप सबने हमारी समस्या को अपनी समस्या मान कर हमारी आंखें खोल दी। हम वाकई बहुत गलत थे। हम वादा करते हैं कि अब हम भविष्य में कभी किसी से नहीं लड़ेंगे और अमन-चैन के साथ जीवन जीएंगे।

महाराज के कहने पर दोनों ने अपने मतभेद भुला कर एक-दूसरे को गले लगा लिया। सभी जानवरों ने महाराज का जय-जयकार किया और अपने-अपने घरों की तरफ चल दिए।

सच ही कहा गया है कि हमें अपने मतभेद भुला कर सही जीवन जीना चाहिए। ❑

## कविता

गौरव वाजपेयी 'स्वप्निल'

### मारो चौका छक्का

पापा जी! मोबाइल दे दो
डाउनलोड करूंगा गेम।
क्रेजी जूसर पॉप दि शूटर
किक दी बड्डी यूरो ट्रेन।

पापा बोले- प्यारे बेटे!
दौड़-भाग कर खेलो खेल।
तन-मन दोनों स्वस्थ रहेंगे
कभी नहीं होगे तुम फेल।

बड़ा बुरा है प्यारे बेटे
मोबाइल का चस्का।
बेहतर है तुम पकड़ो बल्ला
मारो चौका-छक्का।

## शब्द-भेद

**कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।**

### अनुभव/ अनुभाव

ऐसा ज्ञान जो कोई काम या प्रयोग करके प्राप्त होता है, उसे **अनुभव** कहते हैं। अंग्रेजी में इसका पर्याय है एक्सपीरिएंस। जबकि **अनुभाव** का अर्थ होता है महिमा, बड़ाई, किसी वस्तु में छिपा हुआ विशेष गुण।

### अपेक्षा / उपेक्षा

जब किसी से किसी चीज की उम्मीद पाली जाती है, किसी चीज की इच्छा रखी जाती है, तो उसे **अपेक्षा** कहते हैं। अपेक्षा का एक अर्थ दो वस्तुओं की आपस में तुलना करने का भी होता है। जबकि **उपेक्षा** का अर्थ है अनदेखा करना, टालना। अंग्रेजी में इसके लिए इग्नोर शब्द है।

## दुनिया उल्टी-पुल्टी

खुद बनाओ

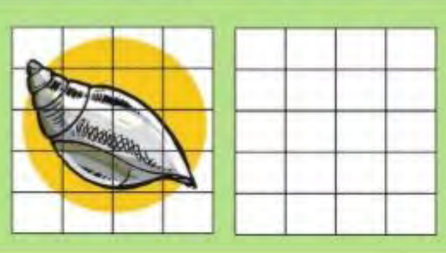

## अनूठे सच

प्राचीन यूनान में लगभग हर देवता किसी न किसी जानवर का प्रतिनिधित्व करता था। अनुबिस कुत्ते के सिर वाले देवता थे। बुज्जा तथा बैबून थोट देवता के प्रतीक थे। शिक्षा का देवता साँक मगरमच्छ जैसे नैननक्ष का था। होरस देवता का सिर बाज का और बास्टट देवता बिल्ली की शक्ल का था।

## नटखट

प्रस्तुति-

### सच है या झूठ?

भारत में क्रिकेट के जन्म दाता कहे जाने वाले रनजी यानी रंजीत सिंह भारत की ओर से कभी नहीं खेले. सच है या झूठ ?